

कलेक्टर ने ग्रामीणों से किया सीधा संवाद, 7 पेंशन प्रकरण स्वीकृत और शांतिधाम के लिए भूमि आरक्षित

अजय सिंह तोमर
मध्य प्रदेश: मुर्ना, 18 सितम्बर 2026/मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सहित मुर्ना जिले में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। अभियान के चार प्रमुख स्तंभ संवाद, समाधान, संवेदनशीलता एवं सादगी के अनुरूप शुक्रवार को जनपद पंचायत पोरसा की ग्राम पंचायत नंदपुरा (खेरिया) में क्षेत्र भ्रमण एवं जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया। कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जागिड़ ने ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनसे सीधा संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 186 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 26 आवेदन समय-सीमा में निराकरण हेतु दर्ज किए गए, जबकि 22 प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शिविर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री कमलेश कुमार भार्गव, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अम्बाह श्रीमती प्रतिज्ञा शर्मा, जनपद पंचायत पोरसा की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सुनीता शर्मा, मुख्य नगरपालिका



अधिकारी पोरसा सहित जिला एवं खण्ड स्तर के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान का उद्देश्य प्रशासन को ग्रामीणों के बीच पहुंचाकर उनकी समस्याओं को सुनना और यथासंभव उनका स्थानीय स्तर पर ही समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीणों से प्राप्त आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए प्रत्येक प्रकरण का नियमानुसार एवं समय-सीमा में निराकरण किया जाए। ई-केवायसी पूर्ण कर 7 पेंशन प्रकरण स्वीकृत शिविर में पेंशन से संबंधित 7 ऐसे प्रकरण सामने आए, जिनमें ई-

केवायसी पूर्ण नहीं होने के कारण हितग्राहियों को पेंशन का लाभ नहीं मिल पा रहा था। कलेक्टर के निर्देश पर मौके पर ही ई-केवायसी की प्रक्रिया पूर्ण कराई गई तथा सभी 7 पेंशन प्रकरण स्वीकृत किए गए। पेंशन स्वीकृत होने पर संबंधित हितग्राहियों को तत्काल लाभ मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ। शांतिधाम के लिए भूमि आरक्षित, शीघ्र शुरू होगा निर्माण ग्राम खेरिया के ग्रामीणों ने शांतिधाम के लिए भूमि उपलब्ध नहीं होने की समस्या कलेक्टर के समक्ष रखी। कलेक्टर के निर्देश पर राजस्व एवं पंचायत विभाग की टीम ने समन्वय कर शांतिधाम के लिए भूमि आरक्षित कर दी।

कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर यहां शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाए। दो मार्गों के निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति जारी ग्रामीणों ने गांव को मुख्य सड़क से जोड़ने वाले दो मार्गों के निर्माण से संबंधित समस्या भी रखी। कलेक्टर ने बताया कि दोनों मार्गों के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत तकनीकी स्वीकृति की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है तथा प्रशासनिक स्वीकृति भी जारी कर दी गई है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आगामी चार से पांच माह में दोनों मार्गों का निर्माण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

पट्टाधारियों के नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज करने के निर्देश शिविर में राजस्व संबंधी प्रकरणों की भी सुनवाई की गई। ऐसे प्रकरण, जिनमें शासन द्वारा पट्टा प्रदान किए जाने के बावजूद राजस्व अभिलेख में पट्टाधारी का नाम दर्ज नहीं हो पाया है अथवा बाद में नाम छूट गया है, उन्हें संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व न्यायालय में दर्ज कर नियमानुसार निराकरण करने के निर्देश दिए गए। पात्र पट्टाधारियों के नाम वर्तमान ऑनलाइन राजस्व अभिलेख में दर्ज कराने की कार्रवाई भी सुनिश्चित करने को

कहा गया। अतिक्रमण के प्रकरणों का एक माह में निराकरण करने के निर्देश अतिक्रमण से संबंधित आवेदनों पर कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन प्रकरणों में पूर्व में आदेश पारित हो चुके हैं, उनमें मौके पर बेदखली एवं कब्जा हटाने की कार्रवाई तत्काल की जाए। वहीं नए प्राप्त प्रकरणों में तहसीलदार न्यायालय द्वारा नियमानुसार सुनवाई एवं स्थल निरीक्षण कर अतिक्रमण पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने शासकीय एवं निजी भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त करने तथा अतिक्रमण से संबंधित सभी प्रकरणों का एक माह में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर आमजन से सीधा संवाद किया जा रहा है। इस दौरान शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं की जमीनी स्थिति की जानकारी लेने के साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर निराकरण तथा लंबित प्रकरणों के त्वरित समाधान की दिशा में कार्रवाई की जा रही है। इससे ग्रामीणों को अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष सीधे रखने और स्थानीय स्तर पर उनके समाधान का अवसर मिल रहा है।

समय पर वेतन और जीईएम पोर्टल से जोड़ने की मांग को लेकर पंप ऑपरेटरों की बैठक

पंकज कुमार
उत्तर प्रदेश: ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण में कार्यरत सभी पंप ऑपरेटर कर्मचारियों को GEM पोर्टल से जोड़ा जाए, ताकि कर्मचारियों को समय पर वेतन सहित अन्य सुविधाएं मिल सकें। निगम से जोड़ा जाए पंप ऑपरेटर कर्मचारियों को उचित व्यवस्था के तहत निगम से जोड़े जाने की मांग की गई, ताकि लंबे समय से कार्यरत कर्मचारियों को स्थायी एवं व्यवस्थित रोजगार व्यवस्था मिल सके। समय पर वेतन दिया जाए पंप ऑपरेटर कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें समय पर वेतन नहीं मिल रहा है। कई बार तीन-तीन, चार-चार और पांच-पांच महीने तक वेतन लंबित रहने की समस्या सामने आती है। वेतन में कटौती बंद हो कर्मचारियों का आरोप है कि वेतन पडित के समय भी उसमें विभिन्न प्रकार की कटौती कर दी जाती है। कर्मचारियों ने वेतन में अनुचित कटौती की व्यवस्था को समाप्त करने की मांग की। एक की सुविधा दी जाए सभी



पंप ऑपरेटर कर्मचारियों को एक की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की गई, ताकि कर्मचारियों को चिकित्सा एवं सामाजिक सुरक्षा मिल सके। PF की समस्या का समाधान हो कर्मचारियों ने कहा कि उनका PF नियमित रूप से जमा नहीं किया जाता और कई मामलों में पूरा PF जमा नहीं होने की समस्या रहती है। PF की पूरी राशि नियमानुसार जमा कराने और कर्मचारियों को उसका सही रिकॉर्ड उपलब्ध कराने

की मांग की गई। ठेकेदारी व्यवस्था में कर्मचारियों की समस्याओं पर संज्ञान लिया जाए

बैठक में कर्मचारियों ने ठेकेदारों द्वारा कथित रूप से की जा रही मनमानी और कर्मचारियों की समस्याओं पर चिंता व्यक्त की तथा संबंधित अधिकारियों से मामले में तत्काल संज्ञान लेने की मांग की। अधिकारियों से निवेदन ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के उष्ट श्री रवि कुमार एन.जी. से निवेदन है कि पंप ऑपरेटर कर्मचारियों की

उपरोक्त समस्याओं का तत्काल संज्ञान लेते हुए समाधान कराया जाए।

माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी से भी निवेदन है कि पंप ऑपरेटर कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उन्हें GEM पोर्टल से जोड़ने अथवा निगम से जोड़ने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाए, जिससे कर्मचारियों को समय पर वेतन, ESI, PF एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं मिल सकें।

शिव-हनुमान मंदिर में हुआ विशाल भंडारा

हजारों श्रद्धालुओं ने लिया ग्रहण किया महाप्रसाद

प्रशांत
उत्तर प्रदेश: प्रतापगढ़ मांझाता स्थित ऐतिहासिक पौराणिक शिव-हनुमान मंदिर प्रांगण में विशाल महाप्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रसाद ग्रहण किया। इस धार्मिक आयोजन का शुभारंभ क्षेत्र के विद्वान पंडित रामकृष्ण पांडे द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। मुख्य यजमान हाईकोर्ट अधिका का शैलेंद्र मिश्रा उर्फ बच्चा और उनकी धर्मपत्नी निशा मिश्रा ने भगवान शिव एवं संकटनाशन श्री हनुमान जी का विधिवत पूजन-अर्चन किया। मंदिर के पुजारी नंदलाल ने संपूर्ण पूजा संपन्न कराई। कार्यक्रम में क्षेत्र के थानाध्यक्ष, पत्रकार, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। महिला, पुरुष एवं युवाओं ने मंदिर में दर्शन-पूजन



कर भगवान शिव और हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त किया, जिसके बाद भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। आयोजक शैलेंद्र मिश्रा ने बताया कि पुरुषोत्तम मास में भगवान शिव और हनुमान जी की आराधना से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है, इसी उद्देश्य से इस महाप्रसाद का आयोजन किया गया ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु लाभान्वित हो सकें। पूरे मंदिर परिसर में 'हर हर महादेव' और 'जय बजरंगबली' के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

कि इन विकास कार्यों से सोसायटी में आवागमन, जल निकासी और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। फहअ पदाधिकारियों और स्थानीय निवासियों ने विकास कार्यों के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों का आभार जताया। साथ ही सोसायटी की अन्य मूलभूत समस्याओं के समाधान की दिशा में भी कार्य जारी रखने की उम्मीद जताई।

बड़वा मंगल पर दंदरौआ धाम में उमड़ेगा आस्था का सैलाब, लगेंगे सैकड़ों अन्नक्षेत्र

अजय सिंह तोमर
मध्य प्रदेश: ख्याति प्राप्त डॉक्टर हनुमान दंदरौआ सरकार के दर्शन को जाने वाले पैदल यात्री 21 तारीख से होंगे रवाना पैदल यात्री भक्तों के सेवा के लिए अन्न क्षेत्र लगाने में जुटे हुए हैं युवा वर्ग के लोग पोरसा तहसील की सीमा में एक सैकड़ों से अधिक अन्न क्षेत्र लगाए जाएंगे अभी से तैयारियां जारी,,,भादो माह के अंतिम मंगलवार को मनाए जाने वाले प्रसिद्ध बड़वा मंगल पर्व को लेकर क्षेत्र में तैयारियां शुरू हो गई हैं। आगामी 22 सितंबर को बड़वा मंगल मनाया जाएगा। पर्व को लेकर पोरसा सहित आसपास के क्षेत्रों के हनुमान मंदिरों में विशेष सजावट और श्रृंगार का कार्य अभी से शुरू कर दिया गया है। मंदिरों को आकर्षक रूप से सजाने के साथ-साथ भक्तों के स्वागत की तैयारियां भी की जा रही हैं। बड़वा मंगल के अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न हनुमान मंदिरों में भगवान हनुमान की प्रतिमाओं का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। मंदिरों में चोला चढ़ाया जाएगा तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर दर्शन-पूजन कर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए अर्जों और मन्त्र तलाएंगे।

भक्ति और आस्था की अनूठी

परंपरा धार्मिक मान्यता के अनुसार,

भादो माह के अंतिम मंगलवार को

बड़वा मंगल के रूप में मनाया जाता



है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम जब लंका से लौट रहे थे, तब उन्होंने हनुमान जी से वरदान मांगने को कहा। हनुमान जी ने किसी सांसारिक वस्तु की इच्छा न रखते हुए भगवान श्रीराम से केवल उनकी भक्ति का वरदान मांगा। इसी आस्था और परंपरा के चलते भादो माह के अंतिम मंगलवार को बड़वा मंगल के रूप में मनाए जाने की परंपरा चली आ रही है। 21 सितंबर से शुरू होगी पैदल यात्रा बड़वा मंगल के अवसर पर दंदरौआ धाम के डॉक्टर हनुमान जी के दर्शन के लिए अम्बाह, पोरसा, मुर्ना सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पैदल यात्रा करते हैं। पिछले वर्ष एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पैदल यात्रा कर दंदरौआ धाम पहुंचकर हनुमान जी के दर्शन किए थे।

इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। 21 सितंबर से ही पैदल

यात्रियों का जल्था दंदरौआ धाम के लिए रवाना होना शुरू हो जाएगा। आयोजकों और स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि इस बार श्रद्धालुओं की संख्या डेढ़ लाख से अधिक पहुंच सकती है। जगह-जगह लगेंगे अन्नक्षेत्र पैदल यात्रियों की सेवा के लिए मार्ग में जगह-जगह अन्नक्षेत्र और सेवा शिविर लगाए जाएंगे। इन अन्नक्षेत्रों में श्रद्धालुओं के लिए भोजन, पानी और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी। श्रद्धालु सेवा में जुटे भक्तों ने अन्नक्षेत्र लगाने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। बड़वा मंगल को लेकर क्षेत्र में अभी से धार्मिक उत्साह का माहौल दिखाई देने लगा है। मंदिरों की सजावट, पैदल यात्राओं और श्रद्धालुओं की सेवा के लिए किए जा रहे इंतजामों से आने वाले दिनों में पूरे क्षेत्र में भक्ति और आस्था का माहौल और भी दिखाई देने की उम्मीद है।

दो साल से लापता युवक पटना से सकुशल बरामद

इरशाद अहमद
उत्तर प्रदेश: करीब दो वर्ष से लापता युवक को धनघटा पुलिस ने तकनीकी माध्यमों की मदद से बिहार के पटना से सकुशल बरामद कर लिया। युवक के मिलने के बाद पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। लंबे समय बाद युवक के घर लौटने से परिजनों में राहत का माहौल है। पुलिस के अनुसार, धनघटा थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने अपने भाई के 20 सितंबर 2024 से लापता होने के संबंध में थाना धनघटा में प्रार्थना पत्र दिया था। प्रार्थना पत्र के आधार पर पुलिस ने मु0अ0सं0 587/2024 पंजीकृत कर युवक की तलाश शुरू की थी। मामले में उपनिरीक्षक नंदू गौतम ने तकनीकी माध्यमों से लापता युवक की तलाश शुरू की। प्रयास के दौरान युवक की लोकेशन बिहार के पटना में मिली। लोकेशन के आधार पर उपनिरीक्षक नंदू गौतम हमराही कांस्टेबल रवि चौरसिया के साथ बिहार पहुंचे और 18 सितंबर 2026 को पटना से युवक को सकुशल बरामद कर लिया। इसके बाद पुलिस टीम युवक को थाना धनघटा लेकर पहुंची। आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद युवक को उसके परिजनों के सुपुर्द कर

एडीएम न्यायिक दित्वा ओझा ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

राजू
उत्तर प्रदेश: मीरगंज तहसील परिसर में शनिवार को तहसील समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें एसडीएम न्यायिक दित्वा ओझा ने लोगों की शिकायतें सुनीं। कुल 32 शिकायतें अलग-अलग विभागों से मिलीं। इनमें से पांच शिकायतों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया बाकी शिकायतों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को सौंपा गया है। उन्हें तय समय में इन शिकायतों को निपटाने के निर्देश दिए गए हैं समाधान दिवस में सबसे ज्यादा शिकायतें राजस्व विभाग से जुड़ी थीं, जिनकी संख्या 10 थी। इसके अलावा, ग्राम विकास विभाग की तीन, पुलिस विभाग की छह, पूर्ति विभाग की आठ, बिजली विभाग की चार और स्टोप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग की एक शिकायत मिली एसडीएम न्यायिक दित्वा ओझा ने शिकायतकर्ताओं की बातें ध्यान से



दिया गया। युवक के सकुशल मिलने की सूचना पर परिजनों ने पुलिस का आभार जताया।

एसपी के निर्देशन में हुई कार्रवाई पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर संदीप कुमार मौना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी धनघटा अभयनाथ मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक धनघटा अजय कुमार सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। इनकी रही अहम भूमिका युवक को सकुशल बरामद करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक नंदू गौतम और कांस्टेबल रवि चौरसिया शामिल रहे।



सुनीं और संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर शिकायत का मौके पर जाकर सत्यापन किया जाए और नियमों के हिसाब से जांच हो। सभी शिकायतों का तय समय में अच्छी तरह से निपटारा किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निपटारे में कोई लापरवाही न हो और शिकायतकर्ता को कार्रवाई की जानकारी भी दी जाए दित्वा ओझा ने बताया कि समाधान दिवस का मकसद गांव वालों और आम लोगों की समस्याओं का जल्दी समाधान

करना है। अधिकारियों को मिली शिकायतों की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने साफ किया कि अगर तय समय में शिकायतों का निपटारा नहीं हुआ या लापरवाही बरती गई, तो संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई होगी इस समाधान दिवस में एसडीएम निधि शुक्ला, तहसीलदार आशीष कुमार सिंह समेत कई विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं अधिकारियों को बताईं।

आदर्श विहार सोसायटी में सड़क, नाली और बाउंड्री वॉल का उद्घाटन



पंकज कुमार
उत्तर प्रदेश: सेक्टर चाई-4 स्थित आदर्श विहार सोसायटी में गुरुवार को सड़क, नाली निर्माण एवं बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ RWA पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में सोसायटी के निवासी मौजूद रहे कार्यक्रम में फहअ अध्यक्ष प्रमोद प्रधान, अमित शर्मा, पंकज कुमार,

दीपक शर्मा, राजीव कुमार, जितेंद्र यादव, सतेंद्र सिंह, संजीव चौधरी (मास्टर जी), खेमचंद शर्मा, गौतम त्यागी, यशपाल भाटी, सुनील भाटी, घनश्याम सिंह, भूपेंद्र सिंह, संजय सिंह ठाकुर एवं मनोज उपाध्याय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

इस दौरान सड़क, नाली और बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य का विधिवत उद्घाटन किया गया। स्थानीय निवासियों ने बताया

कि इन विकास कार्यों से सोसायटी में आवागमन, जल निकासी और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। फहअ पदाधिकारियों और स्थानीय निवासियों ने विकास कार्यों के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों का आभार जताया। साथ ही सोसायटी की अन्य मूलभूत समस्याओं के समाधान की दिशा में भी कार्य जारी रखने की उम्मीद जताई।



गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से किया जाए तथा निस्तारण के उपरांत शिकायतकर्ता से फीडबैक भी प्राप्त किया जाए। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी के द्वारा लेखाकार कक्ष, डीबीए कक्ष, पंजीयन अनुभाग, सारथी बायोमेट्रिक कक्ष, जनसेवा केंद्र कक्ष, प्रवर्तन कक्ष, हल्के मोटर वाहन संबंधी कार्य कक्ष तथा लाइसेंस अनुभाग का निरीक्षण किया गया। उन्होंने विभिन्न कक्षों में रखी फाइलों एवं अभिलेखों के रख-रखाव की स्थिति देखी तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कार्यालय परिसर में साफ-सफाई एवं अभिलेखों को व्यवस्थित ढंग से रखने पर विशेष ध्यान देने को कहा।

इसके पश्चात जिलाधिकारी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), गाजीपुर का निरीक्षण करने पहुंचे।

संस्थान में पहुंचकर उन्होंने अध्यापकों की संख्या, अध्ययनरत विद्यार्थियों की संख्या तथा संचालित प्रशिक्षण एवं शिक्षण व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विद्यार्थियों से

सीधे संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई, संस्थान तक आने-जाने, प्रशिक्षण की गुणवत्ता तथा उन्हें होने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों से कहा कि वे निडर होकर अपनी समस्याएं बताएं। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल निरीक्षण करना नहीं, बल्कि संस्थानों में व्यवस्थाओं को बेहतर एवं सुगम बनाना है, ताकि विद्यार्थियों को अध्ययन एवं प्रशिक्षण में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

उन्होंने संस्थान के स्टाफ को भी विद्यार्थियों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहने तथा आवश्यक व्यवस्थाएं समय से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही जिलाधिकारी ने संस्थान में पाया कि बच्चों के आने जाने वाले रास्ते पर जल जमाव है एवं पानी पीने की हैडपंप भी खराब है तत्काल जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया इसे तुरंत ठीक करा दे। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

सफाई कर्मचारी की आत्महत्या को लेकर भाजपा का विरोध प्रदर्शन, आप पार्षद पर कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने एक सफाई कर्मचारी की आत्महत्या को लेकर रविवार को यहाँ आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया और त्रिलोकपुरी से आप पार्षद के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। लोकसभा सांसद योगेंद्र चंदोेलिया और प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील यादव सहित भाजपा



नेताओं ने मांग की कि आप नेतृत्व पार्षद विजय कुमार को

अलीपुर में निमार्णाधीन इमारत गिरी, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर दिल्ली के अलीपुर इलाके में रविवार को एक निमाणाधीन इमारत गिर गई। पुलिस ने बताया कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और न ही किसी व्यक्ति के मलबे में फंसे होने की सूचना है। पुलिस ने बताया कि अलीपुर थाने को पूर्वाह्न करीब 11 बजे घटना की सूचना मिली जिसके बाद चार एंबुलेंस, दमकल की एक गाड़ी और आपदा प्रबंधन वाहन के साथ एक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि प्रांथिक जांच में पता चला है कि इमारत में लिंटर डालने का काम हो रहा था, तभी उसे सहारा देने के



लिए लगाई गई शटरिंग, जिसे स्थानीय भाषा में बल्ली कहा जाता है, संभवतः टूट गई और ढांचा गिर गया। घटना के समय मौके पर कई मजदूर काम कर रहे थे। पुलिस ने

बताया कि सभी मजदूर सुरक्षित हैं और किसी के हताहत होने या मलबे में फंसे होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

दिल्ली में डंपर ने क्रेन और ऑटो-रिक्शा को मारी टक्कर, तीन की मौत, तीन घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के सरिता विहार में रविवार को एक डंपर ने एक खड़ी क्रेन और यातायात पुलिस के लिए सीसीटीवी लगाने के काम में जुटे कर्मचारियों को ले जा रहे ऑटोरिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे एक कंपनी के मानव संसाधन (एचआर) प्रबंधक समेत तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, हादसा तड़के करीब तीन बजकर 20 मिनट पर हुआ, जब हरियाणा पंजीकरण संख्या



वाला डंपर नोएडा की ओर से आ रहा था।

जापानी पार्क में 11 अक्टूबर से सजेगी रामलीला

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहिणी स्थित जापानी पार्क में नव श्री केशव रामलीला कमेटी की ओर से भूमि पूजन के साथ रामलीला की तैयारियों का शुभारंभ किया गया। सेक्टर-11 के सामने बोट क्लब के पास आयोजित होने वाली रामलीला इस वर्ष 11 से 20 अक्टूबर तक चलेगी। यह आयोजन का 30वां वर्ष है। कमेटी के चेयरमैन पुष्पेंद्र रस्तोगी ने बताया कि इस बार 120 फुट लंबे और तीन मंजिला भव्य मंच

पर रामलीला का मंचन किया जाएगा। रामायण के प्रमुख पात्रों के संवाद प्रसिद्ध कलाकार प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने कहा कि आयोजन के जरिए भारतीय संस्कृति, संस्कार और परंपराओं को मंच पर जीवंत करने का प्रयास किया जाएगा। आयोजन स्थल पर दर्शकों के बैठने के साथ सैकड़ों वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था रहेगी। मैदान में जगह-जगह एलआईडी लाइट्स लगाई जाएंगी, ताकि बड़ी संख्या में लोग

रामलीला देख सकें। मेले में विभिन्न स्टॉल और बच्चों के लिए झूले भी लगाए जाएंगे। कमेटी की ओर से डांडिया नाइट समेत कई सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पर्यावरण संरक्षण के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक रहेगी और पौधारोपण भी किया जाएगा। भूमि पूजन के बाद आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों ने प्रस्तुतियां दीं।

दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर ने 9 साल तक पूरी नहीं की जांच, अब HC का एक्शन; कमिश्नर समेत 3 को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। हाई कोर्ट ने वर्ष 2016 में दर्ज एक मामले की जांच करीब नौ साल तक पूरी नहीं करने वाले पुलिस निरीक्षक के खिलाफ कार्रवाई का मामले में दिल्ली पुलिस आयुक्त, संबंधित सहायक पुलिस आयुक्त और निरीक्षक को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति मिनी पुष्करणा की पीठ ने अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए पुलिस अधिकारियों से जवाब मांगा। मामले की अगली सुनवाई फरवरी 2027 में होगी। याचिकाकर्ता के खिलाफ वर्ष 2016 में महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने से संबंधित भारतीय डंड संहिता (आपीसी) की धारा 509 के तहत मामला दर्ज हुआ था। याचिका के अनुसार, जांच अधिकारी ने लंबे समय तक जांच पूरी नहीं की। यहां तक कि मामले को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर भी अदालत में स्थिति रिपोर्ट दायिल नहीं की गई।



फरवरी 2025 में कोर्ट ने दिए थे जांच के आदेश मामले की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने जांच अधिकारी के रवये पर सवाल उठाते हुए संबंधित सहायक पुलिस आयुक्त को उसके खिलाफ विभागीय जांच शुरू करने का निर्देश दिया था। पुलिस ने बाद में विभागीय जांच शुरू होने की जानकारी अदालत को दी, लेकिन उसके बाद जांच का क्या हुआ, इसकी रिपोर्ट अदालत में पेश नहीं की गई। याचिका में यह भी कहा गया है कि इस बीच पुलिस ने मामले में आरोप पत्र दायिल किया, लेकिन ट्रायल कोर्ट ने उसका सज़ान लेने

से इन्कार कर दिया और संबंधित पुलिस उपायुक्त को जांच अधिकारी के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करने को कहा। पांच सुनवाई पर भी नहीं दी अनुपालन रिपोर्ट याचिकाकर्ता को आपन है कि हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद पुलिस ने पांच सुनवाई पर अनुपालन रिपोर्ट दायिल नहीं की। अगस्त 2026 में मूल मामला समाप्त होने के समय भी अदालत को आदेश के पालन की स्थिति नहीं बताई गई।

इसी को लेकर याचिकाकर्ता ने पुलिस अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्रवाई की मांग की है।

आपसी संपत्ति विवाद हिंसा का लाइसेंस नहीं : कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। कड़कड़डूमा कोर्ट ने करीब 20 साल पुराने एक पारिवारिक विवाद और मकान में जबरन घुसकर कब्जा करने और मारपीट के मामले में सात आरोपियों को दोषी ठहराया है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि भले ही पक्षों के बीच संपत्ति को लेकर दीवानी (सिविल) विवाद चल रहा हो, लेकिन कानून किसी को भी भीड़ बनाकर हिंसा करने या जबरन कब्जा करने की अनुमति नहीं देता। यह मामला सीलमपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत वर्ष 2006 में दर्ज हुई प्राथमिकी से जुड़ा है।अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट तुषार गुप्ता की अदालत ने आरोपी मोहम्मद अनीश, मुन्नी, साबू उर्फ सहाना, गुड़िया उर्फ खुरशीदा, रहीश अहमद, इरफान और नफीस को दोषी पाया है। मामले की सुनवाई के दौरान दो अन्य आरोपियों, मोहम्मद उस्मान और रानी की मृत्यु हो चुकी है। अदालत ने अपने 24 पन्नों के फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष यह साबित करने में पूरी तरह सफल रहा है कि सभी आरोपियों ने एक मत होकर गैर-कानूनी तरीके से पीड़िता के घर में प्रवेश किया और मारपीट की। सुनवाई के दौरान पड़ोस के कुछ गवाह आरोपियों की पहचान करने से मुकर गए थे, लेकिन अदालत ने पीड़िता के बयान और पुलिस द्वारा मौके से जब्त किए गए सामान को पर्याप्त सबूत माना।



पार्टी से निष्कासित करे। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली नगर

कालकाजी में प्रॉपर्टी डीलर की पीट-पीटकर हत्या, हमले में छोटा भाई भी घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पांश इलाके कालकाजी में एक प्रॉपर्टी डीलर की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस घटना में मृतक प्रॉपर्टी डीलर का भी भाई गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे बाद में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतक की पहचान 48 वर्षीय मंजीत सिंह के रूप में हुई। परिजनों ने एक परिवार पर मंजीत सिंह की हत्या और उसके दूसरे भाई से मारपीट करने के आरोप लगाए हैं।

मृतक की बहन ने कहा कि मंजीत सिंह की पीट-पीटकर हत्या की गई है। उन्होंने कहा, मेरे भाई को बुरी तरह पीटा गया। आरोपियों ने उसे वहीं मौके पर ही मार डाला। रज्जी चौधरी नाम की महिला पर आरोप लगाते हुए मंजीत की बहन ने कहा, रज्जी चौधरी अपने पति, बेटों और बेटी के साथ मौजूद थीं। वे सभी इसमें शामिल थे और सबने मिलकर उसे मारा। उन्होंने मंजीत के सिर पर वार किया। मेरे भाई के सिर पर किसी चीज से चोट पहुंचाई। सिर पर चोट लगने से वह गिर पड़ा। गिरने के बाद वे सभी लोग उस पर टूट पड़े और लगातार लान-धूसे बरसाते रहे। उन्होंने उसे तब तक नहीं छोड़ा जब तक उन्हें यकीन नहीं हो गया कि



उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। मंजीत की बहन ने कहा कि जब हमें फोन आया तो हम लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। वहां रज्जी चौधरी लगातार भाई को पीट रही थी। मेरे दूसरे भाई ने उसको पकड़ा तो परिवार के लोगों ने उसके साथ भी मारपीट की है। मेरे छोटे भाई का पैर तोड़ दिया गया है। उसके सिर पर भी गंभीर चोटें आई हैं। उन्होंने बताया कि रज्जी चौधरी और उसके पति के अलावा चार लड़कों ने घटना को अंजाम दिया है। मंजीत की बहन ने पुलिस से मांग की कि दोषियों को फांसी की सजा होनी चाहिए। फिलहाल, दिल्ली पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

इसू चुनाव के बाद अब एबीवीपी की जेएनयू पर नजर वामपंथी संगठनों के मजबूत गढ़ में अध्यक्ष पद हासिल करना बड़ी चुनौती, राष्ट्रीय मुद्दों पर चुनाव लड़ने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (इसू) चुनाव में जीत करने के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की नजर अब जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) छात्र संघ चुनाव पर है। हालांकि, जेएनयू में अध्यक्ष पद हासिल करना एबीवीपी के लिए आसान नहीं होगा।

डीयू और जेएनयू के छात्रसंघ चुनावों की राजनीतिक परिस्थितियां और चुनावी मुद्दे एक-दूसरे से काफी अलग हैं। जेएनयू में छात्र हितों के साथ राष्ट्रीय और वैचारिक मुद्दों भी चुनावी विमर्श का हिस्सा रहते हैं।

एबीवीपी ने जेएनयू छात्र संघ के अध्यक्ष पद पर आखिरी बार वर्ष 2000 में संदीप महापात्रा के जरिए जीत दर्ज की थी। इसके बाद से संगठन इस पद पर वापसी नहीं कर सका है। हालांकि, वर्ष



2015 में सौरभ शर्मा और वर्ष 2025 में वैभव मीणा ने संयुक्त सचिव पद पर जीत हासिल कर संगठन की मौजूदगी दर्ज कराई। लंबे अंतराल के बावजूद अध्यक्ष पद एबीवीपी के लिए अब भी चुनौती बना हुआ है। पिछले चुनाव में एबीवीपी के वोट प्रतिशत में 27.47 फीसदी की बढ़ोतरी हुई थी, लेकिन संगठन केन्द्रीय पैमल में

जीत हासिल नहीं कर सका। वामपंथी छात्र संगठनों के गठबंधन ने एकजुट होकर सभी केन्द्रीय पदों पर जीत दर्ज की थी। ऐसे में इस बार एबीवीपी के सामने न केवल अपने मत प्रतिशत को बढ़ाने, बल्कि वामपंथी संगठनों के संयुक्त मोर्चे का मुकाबला करने की भी चुनौती होगी।

गीता कॉलोनी में बनेगा नया फायर स्टेशन, डिजिटल सर्वे के बाद तय होगी नींव

नई दिल्ली, एजेंसी। घनी आबादी वाले इलाकों और यमुना पार के कछार क्षेत्र में अग्निशमन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लोक निर्माण विभाग ने पहल तेज कर दी है। गीता कॉलोनी के राजाराम कोहली मार्ग पर प्रस्तावित नए फायर स्टेशन के निर्माण से पहले जमीन का विस्तृत डिजिटल सर्वे और सेफ बिस्तरिंग कैपेसिटी टेस्ट कराया जाएगा। यमुना के नजदीक स्थित यह इलाका बाढ़ प्रभावित और रेतली मिट्टी वाला है, इसलिए यहां भवन निर्माण के लिए विशेष तकनीकी सावधानी बरती जा रही है। विभाग डिजिटल मैपिंग और मिट्टी की भार वहन क्षमता की जांच के आधार पर फायर स्टेशन की नींव और स्ट्रक्चरल डिजाइन तय करेगा। ड्रोन सर्वे के माध्यम से जमीन का विस्तृत नक्शा तैयार किया जाएगा। इसमें दमकल वाहनों की आवाजाही के लिए एप्रोच रोड और यू-टर्न के लिए



जरूरी जगह का भी आकलन किया जाएगा। सॉइल टेस्टिंग के दौरान अलग-अलग गहराइयों से मिट्टी के नमूने लेकर उसकी क्षमता जांची जाएगी। संकरी गलियों और ट्रैफिक से चुनौती वर्तमान में गीता कॉलोनी, गांधी नगर, शास्त्री नगर, कृष्णा नगर और पुराना सीलमपुर जैसे इलाकों में आग लगने पर दमकल की गाड़ियां शाहदरा, लक्ष्मी नगर या कश्मीरी गेट से पहुंचती हैं।

भोडवाल माजरी स्टेशन पर आठ ट्रेनों को अस्थायी ठहराव

नई दिल्ली, एजेंसी। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उत्तर रेलवे ने भोडवाल माजरी रेलवे स्टेशन पर आठ ट्रेनों को अस्थायी ठहराव देने का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था 20 सितंबर से 31 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगी। इस दौरान संबंधित ट्रेनों का स्टेशन पर दो मिनट का ठहराव होगा। रेलवे के अनुसार, 12057 दिल्ली-दौलतपुर चौक जन शताब्दी एक्सप्रेस भोडवाल माजरी स्टेशन पर दोपहर 3:37 बजे पहुंचेगी और 3:39 बजे रवाना होगी। वहीं, 12058 दौलतपुर चौक-नई दिल्ली जन शताब्दी एक्सप्रेस सुबह 10:19 बजे पहुंचेगी और 10:21

बजे प्रस्थान करेगी। 12217 तिरुवनंतपुरम नॉर्थ-चंडीगढ़ केल संपर्क क्रांति एक्सप्रेस सुबह 7:13 बजे पहुंचकर 7:15 बजे रवाना होगी। वापसी में 12218 चंडीगढ़-तिरुवनंतपुरम नॉर्थ केल संपर्क क्रांति एक्सप्रेस सुबह 11:35 बजे पहुंचेगी और 11:37 बजे रवाना होगी। इसके अलावा 13051 हावड़ा-कालका नेताजी एक्सप्रेस रात 10:15 बजे से 10:17 बजे तक तथा 13052 कालका-हावड़ा नेताजी एक्सप्रेस सुबह 4:02 बजे से 4:04 बजे तक रुकेगी। 12413 अजमेर-जम्मू तवी पूजा सुपरफास्ट रात 10:55 से 10:57 बजे और 12414

जम्मू तवी-अजमेर पूजा सुपरफास्ट रात 2:20 से 2:22 बजे तक ठहरेगी। रेलवे के इस निर्णय से इस स्टेशन से यात्रा करने वाले यात्रियों को सुविधा मिलेगी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान संगम विहार निवासियों उमेश (23) और प्रवीण (35) तथा सूरज (34) के रूप में हुई है। सूरज एक कंपनी में एचआर प्रबंधक था। उसके बारे में अन्य जानकारी उसके नियोक्ता से जुटाई जा रही है। उसने बताया कि घायलों की पहचान संगम विहार निवासियों आकाश (20) और अनूप (26) तथा रोहिणी निवासी खेम सिंह (40) के रूप में हुई है।

एक नजर

लंदन के लिए अब योजना तीन उड़ानें

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली से लंदन जाने वाले यात्रियों के लिए हवाई संपर्क और बेहतर हो गया है। ब्रिटिश एयरवेज ने रविवार से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाईअड्डे से लंदन के हीथ्रो हवाईअड्डे के लिए तीसरी दैनिक उड़ान शुरू की है। इसके साथ ही दिल्ली से लंदन हीथ्रो के बीच ब्रिटिश एयरवेज की योजना तीन उड़ानें हो गई हैं। इससे यात्रियों को अपनी सुविधा के अनुसार उड़ान चुनने के अधिक विकल्प मिलेंगे। खासतौर पर कारोबार, पर्यटन और अन्य जरूरी कार्यों से लंदन जाने वाले यात्रियों को इसका लाभ मिलेगा। कंपनी के अनुसार, दिल्ली-लंदन मार्ग भारत और ब्रिटेन के बीच हवाई संपर्क में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। तीसरी उड़ान शुरू होने से इस मार्ग पर सीटों की उपलब्धता और यात्रा विकल्पों में वृद्धि हुई है।

लाल किला के पास निगम ने अभियान चलाकर की सफाई

नई दिल्ली, एजेंसी। लाल किला और उसके आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए नगर निगम दिल्ली के पुरानी दिल्ली जोन ने रविवार को मेगा स्वच्छता अभियान चलाया। वृक्षित फाउंडेशन के सहयोग से हुए इस अभियान में करीब 400 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। लाल किला परिसर से लेकर आसपास के इलाकों में सफाई की गई। करीब 10 टिपर कचरा एकत्र किया गया। लाल किले के करीब अंग्रेजी बाग पार्क में विशेष सफाई के साथ पौधारोपण भी किया गया। पुरानी दिल्ली जोन की उपायुक्त कनिका ने कहा कि सफाई केवल निगम करना निगम जिम्मेदारी है, लेकिन क्षेत्रों को स्वच्छ रखना नागरिकों, सामाजिक संगठनों और संस्थाओं की सामूहिक जिम्मेदारी है। अभियान में क्षेत्रीय निगम पार्षद सुमन कुमार गुप्ता ने स्वयंसेवकों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे सार्वजनिक स्थलों पर कूड़ा न फैलाएं और अपने आसपास के इलाकों में सफाई रखने में निगम का सहयोग करें।

प्रयागराज-निजामुद्दीन के बीच चलेगी विशेष ट्रेन

नई दिल्ली, एजेंसी। रेलवे ल्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रयागराज जंक्शन और हजरत निजामुद्दीन के बीच साप्ताहिक विशेष ट्रेन चलाएंगे। ट्रेन संख्या 04183/04184 का संचालन 20 अक्टूबर से 2 दिसंबर तक किया जाएगा। ट्रेन संख्या 04183 प्रयागराज जंक्शन-हजरत निजामुद्दीन प्रत्येक मंगलवार को दोपहर 3:25 बजे प्रयागराज से रवाना होकर अगले दिन सुबह 11:35 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04184 प्रत्येक बुधवार को दोपहर 3:45 बजे हजरत निजामुद्दीन से चलेगी और अगले दिन सुबह 9:10 बजे प्रयागराज जंक्शन पहुंचेगी। दोनों दिशाओं में ट्रेन शंकरगढ़, डूधौरा, मालिकपुर, चित्रकूटधाम, बांवा, महोबा, कुलपहाड़, हरपालपुर, मऊरानीपुर, वीरगंगा लक्ष्मीबाई झांसी, ग्वालियर, धौलपुर, आगरा कैंट, मथुरा जंक्शन और कोसीकला स्टेशनों पर ठहरेगी।

माध्यम-तकनीक बदलेंगे, हिंदी पत्रकारिता के मूल सदैव प्रासंगिक रहेंगे : डॉ. प्रज्ञा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) में 'हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष: विरासत से नवाचार तक' विषयक दो दिवसीय संगोष्ठी आयोजित हुई। भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् (आईसीएचआर) के सहयोग से हुई संगोष्ठी में वक्ताओं ने पत्रकारिता के बदलते स्वरूप व तकनीक के उपयोग पर विचार रखे। दो दिनों में छह तकनीकी सत्रों में 32 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। जिनमें एआई, फेक न्यूज, डीपफेक और मीडिया नैतिकता समेत कई विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। बदलते मीडिया परिदृश्य के अनुरूप आईआईएमसी ने पारंपरिक पाठ्यक्रमों के साथ-साथ न्यू मीडिया, रणनीतिक संचार, स्वास्थ्य संचार, मीडिया एवं संचार शासन तथा कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन जैसे नए व उभरते क्षेत्रों में भी पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। एमडीयू के पूर्व कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने न्यू मीडिया और सोशल मीडिया पर चर्चा की, जबकि भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के पूर्व कुलपति प्रो. राकेश मोहन जोशी ने 'उदत्त मार्ग' से लेकर आज तक की भाषा यात्रा पर प्रकाश डाला। आईआईएमसी के कुलसचिव एल मधु नाग ने कहा कि यह संगोष्ठी पत्रकारिता की 200 वर्ष की गौरवशाली यात्रा, उसकी विरासत, वर्तमान स्वरूप एवं भविष्य के नवाचारों पर गहन चिंतन मानन का एक महत्वपूर्ण मंच रहा। इसमें आईसीएचआर के निदेशक (शोध एवं प्रशासन) ओमजी उपाध्याय भी शामिल हुए।

पाटलिपुत्र के लिए चलेगी विशेष रेलगाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। यात्रियों की सुविधा के आनंद विहार टर्मिनल से पाटलिपुत्र के बीच विशेष रेलगाड़ी का परिचालन किया जाएगा। गाड़ी संख्या 04096 आनंद विहार टर्मिनल से प्रतिदिन (1 अक्टूबर से 29 नवंबर तक) रात 12.05 चलकर अगली रात 11 बजे पाटलिपुत्र पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 04095 पाटलिपुत्र से प्रतिदिन (2 अक्टूबर से 30 नवंबर तक) रात 12.45 बजे चलकर अगली रात 9.30 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री को एसआईआर में नोटिस, सत्यापन के बाद नाम शामिल किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता (एसी-14 शालीमार बाग की मतदाता) को नोटिस को देकर स्थिति स्पष्ट किया। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान उनका नाम विसंगति / नो-मैपिंग की सूची में पाए जाने के बाद यह नोटिस जारी हुआ था। हालांकि तथ्यों और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद निष्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआओ) ने उनकी प्रविष्टि को वैध कर दिया है। निष्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआओ) शालीमारबाग कार्यालय ने आज एक नोट स्पष्ट किया है कि यह एसआईआर के तहत एक सामान्य प्रक्रिया है। जिन मतदाताओं के गणना फॉर्म अंतिम गहन पुनरीक्षण वाली मतदाता सूची से लिंक नहीं हो पाए, उन्हें चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार नोटिस जारी कर दस्तावेज सत्यापन किया जा रहा है। प्रक्रिया के तहत बूथ लेवल अधिकारी द्वारा फील्ड वेरिफिकेशन किया गया। तथ्यों और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ईआओ ने उनकी प्रविष्टि को वैध कर दिया है। उनका नाम 4 नवंबर 2026 को प्रकाशित होने वाली एसी-14 (शालीमार बाग) की अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा।

दुर्घटना के बहाने लूट करने वाले चार बदमाश धरे

नई दिल्ली, एजेंसी। देशबंधु गुप्ता रोड पुलिस ने दुर्घटना के बहाने भीड़भाड़ वाले इलाके में लूटपाट करने वाले गिरोह के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, 14 सितंबर की रात ईदगाह गोल चैम्बरी के पास से ऑटो चालक इमराइल गुजर रहा था। तभी एक शख्स ने पैर पर टायर चढ़ाने का आरोप लगाकर उसे पकड़ लिया। फिर तीन और बदमाशों ने इमराइल का गला दबाकर रुपये लूट लिए। पीड़ित की शिकायत पर शीदीपुरा चौकी के एसआई आशीष रावत ने जांच के बाद यासिर, सनी, भोला और समीर को गिरफ्तार कर लिया। यासिर गिरोह का सरगना है।

यूपी के 403 विधानसभा क्षेत्रों में रंगमंच पर गूंजेगी प्रधानमंत्री मोदी की 25 वर्षों की सेवा यात्रा

लखनऊ, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक ‘सेवा संकल्प अभियान’ का संचालन किया जा रहा है। अभियान के तहत उत्तर प्रदेश में जनसेवा और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की सेवा यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने की विशेष पहल की गई है। ‘नमो सेवा-अनकही कहानियां’ के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन, संघर्ष, सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की यात्रा को रंगमंचीय प्रस्तुतियों के जरिए लोगों के बीच पहुंचाया जाएगा। पूरे



देश के साथ, उत्तर प्रदेश के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में विभिन्न रंगमंचीय एवं सांस्कृतिक संस्थाओं के सहयोग से इन प्रस्तुतियों का आयोजन किया जाएगा।

रविवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर प्रेसवार्ता करते हुए डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि

नुककड़ नाटकों से लेकर भव्य रंगमंचीय प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के विभिन्न प्रेरक प्रसंगों को मंच पर जीवंत किया जाएगा। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र सेवा तक की यात्रा को नाट्य प्रस्तुतियों के

जन-जन तक पहुंचेंगे पीएम के सेवा कार्य

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुए विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यों और द्वाविकसित भारतह के संकल्प को भी जन-जन तक पहुंचाएंगे। भाजपा कार्यकर्ता पूरे अभियान के दौरान विभिन्न सेवा गतिविधियों के माध्यम से जनता के बीच रहेंगे और जनभागीदारी को बढ़ावा देंगे। ह्वनमो सेवा-अनकही कहानियांह की प्रस्तुतियों में प्रधानमंत्री मोदी के जीवन को सेवा, समर्पण और सुशासन की यात्रा के रूप में मंचित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रंगमंच की प्रभावशाली अभिव्यक्ति के माध्यम से राष्ट्र सेवा के प्रति उनके संकल्प और सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की यात्रा को समाज के विभिन्न वर्गों, विशेषकर युवाओं तक पहुंचाने का प्रयास होगा। सेवा संकल्प अभियान के जरिए भाजपा का उद्देश्य जनसेवा को जनभागीदारी से जोड़ना और विकसित भारत के संकल्प को जन-जन का संकल्प बनाना है। प्रेसवार्ता में प्रदेश मीडिया संयोजक मनीष दीक्षित, सह मीडिया प्रभारी हिमांशु दुवे और भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता हरिश्चंद्र श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

जरिए प्रस्तुत किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि इन प्रस्तुतियों का आयोजन स्कूल-कॉलेज, सामुदायिक केंद्रों

तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर किया जाएगा। कलाकार नुककड़ नाटकों के माध्यम से भी लोगों के बीच पहुंचेंगे और प्रधानमंत्री मोदी

के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन तथा जनसेवा से जुड़े विभिन्न पहलुओं को सरल और प्रभावी तरीके से प्रस्तुत करेंगे।

महानगर में 100 से अधिक स्थानों से हुआ गणेश प्रतिमा का विसर्जन, गूंजे जयकारें

मुरादाबाद, एजेंसी। मुरादाबाद महानगर में शनिवार को 100 से अधिक स्थानों पर गणेश महोत्सव का विसर्जन यात्रा के साथ समापन हुआ। श्रद्धालुओं ने स्थानीय रामगंगा नदी, बृजघाट (गढ़मुक्तेश्वर), हरिद्वार (उतराखंड) जाकर प्रतिमा विसर्जन किया। विसर्जन से पूर्व बैड बाजों, ढोल नगाड़ों की थाप पर अबीर गुलाल उड़ते हुए मनमोहक झांकियों के साथ शोभा यात्राएं निकाली गईं। शोभायात्रा का मार्ग में पुष्प वर्षा से स्वागत अभिनंदन हुआ व गणेश भगवान की अरती उतारी गई। गणपति चौक रंज बाजार, मंडी चौक, अताई स्ट्रीट, जीलाल स्ट्रीट, महल सराय, गुड़िया मोहल्ला, कटघर, रामगंगा विहार, दीनदयाल नगर, हिमगिरी कॉलोनी, चंद्रनगर, लाइनगर, कोठीवाल नगर, गांधीनगर, लाजपत नगर, डबल फाटक, जयंतीपुर, बुद्ध विहार, हरथला, आशियाना आदि



मौहल्लों व कॉलोनियों में महोत्सवों के समापन पर शनिवार को गणपति बप्पा की प्रतिमा के विसर्जन से पूर्व हवन पूजन किया गया और फिर भंडारे का आयोजन किया गया। इसके बाद झांकियों के साथ के लिए भव्य शोभायात्राएं निकाली गईं। सजे वाहन पर विराजमान गणपति की प्रतिमा के साथ श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों की धुन पर नाचते-गाते आगे बढ़े। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने

अबीर-गुलाल उड़ाकर और गणपति बप्पा के जयकारे लगाकर माहौल भक्तिमय कर दिया। पीले परिधानों में बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे आकर्षण का केंद्र रहे। रास्ते में लोगों ने गणपति की अरती कर दर्शन किए और सुख-समृद्धि की कामना की। शोभायात्रा के दौरान ढोल की थाप पर श्रद्धालु जमकर थिरके। रामगंगा में विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं ने अगले वर्ष गणपति बप्पा के फिर से आगमन की कामना की।

हाई बीपी से आंखों की नसों पर संकट BHU में हर माह पहुंच रहे 100 से अधिक मरीज

वाराणसी, एजेंसी। हाई ब्लड प्रेशर (बीपी) का असर अब सिर्फ हृदय और किडनी तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आंखों की रोशनी पर भी इसका गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। लंबे समय तक अनियंत्रित बीपी रहने से आंखों की रेटिना की सूक्ष्म रक्त वाहिकाएं प्रभावित हो रही हैं। इससे नसों के सिकुड़ने, रक्त प्रवाह बाधित होने, सूजन और रक्तस्राव जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। चिकित्सकीय भाषा में इसे हाइपरटेंसिव रेटिनोपैथी कहते हैं। आईएमएस बीएचयू के क्षेत्रीय नेत्र संस्थान में हर महीने 100 से अधिक मरीज इस तरह की समस्या लेकर पहुंच रहे हैं। उनमें करीब 80 पीसदी मरीज 50 वर्ष से अधिक उम्र के हैं। हालांकि, अब 40 वर्ष की उम्र के मरीजों में भी इसके मामले सामने आने लगे हैं। चिकित्सकों के अनुसार, समय पर बीमारी की पहचान और बीपी पर नियंत्रण नहीं होने से आंखों की रोशनी को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। रेटिना की



नसों सिकुड़ने से प्रभावित होता है रक्त प्रवाह नेत्र रोग विशेषज्ञों के मुताबिक, ब्लड प्रेशर जितना अधिक और जितने लंबे समय तक अनियंत्रित रहेगा, आंखों को नुकसान पहुंचने का खतरा उतना ही बढ़ेगा। हाई बीपी के कारण रेटिना की रक्त वाहिकाएं सिकुड़ने लगती हैं। धीरे-धीरे रक्त प्रवाह प्रभावित होता है और आगे चलकर सूजन, रक्तस्राव तथा नसों में रुकावट की समस्या हो सकती है।

वाराणसी : सरस्वती शिशु मंदिर में बच्चों ने लगाए पौधे, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

वाराणसी, एजेंसी। श्रीनगर कॉलोनी, अकथा पहड़िया स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में शनिवार को पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पाठशाला लगी। 137 सीईटीएफ 39 जीआर गंगा टास्क फोर्स और नमामि गंगे गंगा विचार मंच की ओर से ह्वार्यावरण संरक्षण में युवाओं की भागीदारीह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। सुबेदार जगदीश चंद और जिला संयोजक शिवम अग्रहरि के नेतृत्व में आयोजित पर्यावरण साक्षरता अभियान के दौरान बच्चों को पेड़-



पौधों की उपयोगिता, उनकी देखरेख, जल संरक्षण और गंगा निर्मलीकरण के महत्व के बारे में बताया गया। सैनिकों ने पेड़ की छांव में विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण की जानकारी दी। नन्हे हाथों ने रोपे दर्जनों पौधे कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में

खासा उत्साह देखने को मिला। बच्चों ने फरसा और खुरपी लेकर विद्यालय परिसर में दर्जनों पौधे लगाए। साथ ही सभी विद्यार्थियों को पौधे वितरित किए गए, ताकि वे अपने घरों और आसपास पौधों की देखभाल कर सकें।

2,000 से अधिक के यूपीआई लेनदेन से व्यापारियों में चिंता, सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

जौनपुर,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में व्यापारियों ने 2,000 से अधिक के कुछ व्यापारी-आधारित यूपीआई लेनदेन पर प्रस्तावित मर्चेट डिस्काउंट रेट व्यवस्था पर पुनर्विचार की मांग की है। शनिवार को जौनपुर उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन के नेतृत्व में दो दर्जन से अधिक व्यापारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट महिपाल सिंह को सौंपा। जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन ने कहा कि देश में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने में यूपीआई की



महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इससे आम नागरिकों, व्यापारियों और छोटे दुकानदारों के लिए लेनदेन आसान और तेज हुआ है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में अफसरों ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं

मीरजापुर, एजेंसी। शासन की मंशा के अनुरूप शनिवार को जिले की सभी तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। मड़िहान तहसील में जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार और मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। जिलाधिकारी के समक्ष 63 प्रार्थना पत्र आए, जिनमें पांच का मौके पर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने शेष शिकायतों का पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण के बाद शासन स्तर से शिकायतकर्ता से फोन पर फीडबैक लिया जाता है, इसलिए अधिकारी प्रत्येक मामले में वास्तविक समाधान सुनिश्चित करें। पेमाइश और कब्जे के मामलों में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेजने तथा दोनों पक्षों को मौजूदगी में निष्पक्ष कार्रवाई करने को कहा। आईजीआरएस में लोक निर्माण विभाग, जिला पंचायत राज अधिकारी, वन विभाग, एलडीएम और



विद्युत विभाग से संबंधित शिकायतों में असंतुष्ट फीडबैक मिलने पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सितंबर के शेष दिनों में स्थिति सुधारने के निर्देश दिए। दैवीय आपदा से मकान या फसल क्षति होने पर तत्काल सर्वे कराकर पात्रों को सहायता दिलाने को कहा। मड़िहान के बीडीओ को निर्देश दिया कि पात्र लाभार्थियों को जनकल्याणकारी योजनाओं से शत-प्रतिशत जोड़ें। प्रचार-प्रसार की कमी से कोई पात्र वंचित न रहे, इसके लिए गांवों में चौपाल लगाकर मौके पर पंजीकरण कराने को कहा।

बीएचयू में चीफ प्रॉक्टर और एबीवीपी कार्यकताओं में तीखी बहस, सात दिन में कार्रवाई की मांग

वाराणसी, एजेंसी। बीएचयू में शनिवार को एबीवीपी कार्यकताओं और चीफ प्रॉक्टर के बीच छत्रहति के मुद्दों को लेकर तीखी बहस हो गई। विभिन्न समस्याओं और हाल में आयोजित एक कार्यक्रम को लेकर जवाब मांगने पहुंचे कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि उन्हें कई घंटे इंतजार कराया गया, लेकिन चीफ प्रॉक्टर मिलने नहीं पहुंचे। विरोध के बाद बातचीत शुरू हुई तो दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया। एबीवीपी ने सात दिन के भीतर मार्गों पर कार्रवाई कर जवाब देने की मांग की है। बैकड के दौरान हुई बहस का वीडियो भी साक्ष्य आया है। एबीवीपी कार्यकताओं का आरोप है कि चीफ प्रॉक्टर ने बातचीत के दौरान मोबाइल फोन बाहर रखने को कहा। इस पर छात्रों ने आपत्ति जताई। आरोप है कि बातचीत के दौरान तेज आवाज में बात होने से



माहौल गरमा गया। कुछ देर बाद चीफ प्रॉक्टर वहां से बाहर चले गए। कार्यक्रम की अनुमति और हॉल शुल्क पर सवाल एबीवीपी कार्यकताओं ने हाल में राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा से जुड़े कार्यक्रम के आयोजन पर सवाल उठाए। उनका आरोप है कि हॉल की अनुमति छात्र कार्यक्रम के आधार पर ली गई थी, जबकि उसमें बड़ी संख्या में बाहरी लोग शामिल हुए। संगठन का दावा है कि हॉल का निर्धारित शुल्क करीब 55 हजार रुपये है, लेकिन कार्यक्रम के लिए शुल्क जमा नहीं कराया गया। कार्यकताओं ने अनुमति प्रक्रिया, बाहरी लोगों के प्रवेश और शुल्क भुगतान की जांच की मांग की। सुरक्षा व्यवस्था और बाहरी आवाजाही पर चिंता एबीवीपी ने परिसर में बाहरी व्यक्तियों और वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करने, काफिले, हट्टर और तेज रफ्तार वाहनों पर कार्रवाई तथा प्रवेश के लिए स्पष्ट नीति बनाने की मांग की। संगठन ने संवेदनशील स्थानों और छात्रावासों के मार्गों पर स्ट्रीट लाइट, सीसीटीवी कैमरे और नियमित सुरक्षा गश्त बढ़ाने की भी मांग रखी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग, एडीएम को सौंपा ज्ञापन

बलरामपुर, एजेंसी। विश्व हिंदू महासंघ के पदाधिकारियों ने बलरामपुर में शनिवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर श्रीकृष्ण जन्मभूमि मथुरा को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी को सौंपा है। जिलाध्यक्ष चौधरी विजय सिंह के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने ज्ञापन के माध्यम से श्रीकृष्ण जन्मभूमि की भूमि से संबंधित अपनी मांगें रखीं। ज्ञापन में कहा गया कि गोरक्षपीठाधीश्वर राष्ट्रस्तं अवैद्यनाथ की 12वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 12 सितंबर से पूरे उत्तर प्रदेश में शोभायात्रा और जनजागरण अभियान के माध्यम से श्रीकृष्ण जन्मभूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग उठाई जा रही है। महासंघ ने ज्ञापन में दावा किया कि ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार मथुरा स्थित श्रीकृष्ण



जन्मभूमि क्षेत्र में हिंदू मंदिर रहा है। संगठन का आरोप है कि अंतिम बार ओरछा के राजा बीर सिंह जू देव बुदिला ने यहां विशाल मंदिर का निर्माण कराया था, जिसे औरंगजेब के शासनकाल में ध्वस्त किया गया। ज्ञापन में श्रीकृष्ण जन्मभूमि की 13.37 एकड़ भूमि के कथित बंटवारे और अतिक्रमण को लेकर भी आपत्ति जताई गई।

ढोल-ताशों की थाप पर निकली लालबाग के राजा की विसर्जन यात्रा, श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर दी विदाई

वाराणसी, एजेंसी। चौक स्थित ठठरी बाजार के शेरवाली कोठी (अग्रवाल भवन) में स्थापित प्रसिद्ध लालबाग के राजा (लालबाग के बादशाह) की छह फीट ऊंची प्रतिमूर्ति का पारंपरिक उल्लास और भव्यता के साथ विसर्जन किया गया। पांच दिवसीय गणेशोत्सव के समापन पर निकली विसर्जन शोभायात्रा में महाराष्ट्र की संस्कृति और काशी की धार्मिक परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिला। ढोल-ताशों की गूंज, पुष्पवर्षा और गणपति बप्पा के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने

80 सदस्यीय ढोल-ताशा दल रहा। दल के सदस्यों ने पारंपरिक वाद्ययंत्रों की जोशीली थाप से पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। ढोल-ताशों की गूंज के बीच श्रद्धालु उत्साह से झुमेते नजर आए। फूलों से सजे रथ पर निकले बप्पा ऐतिहासिक चौक और ठठरी बाजार की संकरी गलियों से जब फूलों से सजे भव्य रथ पर लालबाग के राजा की प्रतिमूर्ति निकली तो दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। शोभायात्रा के मार्ग में जगह-जगह लोगों ने बप्पा का स्वागत किया।

भावपूर्ण विदाई दी। शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण महाराष्ट्र से आया

एक नजर

पेड़ से लटके मिले युवक-महिला के शव

कानपुर, एजेंसी। महाराजपुर थाना क्षेत्र के सुबौली गांव के पास रेलवे लाइन किनारे शनिवार को एक खेत में पेड़ से युवक और महिला का शव लटके मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को नीचे उतरवाकर जांच शुरू की। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य और तस्वीरें जुटाईं। घटनास्थल से एक पॉलिथीन मिली, जिसमें बाइक की चाबी, महिला का आधार कार्ड और क्रीपेड मोबाइल फोन रखा था। मोबाइल में सिम नहीं था। पॉलिथीन से 4200 रुपये और युवक की पैंट से 200 रुपये भी मिले। आधार कार्ड के आधार पर पुलिस ने महिला के परिजनों से संपर्क किया। परिजनों ने उसकी पहचान मालती (27) निवासी उन्नाव के रूप में की। परिजनों के अनुसार मालती की करीब आठ वर्ष पहले शादी हुई थी और उसके दो बच्चे हैं। वह तीन दिन से घर से लापता थी। पुलिस की जांच में युवक की पहचान ओम के रूप में सामने आई है। परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ में दोनों के बीच प्रेम संबंध होने की जानकारी मिली है। हालांकि दोनों की मौत की वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। अपर पुलिस उपअुक्त पूर्वी शिवा सिंह ने बताया कि सुबौली गांव से करीब एक किलोमीटर दूर रेलवे लाइन के पास पेड़ पर महिला और पुरुष के शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली थी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लिया और पहचान के प्रयास शुरू किए। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच की है। दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस हत्या और आत्महत्या समेत सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। युवक के परिजनों से संपर्क करने के साथ ही घटनास्थल से मिले सामान और अन्य साक्ष्यों की भी पड़ताल की जा रही है।

वाराणसी में आधा दर्जन दारोगाओं के तबादले, 4 चौकी प्रभारियों का बदला कार्यक्षेत्र

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के पुलिस कमिश्नरेंट वाराणसी में कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए पुलिस आधुक्त मोहित अग्रवाल ने 6 उप-निरीक्षकों का तबादला किया है। इस सूची में महमूरगंज, लहुराबीर, अस्सी, नगवाँ और सोनिया सहित 5 महत्वपूर्ण पुलिस चौकियों के प्रभारियों को बदला गया है। पुलिस कमिश्नर के शुक्रवार देर शाम जारी आदेश के अनुसार, तीन उप-निरीक्षकों का रिक्त के सापेक्ष और तीन का समायोजन के तहत स्थानांतरण किया गया है। चौकी प्रभारी महमूरगंज (भेलूपुर) रहे उपनिरीक्षक अनुज सिंह को थाना लक्सा भेजा गया चौकी प्रभारी लहुराबीर (चेतगंज) रहे उपनिरीक्षक विकल्प शांडिल्य को महमूरगंज चौकी, थाना भेलूपुर का नया प्रभारी बनाया गया है। इस क्रम में चौकी प्रभारी अस्सी (भेलूपुर) रहे उप निरीक्षक नवीन चतुर्वेदी को चौकी प्रभारी नगवाँ, थाना लंका बनाया गया है। चौकी प्रभारी नगवाँ (लंका) रहे उपनिरीक्षक अभिषेक सिंह को चौकी प्रभारी अस्सी, थाना भेलूपुर की जिम्मेदारी दी गई है। चौकी प्रभारी सोनिया (सिंगर) रहे उपनिरीक्षक धिवेक सिंह को चौकी प्रभारी लहुराबीर, थाना चेतगंज बनाया गया है। थाना चौक में तैनात उपनिरीक्षक सौरभ शाही को चौकी प्रभारी सोनिया, थाना सिंगरा की कमान सौंपी गई है।

उत्तर प्रदेश में 13 पीसीएस अफसरों का स्थानांतरण

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश शासन ने शनिवार को 13 पीसीएस अफसरों का स्थानांतरण किया है। इसके तहत अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी, नगर निगम और विभिन्न विभागों में तैनात अधिकारियों को नवीन तैनाती देते हुए श्रेष्ठ कार्यभार संधालने के निर्देश दिए गये हैं। पवन कुमार को प्रधान प्रबंधक उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल संघ से हटाकर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), कुशीनगर और दिनेश को अपर जिलाधिकारी (नगर), अयोध्या बनाया गया है। इससे पहले वह मऊ जिले में मुख्य राजस्व अधिकारी का पदभार संधाल रहे थे। वहीं मथुरा नगर निगम के अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह को अपर जिलाधिकारी (नगर), कानपुर नगर की जिम्मेदारी दी गई है। कानपुर नगर के अपर जिलाधिकारी (नगर) आलोक कुमार गुप्ता को अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) कासगंज बनाया गया है। चित्रकूट के अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) अरुण कुमार को संयुक्त निदेशक (प्रशासन), मत्स्य निदेशालय भेजा गया है। मथुरा की उप जिलाधिकारी कंचन को अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) चित्रकूट एवं उपसंचालक चक्रबंदी की जिम्मेदारी मिली है। रंजुन कुमार यादव को विशेष कार्याधिकारी राजस्व परियद लखनऊ से अपर नगर आयुक्त, सहारनपुर और जितेंद्र कटियार को उपजिलाधिकारी प्रतापगढ़ से उपनिदेशक (प्रशासन), आयुर्वेद निदेशालय बनाया गया है। वंदिता श्रीवास्तव को सचिव बरेली विकास प्रधिकरण बरेली से उपनिदेशक (प्रशासन) उच्च शिक्षा निदेशालय प्रयागराज, हिमांशु कुमार गुप्ता को प्रधान प्रबंधक उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल संघ से बरेली विकास प्राधिकरण सचिव की जिम्मेदारी मिली है।

केन्द्रीय राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कॉल्विन तालुकेदारस कॉलेज का किया निरीक्षण

लखनऊ, एजेंसी। केन्द्रीय वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने शनिवार का लखनऊ के कॉल्विन तालुकेदारस कॉलेज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने कॉलेज के प्रांगण में खेल रहे बच्चों से संवाद किया।

केन्द्रीय राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने बच्चों से संवाद करने का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर शेयर किया है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि बच्चों की ऊर्जा, उनकी उत्सुकता और भविष्य के लेकर उनके सपने देखकर मन प्रसन्नता से भर गया। देश का भविष्य इन्हीं नीतिहालों के मजबूत कंधों पर है। इन सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और सफलता की ढेर सारी शुभकामनाएं।

सदर तहसील में 147 फरियादियों ने लगाई गुहार, 10 मामलों का मौके पर निस्तारण

गोरखपुर, एजेंसी। सदर तहसील सभागार में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम सदर ज्ञान प्रताप सिंह ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। तहसील दिवस में कुल 147 फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। इनमें से 10 मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को भेजते हुए निर्धारित समय में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व, भूमि विवाद, नगर निगम, परिवार रजिस्टर, तालाब एवं अन्य जनसमस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र पहुंचे। अधिकारियों ने फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। फरियादियों में जंगल बेनीमाधव नंबर-दो निवासी अमरनाथ ने अपनी करीब 11 डिसमिल पुरस्ती कृषि भूमि पर कथित कब्जे की शिकायत की। रायौनगर फेज-फोर स्थित भाऊराव देवस कॉलोनी के एक सेवानिवृत्त जूनियर इंजीनियर ने खाली पड़े प्लॉट संख्या के-13 में जमा कूड़े और मकान के टूटे मलबे को हटाने की शिकायत की। जिला नारी सोहास कुंवरी टोला गड़वा निवासी सुजीत साहनी ने ग्राम सभा की भूमि पर स्थित पोखरे के पड़े के आवंटन और उसके सुंदरीकरण की मांग की। वहीं, पिपराइच क्षेत्र के अगया छोटा टोला निवासी सुनील सिंह ने परिवार रजिस्टर की नकल उपलब्ध कराने की मांग की और लैंगर प्रार्थना पत्र दिया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों ने फरियादियों से प्राप्त शिकायतों को संबंधित विभागों को भेजते हुए समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।

संपादकीय

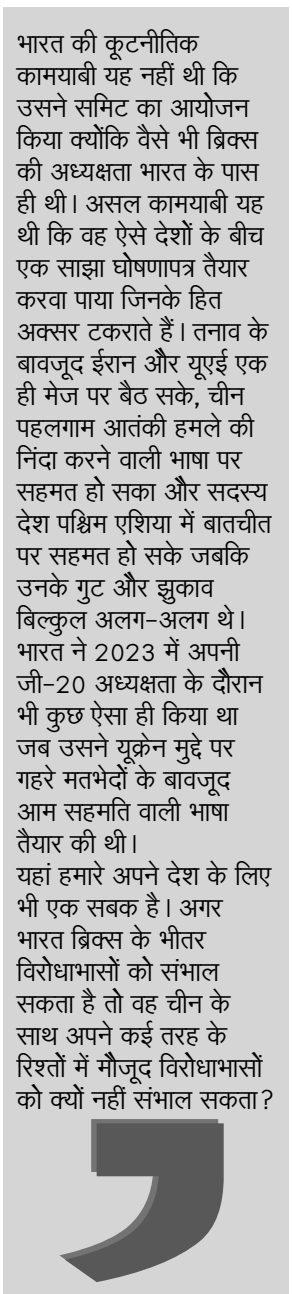
सुप्रीम कोर्ट के निर्देश से छात्रों को राहत

नई शिक्षा नीति 2020 के तहत विद्यालयों में त्रिभाषा व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में केंद्र सरकार और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से किए जा रहे प्रयास भारतीय शिक्षा व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत हैं। भारत जैसे भाषाई और सांस्कृतिक विविधता वाले देश में बच्चों को केवल एक भाषा तक सीमित रखने के बजाय तीन भाषाओं का ज्ञान देना उनके शैक्षणिक विकास के साथ-साथ देश की विविधता को समझने का अवसर भी प्रदान करता है। त्रिभाषा नीति का उद्देश्य किसी भाषा को थोपना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को अपनी मातृभाषा, भारतीय भाषाओं और अन्य उपयोगी भाषाओं से परिचित कराना है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विद्यार्थियों को तीन भाषाएं सीखने की व्यवस्था की गई है, जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं होना आवश्यक है। यह व्यवस्था सरकारी और निजी दोनों विद्यालयों में लागू किए जाने की परिकल्पना करती है। विद्यार्थियों और राज्यों को अपनी आवश्यकता तथा सुविधा के अनुसार भाषाओं के चयन की स्वतंत्रता दी गई है। नीति में स्पष्ट किया गया है कि किसी भी राज्य या विद्यार्थी पर कोई भाषा थोपी नहीं जाएगी। यही प्रावधान त्रिभाषा नीति को व्यावहारिक और लोकतांत्रिक स्वरूप प्रदान करता है। कक्षा नौवीं से भाषाओं के अध्ययन पर विशेष जोर देने का उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्याप्त समय देना है, ताकि वे चुनी गई भाषाओं को केवल विषय के रूप में न पढ़ें, बल्कि उनका व्यावहारिक ज्ञान भी विकसित कर सकें। भाषा केवल परीक्षा में अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं है। भाषा के माध्यम से विद्यार्थी किसी समाज की संस्कृति, साहित्य, इतिहास और जीवन पद्धति को समझता है। तीन भाषाओं का ज्ञान विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा, रोजगार और संचार के नए अवसर भी खोल सकता है।

त्रिभाषा व्यवस्था को लागू करने में सबसे बड़ी चुनौती पर्याप्त संख्या में योग्य भाषा शिक्षकों की उपलब्धता से जुड़ी हुई है। देश के अनेक विद्यालयों में भारतीय भाषाओं के सभी विषयों के लिए अलग-अलग प्रशिक्षित शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में अचानक नई व्यवस्था लागू करने से विद्यालयों और विद्यार्थियों के सामने कठिनाइयां पैदा हो सकती थीं। इसी व्यावहारिक स्थिति को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट के निर्देश से विद्यार्थियों को राहत मिलना महत्वपूर्ण है। सुप्रीम कोर्ट के इस दृष्टिकोण की सराहना इसलिए की जानी चाहिए कि शिक्षा नीति के उद्देश्य और जमीन पर उसकी वास्तविक परिस्थितियों के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है। नीति बनाना जितना महत्वपूर्ण है, उसका सुचारु क्रियान्वयन भी उतना ही जरूरी है। यदि विद्यालयों के पास आवश्यक शिक्षक और पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध नहीं हों तो विद्यार्थियों को कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

ब्रिक्स सम्मेलन : भारत-चीन रिश्तों की अब असली परीक्षा



भारत की कूटनीतिक कामयाबी यह नहीं थी कि उसने समिट का आयोजन किया क्योंकि वैसे भी ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के पास ही थी। असल कामयाबी यह थी कि वह ऐसे देशों के बीच एक साझा घोषणापत्र तैयार करवा पाया जिनके हित अक्सर टकराते हैं। तनाव के बावजूद ईरान और यूएई एक ही मेज पर बैठ सके, चीन पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करने वाली भाषा पर सहमत हो सका और सदस्य देश पश्चिम एशिया में बातचीत पर सहमत हो सके जबकि उनके गुट और झुकाव बिल्कुल अलग-अलग थे। भारत ने 2023 में अपनी जी-20 अध्यक्षता के दौरान भी कुछ ऐसा ही किया था जब उसने यूक्रेन मुद्दे पर गहरे मतभेदों के बावजूद आम सहमति वाली भाषा तैयार की थी। यहां हमारे अपने देश के लिए भी एक सबक है। अगर भारत ब्रिक्स के भीतर विरोधाभासों को संभाल सकता है तो वह चीन के साथ अपने कई तरह के रिश्तों में मौजूद विरोधाभासों को क्यों नहीं संभाल सकता?

डॉ.अजीत रानाडे

चीन के साथ रिश्तों में नरमी आने से अमेरिका, यूरोप, जापान या क्वाड के साथ भारत के संबंधों पर असर नहीं पड़ना चाहिए। भारत को ब्रिक्स, एससीओ, क्वाड, जी-20 और अन्य उपयोगी समूहों में एक साथ सक्रिय रहना चाहिए। भारत के भविष्य के फैसले इनमें से किसी भी रिश्ते के बंधक नहीं हो सकते। यही रणनीतिक स्वायत्तता है। अगले साल चीन ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालेगा।

दिल्ली में हाल ही में हुए ब्रिक्स समिट को शायद किसी बहुत दमदार घोषणा के लिए याद न किया जाए लेकिन इस सम्मेलन की वजह से भारत को होने वाले व्यापक अहम नतीजे पर ध्यान नहीं जा पाएगा। क्या ब्रिक्स ने भारत-चीन रिश्तों में सुधार की रफ्तार बढ़ाने में मदद की?

भारत की कूटनीतिक कामयाबी यह नहीं थी कि उसने समिट का आयोजन किया क्योंकि वैसे भी ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के पास ही थी। असल कामयाबी यह थी कि वह ऐसे देशों के बीच एक साझा घोषणापत्र तैयार करवा पाया जिनके हित अक्सर टकराते हैं। तनाव के बावजूद ईरान और यूएई एक ही मेज पर बैठ सके, चीन पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करने वाली भाषा पर सहमत हो सका और सदस्य देश पश्चिम एशिया में संतुलन (एससीओ) शिक्षर सम्मेलन में उन्होंने पाकिस्तान, रूस और अन्य देशों के साथ मिलकर आतंकवाद से निपटने में दोहरे मापदण्डों को खारिज करने वाले एक घोषणापत्र का समर्थन किया। अगर एससीओ और ब्रिक्स के भीतर ऐसे विरोधाभासों को संभाला जा सकता है तो उन्हें द्विपक्षीय स्तर पर भी संभाला जा सकता है।

इसका मतलब गलवान को भूलना नहीं है जहां 2020 में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। सीमा की मजबूती से रक्षा की जानी चाहिए लेकिन पूरे रिश्ते को ठप किए बिना सीमा पर तनाव को सीमित रखा जा सकता है।

असल में, भारत और चीन पहले से ही अलग-अलग मुद्दों को अलग-अलग रखकर काम कर रहे हैं। बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिक्षर सम्मेलन में उन्होंने पाकिस्तान, रूस और अन्य देशों के साथ मिलकर आतंकवाद से निपटने में दोहरे मापदण्डों को खारिज करने वाले एक घोषणापत्र का समर्थन किया। अगर एससीओ और ब्रिक्स के भीतर ऐसे विरोधाभासों को संभाला जा सकता है तो उन्हें द्विपक्षीय स्तर पर भी संभाला जा सकता है।

इस तरह की यथार्थवादी सोच के पीछे मजबूत आर्थिक कारण हैं। चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा लगभग 112 अरब डॉलर है। फिर भी हमारी निर्भरता मुख्यरूप से सस्ते खिलौनों पर नहीं है। चीन जरूरी

मुलाकात साझा बयान से कहीं ज्यादा अहम थी। शी सात साल में पहली बार भारत के दौर पर आए थे। दोनों नेताओं ने सीमा पर शांति, व्यापारिक संबंधों, बाजार तक पहुंच, व्यापार में संरचनात्मक असंतुलन और आपसी आदान-प्रदान बढ़ाने पर चर्चा की। इसे सुलह कहना बेवकूफी होगी लेकिन यह निश्चित से एक मौका है।

भारत और चीन पड़ोसी हैं और दोनों मिलकर दुनिया की एक-तिहाई से ज्यादा आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। भूगोल को बदला नहीं जा सकता और न ही दोनों के बीच का सीमा विवाद जल्द खत्म होने वाला है। 1988 में डेंग जियाओपिंग ने राजीव गांधी को जो पत्राहूह सलाह दी थी वह आज भी प्रासंगिक है-‘अगर हमारी पीढ़ी में सीमा विवाद को सुलझाने की समझ नहीं है तो इसे आने वाली ज्यादा समझदार पीढ़ी पर छोड़ देना चाहिए।’

इसका मतलब गलवान को भूलना नहीं है जहां 2020 में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। सीमा की मजबूती से रक्षा की जानी चाहिए लेकिन पूरे रिश्ते को ठप किए बिना सीमा पर तनाव को सीमित रखा जा सकता है।

असल में, भारत और चीन पहले से ही अलग-अलग मुद्दों को अलग-अलग रखकर काम कर रहे हैं। बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिक्षर सम्मेलन में उन्होंने पाकिस्तान, रूस और अन्य देशों के साथ मिलकर आतंकवाद से निपटने में दोहरे मापदण्डों को खारिज करने वाले एक घोषणापत्र का समर्थन किया। अगर एससीओ और ब्रिक्स के भीतर ऐसे विरोधाभासों को संभाला जा सकता है तो उन्हें द्विपक्षीय स्तर पर भी संभाला जा सकता है।

इस तरह की यथार्थवादी सोच के पीछे मजबूत आर्थिक कारण हैं। चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा लगभग 112 अरब डॉलर है। फिर भी हमारी निर्भरता मुख्यरूप से सस्ते खिलौनों पर नहीं है। चीन जरूरी

एपीआई, इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे, मशीनरी, सोलर इनपुट और प्रोसेस किए गए अहम खनिज सप्लाई करता है। गलवान के बाद भारत ने चीनी निवेश और तकनीक तक पहुंच को कड़ा कर दिया। फिर भी आयात बढ़ता रहा। राजनीतिक जुड़ाव कम करने की कोशिश से आर्थिक निर्भरता खत्म नहीं हुई।

चीन के प्रति भारत का नजरिया किसी याचक जैसा नहीं है। चीन की आर्थिक ताकत जबरदस्त है लेकिन उसमें कुछ गंभीर कमजोरियां भी हैं। वहां की आबादी बूढ़ी हो रही है, वर्कफोर्स कम हो रहा है, प्रॉपर्टी सेक्टर मुश्किलों में है, कज ‘ज्यादा है, घरेलू खपत कमजोर है और जरूरत से ज्यादा इंडस्ट्रियल कैपेसिटी के लिए बाहरी बाजारों की जरूरत बढ़ रही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष को उम्मीद है कि मध्यम अवधि में विकास दर धीमी रहेगी क्योंकि डेमोग्राफिक्स, कमजोर प्रोडक्टिविटी और निवेश पर घटना रिटर्न असर डालेंगे। इसलिए चीन को भी भारत की जरूरत है।

भारत दुनिया के सबसे बड़े और तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है। यहां युवा वर्कफोर्स है और यह चीनी पूंजी के लिए एक रिकवरी है जिसे दूसरी जगहों पर बढ़ती कृषकवर्गों का सामना करना पड़ रहा है। सही प्रतिक्रिया यह नहीं है कि ‘चीन को बाहर रखो, बल्कि यह है कि अगर आप भारतीय बाजार तक पहुंच चाहते हैं तो यहां मैनुफैक्चरिंग करें, यहां लोगों को रोजगार दें, यहां से ज्यादा सामान खरीदें और यहीं से एक्सपोर्ट करें।’

प्रेस नोट 3 प्रतिशत पर बिना सोचे-समझे शक करने के बजाय जोखिम के आधार पर जांच की ओर बढ़ना चाहिए। टेलीकॉम नेटवर्क में चीन की भागीदारी, हाईवे, वेयरहाउस, पानी या सिंचाई प्रोजेक्ट में चीन की सिर्फ पूंजी (कैपिटल) लगाने से साफ तौर पर और अलग है। इसे अलग-थलग रहकर जुड़ाव (क्वारंटीन्ड एग्रेजमेंट) कहा जा सकता है।

नई फसल के स्वागत का त्योहार

बाबा मायाराम

पशुपालन के बिना खेती अधूरी है। इसमें एक चक्र बना रहता था। फसलों के ठंडल व भूसा, खेत के चारे को पशु खाते थे, खेतों में उनसे जुताई होती थी, उनके गोबर को खाद से खेत की मिट्टी उर्वरक बनती थी। इस तरह टिकाऊ खेती की परंपरा थी। पशुपालन खेती का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हुआ करता था। गाय-बैल को परिवार के सदस्य की तरह उनकी परवरिश की जाती थी।

हाल ही में नवाखाई का त्योहार मनाया गया। यह खेती-बाड़ी और कृ षि परंपरा से जुड़ा है। विशेषकर, मुक्तिसगढ़ का ओडिशा में यह त्योहार उत्साह से मनाया जाता है। हमारी खेती-किसानी इस समय संकट से गुजर रही है। ऐसे त्योहार हमें खेती-किसानी, पशुपालन, और प्रकृति के सामंजस्य की याद दिलाते हैं। आज इसी त्योहार के बहाने खेती-किसानी की परंपराओं पर बात करना चाहेंगा, जिससे इसके महत्व को समझा जा सके।

नवाखाई का शाब्दिक अर्थ नया खाना है। यह त्योहार धान की नई फसल के स्वागत के लिए मनाया जाता है। नए अन्न की पूजा की जाती है। इस मौके पर किसान खेती के औजारों, जैसे हल-बैल, फसल और खेत की पूजा करते हैं। यह त्योहार ग्रामीण जीवन में खुशी और उम्मीद जगाता है। करते हैं और धन-धान्य से भरपूर होने की कामना करते हैं। नवाखाई के एक दिन पहले धान की बालियों के साथ चिवड़ा, और पूजा के फूल पूजा की तैयारी के लिए रख लिए जाते हैं। कुछ जगह चिवड़ा, गुड़ के साथ देवताओं को प्रसाद चढ़ाया जाता है सबको प्रसाद दिया जाता है।

छत्तीसगढ़ के ग्रामीण इलाकों में नुआखाई का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस मौके पर सिहाड़ी पत्तों का इस्तेमाल भी आम है। इस मौके पर नए चावल से बनीं खीर को प्रसाद स्वरूप देवताओं को भोजन चढ़ाया जाता है। सभी लोग नए कपड़े पहनते हैं। इस त्योहार के लिए कई दिनों से तैयारी करते हैं। घरों की साफ-सफाई व लिपाई-पुताई भी की जाती है। इस त्योहार को अलग-अलग समय में मनाते हैं। इस त्योहार को मनाने का सिलसिला लम्बे समय तक चलता है।

पिछले साल में मैं एक निजी कार्य से ओडिशा के बरगढ़ शहर में था। वहां मुझे एक किसान ने भोजन के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने स्वाली (मीठी रोटी) खीर, दाल चावल, पापड़, चटनी और हरी पत्तीदार सब्जियां बनाई थीं। उन्होंने बताया कि अरसा पीठा विशेष रूप से तैयार किया जाता है।

नुआखाई के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू हो जाता है। यह कुछ समय तक चलता है। इसमें भी लोगों का मिलना-जुलना होता रहता है। इस मौके पर मुझे कुछ साल पहले ओडिशा के मुनिगुड़ा की रेल यात्रा याद आ रही है। मैं मुनिगुड़ा एक मिश्रित खेती का प्रयोग देखने गया था। वहां से रायपुर लौटते समय ट्रेन में दूरराज गांव की एक बुजुर्ग महिला मिली थी, जो बिलासपुर में रहने वाली उसकी बेटी के लिए नुआखाई के पकवान लेकर जा रही थी। उसने पोतली दिखाते हुए बताया था कि वह उसकी नातिनों के लिए गांव से अरसा पीठा बनाकर ले जा रही है। यानी यह परिजनो से मिलने-जुलने का भी अच्छा मौका होता है। यह त्योहार भाईचारे का भी है, लोग नुआखाई जुहार व भेंटघाट (सांस्कृतिक कार्यक्रम) के लिए एक दूसरे के घर आते जाते हैं। आपस में मिलकर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं भी देते हैं। सुदूर शहरों में नौकरिपेशा लोग भी गांव को चले आते हैं, और त्योहार में शामिल होते हैं।

इस त्योहार में जिन खेती के औजारों व बैलों की पूजा होती है, अब उनमें से कईयों का खेती में उपयोग कम हो गया है, या नहीं के बराबर है। हल-बैल की जगह ट्रैक्टर आ गए हैं। जबकि पहले पशुओं के बिना खेती संभव नहीं थी। रासायनिक खेती की अपनी कई समस्याएं है, जो सभी जानते हैं।

हाल ही में पोला त्योहार निकला है, इसमें ग्रामीणों द्वारा बैलों की पूजा की जाती है। पशुपालन के बिना खेती अधूरी है। इसमें एक चक्र बना रहता था। फसलों के ठंडल व भूसा, खेत के चारे को पशु खाते थे, खेतों में उनसे जुताई होती थी, उनके गोबर की खाद से खेत की मिट्टी उर्वरक बनती थी। इस तरह टिकाऊ खेती की परंपरा थी। पशुपालन खेती का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हुआ करता था। गाय-बैल को परिवार के सदस्य की तरह उनकी परवरिश की जाती थी। हाल तक यह परंपरा जारी रही है, कुछ जगह अब भी है।

गांधी की नजर में अवैध है, यहूदियों का इजरायल

विवेकानंद माथने

संसार की अन्य अनेक जातियों की तरह यहूदी भी उसी देश को अपना देश और अपना घर क्यों नहीं बना लेते जहाँ उनका जन्म हुआ और जहाँ वे जीविकोपार्जन करते हैं? यहूदियों के वतन के रूप में फिलिस्तीन उन्हें पूर्णतः या अंशतः वापस मिल जाये, इसके लिए स्वाभिमानी अरबों को तबाह करना निश्चय ही मानवता के विरुद्ध अपराध होगा।

नाजी जर्मनी में यहूदियों के उत्पीड़न से दुखी होकर महात्मा गांधी ने उनके प्रति गहरी मानवीय सहानुभूति व्यक्त की थी। गांधीजी ने ईसाई जगत द्वारा यहूदियों पर किए गए अत्याचारों को ईसाई धर्म के नाम पर कलंक माना था। उन्होंने जर्मनी के यहूदियों को सलाह दी थी कि वे जिस देश के नागरिक हैं, वहाँ अहिंसक संघर्ष के माध्यम से अपने अधिकार प्राप्त करें, लेकिन जब यहूदियों ने ब्रिटेन और अमेरिका के समर्थन से फिलिस्तीन में अपना राष्ट्र स्थापित करने का मार्ग अपनाया और इसके लिए अरबों के अधिकारों का दमन शुरू हुआ, तब गांधीजी ने इसका विरोध किया। उनका स्पष्ट मत था कि

फिलिस्तीन अरबों का है और यहूदियों द्वारा फिलिस्तीनियों का दमन करना पाप है।

गांधीजी ने यहूदियों की स्थिति की तुलना दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों और भारत में दलितों के साथ किए जाने वाले भेदभाव से की थी। उनका विश्वास था कि उत्पीड़ित लोगों को हिंसा के बजाय अहिंसक संघर्ष के माध्यम से अपने अधिकार प्राप्त करने चाहिए। 12 अक्टूबर 1929 को गांधीजी ने कहा था : ‘हिंदू धर्म में सबसे बड़ी बुराई छुआछूत ही है। पश्चिम के देशों में यहूदियों को अछूत मानने की भावना पाई जाती है। वह ऐसी ही बुराई है। उन लोगों को शहर से बाहर अछूत बस्तियों (घेटों) में रहने के लिए बाध्य किया जाता है। यह दोष हमारे यहां कब आया, इसका इतिहास मुझे मालूम नहीं है। जब तथाकथित उच्च वर्ग के लोगों ने ऐसे लोगों से, जिन्हें वे नीचे दर्जे का समझते थे, अपने आपको अलग रखने की बात सोची, सामाजिक रूप से इसका आरंभ तब से माना जा सकता है।

अक्टूबर 1931 में उन्होंने कहा था- ‘सामी-विरोधी (यहूदी-विरोधी) प्रवृति वास्तव में बर्बरता का एक अवशेष है। यहूदियों के प्रति इस विरोध की भावना को

मैं कभी समझ ही नहीं पाया हूँ। बिना किसी अपराध के यहूदी लोग पहले ही कितनी यातना सह चुके हैं। मुझे तब भी लगा था और अब भी लगता है कि यह सारा प्रपीड़न, उन लोगों के लिए बड़े अपयश की बात है, जिन्होंने चिरकाल से कष्ट सहने वाली इस जाति को ईसाई धर्म के नाम पर यातनाएं दी हैं।’ 1931 में ‘ज्यूइश क्रानिकल’ को दिए गए साक्षात्कार में गांधीजी ने कहा था- ‘हिन्दुस्तान में हम अपनी बड़ी-से-बड़ी सेवा करने वाले डेड़, भंगी इत्यादि को, जिन्हें हम अस्पृश्य मानते हैं, गांव के बाहर अलग रखते हैं। गुजराती में उनकी बस्ती को ढेड़वाड़ा कहते हैं। इसी प्रकार यूरोप के ईसाई समाज में यहूदी लोग अस्पृश्य माने जाते थे और उनके लिए जो ढेड़वाड़ा बसाया जाता था, उसे घेटो कहते थे। इसी तरह दक्षिण अफ्रीका में हम हिन्दुस्तानी लोग डेड़ बन गये हैं।’

नवंबर 1938 में ‘यहूदी लोग’ लेख में गांधीजी ने लिखा - यहूदियों से मुझे पूरी सहानुभूति है। वे ईसाई समाज के द्वारा अस्पृश्य माने जाते रहे हैं। उनके प्रति ईसाइयों के व्यवहार और अस्पृश्यता के हिंदुओं के व्यवहार में बहुत समानता है। दोनों ही समुदायों के साथ किये जाने वाले

अमानवीय व्यवहार का औचित्य सिद्ध करने के लिए धर्म की दुहाई दी गई है, लेकिन मेरी सहानुभूति इस बात की ओर से मेरी आँखें बंद नहीं कर सकती कि न्याय के तकाजे क्या हैं। यहूदियों के लिए एक और झुकाव बिल्कुल अलग-अलग थे। भारत ने 2023 में अपनी जी-20 अध्यक्षता के दौरान भी कुछ ऐसा ही किया था जब उसने यूक्रेन मुद्दे पर गहरे मतभेदों के बावजूद आम सहमति वाली भाषा तैयार की थी।

यहां हमारे अपने देश के लिए भी एक सबक है। अगर भारत ब्रिक्स के भीतर विरोधाभासों को संभाल सकता है तो वह चीन के साथ अपने कई तरह के रिश्तों में मौजूद विरोधाभासों को क्यों नहीं संभाल सकता?

समिट के दौरान मोदी और शी की मुलाकात साझा बयान से कहीं ज्यादा अहम थी। शी सात साल में पहली बार भारत के दौर पर आए थे। दोनों नेताओं ने सीमा पर शांति, व्यापारिक संबंधों, बाजार तक पहुंच, व्यापार में संरचनात्मक असंतुलन और आपसी आदान-प्रदान बढ़ाने पर चर्चा की। इसे सुलह कहना बेवकूफी होगी लेकिन यह निश्चित से एक मौका है।

आवश्यक सूचना

नाराज फूफाओं के अलावा बेफिफ्र मामाओं से भी सावधान

-डा. रवीन्द्र अजरिया

जल प्रलय के स्थितियों के बाद अब देश में सफिकतिक प्रहारों की बाढ आ गई है। भारतीय राजनीति में रिश्तों के प्रतीकों का प्रयोग नया नहीं है। कभी कोई नेता स्वयं को जनता का सैवक बताता है, तो कोई परिवार के सदस्य की तरह जनता के सुख-दुःख में साथ होने का दावा करता है। इसी श्रृंखला में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष के लिए नाराज फूफाह् शब्द का व्यंथात्मक प्रयोग किया। प्रधानमंत्री की टिप्पणी के बाद सत्ताधारी भाजपा के अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी विपक्ष की भूमिका को ह्यनाराज फूफाह् से जोड़ते हुए कहा कि देश की प्रगति के बावजूद विपक्ष हर उपलब्धि में आपत्ति तलाशता है। यह व्यंथ केवल शब्दों का खेल नहीं है। इसके पीछे भारतीय लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका को लेकर एक गंभीर बहस छिपी है। लोकतंत्र में सरकार के हर निर्णय पर प्रश्न उठाना विपक्ष का अधिकार तो है लेकिन प्रश्न और पूर्वाग्रह, समीक्षा और विरोध, तथ्य और राजनीतिक व्याख्या के बीच अंतर बनाए रखना भी उसका

कर्तव्य है। जब हर सरकारी निर्णय को संदेह की दृष्टि से देखने की प्रवृत्ति बढ़ती है, तब स्वरथ्य लोकतांत्रिक निगरानी और राजनीतिक नकारात्मकता के बीच की रेखा धुंधली होने लगती है। राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रश्न पर यह अंतर और महत्वपूर्ण हो जाता है। इतिहास मुझे मालूम नहीं है। सन 2025 के ऑपरेशन सिंदूर के बाद विपक्षी दलों ने विशेष संसद सत्र और सरकार से जवाबदेही की मांग करते हुए लगभग 12 विपक्षी दलों ने पहलगाम आतंकवादी हमले, ऑपरेशन सिंदूर, संघर्षविराम और नियंत्रण रेखा की स्थिति पर संसद में चर्चा का नारा बुलंद किया था। यह मांग लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा तो बन सकती थी किन्तु सैन्य अभियानों की वास्तविक समय की जानकारी, सैनिकों की तैनाती तथा संवेदनशील रणनीतिक विवरण सार्वजनिक करना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ा खोखिम भी पैदा कर सकता था। ऐसे में ह्योगोपनीय दस्तावेज सार्वजनिक करोह् और ह्यसरकार से जवाब मांगोह् के बीच का अन्तर समझना भी बेहद जरूरी है। संसद में जवाबदेही मांगना लोकतंत्र अधिकार हो

सकता है किन्तु सैनिकों की सुरक्षा अथवा भविष्य की कार्यवाई प्रभावित करने वाली जानकारी का सार्वजनिक करना सुरक्षाबलों को अंधे कुये में धकेलने जैसा ही होता। ऑपरेशन सिंदूर पर प्रधानमंत्री ने स्वयं लोकसभा में कहा था कि सैन्य नेतृत्व को कार्यवाई के समय, स्थान और तरीके के संबंध में स्वतंत्रता दी गई थी। राष्ट्रीय सुरक्षा पर राजनीतिक विमर्श में पारदर्शिता और गोपनीयता के बीच संतुलन की कसौटी हमेशा बनी रहनी चाहिए। विपक्षी दलों पर सरकार के प्रत्येक निर्णय की आलोचना करने, नीतियों की नकारात्मक व्याख्या करने अथवा संदेह पैदा करने के आरोप समय-समय पर सत्ता पक्ष द्वारा लगाये जाते रहे है जिस पर विपक्ष सरकार से सवाल करना लोकतंत्र की अनिवार्य प्रक्रिया का अंग मानकर आरोपों का खण्डन करता रहा है। समस्या विरोध में नहीं बल्कि विरोध के तरीके में खोजी जानी चाहिए। यदि तथ्य सामने रखकर नीति की कमियां बताई जाएं ह्यसरकार से जवाब मांगोह् के बीच का अन्तर समझना भी बेहद जरूरी है। संसद में जवाबदेही मांगना लोकतंत्र अधिकार हो

जन्मानस में भ्रम पैदा किया जाए, तो उसका नुकसान सरकार से कहीं आगे समाज और संस्थाओं तक पहुंच सकता है। ऐसे में ह्यनाराज फूफाह् की राजनीति का दूसरा छोर ह्यबेफिफ्र मामाह् तक भी पहुंचता है। मध्य प्रदेश की राजनीति में ह्यमामाह् संबंधधन भी इसी राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा रहा है। चुनावी राजनीति में जनता को तत्काल राहत देने वाली योजनाएं आकर्षक होती हैं। महिलाओं को प्रत्यक्ष नकद सहायता, मुफ्त महान, बिजली, कृषि सहायता अथवा अन्य सुविधाएं देना सामाजिक सुरक्षा का माध्यम हो सकता है, परंतु वह ऐसी योजना का मूल्यंकन उसके दीर्घकालीन वित्तीय प्रभाव के आधार पर भी होना चाहिए। मध्य प्रदेश इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है जहां ह्यलाड़ली लक्ष्मीह् और ह्यलालाड़ली बहनाह् योजनायें लागू हैं। लाड़ली लक्ष्मी योजना बालिकाओं से संबंधित पुरानी योजना है जबकि महिलाओं को प्रत्यक्ष मासिक सहायता देने वाली मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना बाद में लागू की गई। सन 2026-27 के बजट में लाड़ली बहना योजना के लिए 23,883

करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है और पूंजीकृत महिलाओं की संख्या लगभग 1.25 करोड़ बताई गई है। इसी बजट विश्लेषण के अनुसार राज्य का सन 2026-27 का राजकोषीय घाटा 71,458 करोड़ रुपये अर्थात जीएसडीपी का 3.9 प्रतिशत अनुमानित है तथा वर्ष के अंत तक बकाया देनदारियां जीएसडीपी के 32.5 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। यहां प्रश्न महिलाओं को सहायता देने का विरोध करना नहीं है बल्कि उसकी स्थिरता का है। पीआरएस के राज्य वित्त संबंधी अध्ययन के अनुसार सन 2025-26 में 12 राज्यों ने महिलाओं को बड़े पैमाने पर बिना शर्त नकद हस्तांतरण वाली योजनाएं लागू कीं। इन पर राज्यों का संयुक्त अनुमानित खर्च 1.68 लाख करोड़ रुपये था जो सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 0.5 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश में भी सन 2026 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेधावी छात्राओं के लिए लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना के तहत श्रेष्ठ ही मुफ्त स्कूटी विवरण की घोषणा की जो सन 2022 के विधानसभा चुनाव के वादों में शामिल था।

संक्षिप्त समाचार

लंदन में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय का कार्यक्रम रद्द

लंदन , एंजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ब्रिटेन दौरे पर हैं। मंगलवार को लंदन में उनका एक कार्यक्रम सुरक्षा विंताओं के कारण रद्द कर दिया गया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के हस्तक्षेप के बाद यह फैसला लिया गया। लंदन की द शार्द इमारत के बाहर सैकड़ों प्रशंसक जमा हुए थे। कार्यक्रम रद्द होने से घंटों से इंतजार कर रहे कई प्रशंसक निराश हुए। मुख्यमंत्री का दल तमिलनाडु में निवेश आकर्षित करने यूके के दौरे पर है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल ने यात्रा के दौरान कई समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इन समझौतों में 12,300 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। इस निवेश अभियान का लक्ष्य तमिलनाडु को एशिया का उन्नत विनिर्माण और प्रौद्योगिकी केंद्र बनाना है। इससे राज्य भर में 9,400 से अधिक उच्च-मूल्य वाली नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। विजय बुधवार को अपना यूके दौरा समाप्त कर भारत लौटेंगे।

कांगो में तीसरे कार्यकाल के विरोध में प्रदर्शन, पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी

किशासा , एंजेंसी। अफ्रीकी देश कांगो में राष्ट्रपति फेलिसबत्स त्सेसीकेदी के तीसरे कार्यकाल की संभावना वाले सांविधानिक परिवर्तनों के खिलाफ मंगलवार को सैकड़ों लोगों ने प्रदर्शन किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस छोड़ी। विपक्षी नेता मार्टिन फायुलु ने किशासा समेत कई शहरों में ये प्रदर्शन आयोजित किए। प्रदर्शन शांतिपूर्ण शुरू हुए पर सरकार समर्थक समर्थकों से झड़प के बाद पुलिस ने बल प्रयोग किया। विपक्षी नेता मार्टिन फायुलु ने सरकार पर राजनीतिक मिलिशिया के साथ काम करने का आरोप लगाया। कांगो सरकार के प्रवक्ता पैट्रिक मुयाया ने विपक्ष की निंद की, कहा विरोध का अधिकार सही ढंग से प्रयोग होना चाहिए। कांगो का संविधान राष्ट्रपति के कार्यकाल की सीमा में बदलाव पर रोक लगाता है। नेशनल असेंबली में एक विधेयक विचाराधीन है, जो राष्ट्रपति को इन प्रावधानों को बदलने की अनुमति दे सकता है। त्सेसीकेदी के सता में बने रहने के प्रयास का विरोध करने के लिए विपक्षी दलों ने मई में सी64 का गठन किया था।

2 हेलिकॉप्टर, 21 विमान और 50 घंटे... ईरान में फंसे अमेरिकी पायलट को बचाने के लिए चला खतरनाक मिशन

वाशिंगटन, एंजेंसी। सोविए, आपका फाइटर जेट दुश्मन के इलाके में गिर चुका है, पैराशूट टीक से नहीं खुला और शरीर में कई जगह फ्रैक्चर है. नीचे जमीन पर दुश्मन की सेना आपको खोज रही है और आपके पास छिपने के अलावा कोई रास्ता नहीं है. ऐसे में अगर मदद का भरोसा हो भी, तो सवाल यही है कि वह मदद आप तक पहुंचेगी कैसे? अप्रैल 2026 में ईरान में अमेरिकी एयरफोर्स के अधिकारी के साथ कुछ ऐसा ही हुआ. स्र-15 थ फाइटर जेट के गिरने के बाद उसके दो क्रू मेंबर अलग-अलग जगह जा गिरे. अप्रैल में अमेरिकी स्र-15 थ स्ट्राइक इंगल ईरान के ऊपर एक मिशन पर था. इसी दौरान विमान को एक मिसाइल से निशाना बनाया गया और वह क्रैश हो गया. विमान में दो अमेरिकी अधिकारी थे, जिन्हें यहां उनके कॉल साइन ‘अल्फा’ और ‘ब्रावो’ से जाना गया और विमान ईरान में ही जा गिरा था. दोनों ने विमान से बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन जमीन पर पहुंचने के बाद उनकी लोकेशन अलग हो गई।

ट्रंप ने अपने पसदीदा सिगर की पत्नी को बनाया राजदूत उम्मीदवार, बारबाडोस-पूर्वी कैरिबियन की संभालेंगी जिम्मेदारी

वाशिंगटन, एंजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पसदीदा और मशहूर देशभक्ति गीत ‘गॉड ब्लेस दे यूएसए’ के सिगर ली ग्रिनवुड की पत्नी किम्बर्ली ग्रीनवुड को बारबाडोस और पूर्वी कैरेबियाई देशों के लिए अमेरिकी राजदूत के पद के लिए नामित किया है. ट्रंप प्रशासन के किम्बर्ली के अलावा और भी कई अन्य राजदूत पदों के लिए नामित लोगों की लिस्ट अमेरिकी सीनेट के पास भेजी है. किम्बर्ली ग्रीनवुड की नियुक्ति के लिए अब सीनेट के मंजूरी जरूरी होगी. अगर अमेरिकी सीनेट को मंजूरी मिल जाती है, तो किम्बर्ली बारबाडोस के साथ-साथ सेंट फिट्स एंड नेविस, सेंट लूसिया, एंटीगुआ और बारबुडा, डॉमिनिका, ग्रेनेडा, और सेंट व्हिसेंट एंड द ग्रेनेडाइस जैसे कैरेबियाई देशों में एक साथ अमेरिकी राजदूत के रूप में सेवाएं देंगी।

पश्चिम एशिया तनाव: यूएस के हमले में ईरानी नावें तबाह; हूती लड़ाकों के हमलों के बीच सऊदी-मिस्र की नजदीकी बढ़ी

वाशिंगटन, एंजेंसी। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को कहा कि उसने इस हफ्ते ईरान की दो छोटी नावों पर गोली चलाई। इसके बाद दोनों नावों को नष्ट कर दिया गया। सेना के मुताबिक, ये नावें ईरान के पास समुद्र में एक बिना चालक वाले जहाज को अपने कब्जे में लेने की कोशिश कर रही थीं। यह छह महीने से ज्यादा समय से जारी युद्ध में दोनों पक्षा के बीच हुई ताजा झड़प है। अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ईरानी नावों ने हाल ही में एक अमेरिकी बिना चालक वाले समुद्री जहाज को अपने कब्जे में लेने की कोशिश

की थी। लेकिन वे इसमें सफल नहीं हुईं। अमेरिकी सेना ने इसका कड़ा जवाब दिया।

ईरान के सरकार मीडिया ने सोमवार को अलग जानकारी दी। उसने बताया कि ईरान के दक्षिणी तट पर होमोजगान प्रांत में मछली पकड़ने वाली दो नावों पर हमला हुआ। एक प्रांतीय अधिकारी के हवाले से कई मछुआरे लापता बताए गए। यह छह महीने से ज्यादा पुराने युद्ध में हुई ताजा गोलीबारी है। दोनों पक्ष होमुंज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण चाहते हैं। यह दुनिया के लिए एक बेहद अहम ऊर्जा और तेल परिवहन मार्ग है। अमेरिका ने हाल के हफ्तों में इस मार्ग पर ईरान की पकड़ कुछ हद तक कमजोर की है। लेकिन इस

बाइडन ने रोकी थी खेप, ट्रंप ने की जारी: इस्त्राइल को 40 हजार खतरनाक बम देगा अमेरिका

वाशिंगटन, एंजेंसी। ट्रंप प्रशासन 2.8 अरब डॉलर के प्रस्तावित हथियार सौदे के तहत इस्त्राइल को 40,000 शक्तिशाली 2,000 पाउंड के बम देने की तैयारी कर रहा है। इनमें 20,000 एमके-84 और 20,000 बीएलयू-117 बम शामिल हैं। यह वही श्रेणी के हथियार हैं जिनकी एक खेप बाइडन प्रशासन ने 2024 में गाजा में बड़े पैमाने पर नागरिकों के हताहत होने की आशंका के चलते रोक दी थी। प्रस्तावित सौदा ऐसे समय में सामने आया है जब गाजा में युद्ध को लेकर इस्त्राइल पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ा हुआ है और युद्धविराम के बावजूद हिंसा जारी है।

40 हजार बमों का प्रस्तावित सौदा : अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, 2.8 अरब डॉलर के इस पैकेज में कुल 40,000 बम शामिल हैं। इनमें 20,000 एमके-84 और 20,000 बीएलयू-117 बम हैं। दो अमेरिकी अधिकारियों और इस योजना से परिचित एक व्यक्ति ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। इन सभी ने अपनी पहचान सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर बात की, क्योंकि हथियारों का यह पैकेज अभी अंतिम रूप नहीं ले पाया है।

कांग्रेस को दी गई सौदे की जानकारी : अमेरिकी कांग्रेस को प्रस्तावित हथियार सौदे के बारे में अनौपचारिक रूप से जानकारी दे दी गई है। इस सौदे की बड़ी राशि विदेशी सैन्य वित्त पोषण के जरिए चुकाई जाएगी। इस व्यवस्था के तहत अमेरिका



इस्त्राइल को सैन्य सहायता के लिए धन देता है और इस्त्राइल उसी धन से अमेरिका से हथियार खरीदता है। इसके बाद से इस्त्राइल के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बढ़ा है। ईरान संघर्ष के बावजूद कायम है अमेरिका-इस्त्राइल गठजोड़ : प्रस्तावित हथियार सौदा यह संकेत देता है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्त्राइली प्रधानमंत्री बेजम्मिन नेतन्याहू के बीच संबंधों में आए कुछ तनाव के बावजूद दोनों देशों का सैन्य और रणनीतिक गठजोड़ मजबूत बना हुआ है। खास तौर पर फरवरी में दोनों देशों द्वारा ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू किए जाने के बाद दोनों नेताओं के बीच कुछ मतभेद सामने आए थे। ट्रंप और नेतन्याहू के संबंधों का इतिहास उत्तार-चढ़ाव भरा रहा है। ईरान संघर्ष को लेकर ट्रंप ने जुलाई में व्हाइट हाउस में नेतन्याहू से अपनी मुलाकात से पहले उनसे जुड़ी कुछ बातों पर नाराजगी भी

जाहिर की थी। बाइडन ने रोकी थी बमों की एक खेप : 2024 में बाइडन प्रशासन ने इन 2,000 पाउंड के बमों की एक खेप इस्त्राइल को भेजने से रोक दी थी। हालांकि, ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति पद संभालने के बाद उन्होंने उस रोक को हटा दिया। पिछले साल ट्रंप प्रशासन ने कांग्रेस की सामान्य समीक्षा प्रक्रिया को दरकिनार करते हुए इस्त्राइल के साथ करीब 3 अरब डॉलर के हथियार सौदे को मंजूरी दी थी। इसमें 35,500 से अधिक बम शामिल थे। इसके बाद जनवरी में ट्रंप प्रशासन ने इस्त्राइल के लिए हथियारों की नई श्रृंखला को मंजूरी दी, जिसकी कुल कीमत 6.67 अरब डॉलर थी।

2,000 पाउंड के बम कितने शक्तिशाली हैं : 2,000 पाउंड के बमों के कई अलग-अलग संस्करण हैं। इनमें कुछ ऐसे बम हैं जिन्हें जमीन के भीतर मौजूद या भूमिगत लक्ष्यों को भेदने के लिए डिज़ाइन किया गया है। वहीं, कुछ संस्करण जमीन के ऊपर विस्फोट करते हैं और बड़े इलाके में व्यापक तबाही मचा सकते हैं।

गाजा में अमेरिकी बमों के इस्तेमाल के सबूत : इस्त्राइली सेना ने गाजा में इस्तेमाल किए गए बमों और तोपों के बारे में बहुत कम जानकारी सार्वजनिक की है। हालांकि, हमले के वीडियो फुटेज और घटनास्थलों से मिले विस्फोटक अवशेषों का विश्लेषण करने वाले विशेषज्ञों का मानना है कि गाजा में अमेरिका निर्मित इन बमों का इस्तेमाल किया गया है।

जोहान्सबर्ग में 7वीं महिला की लाश मिलने से हड़कंप

जोहान्सबर्ग, एंजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग के पूर्वी इलाके में मंगलवार को एक और महिला का शव मिलने के बाद लोगों में डर बढ़ गया है। पिछले 2 महीनों में इसी इलाके में कई महिलाओं के शव मिल चुके हैं। मंगलवार को मिले शव के साथ ऐसे मामलों की संख्या 7 हो गई है। लगातार हो रही इन मौतों के बाद किसी संभावित सीरियल किलर के इलाके में सक्रिय होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, पुलिस ने अभी यह पुष्टि नहीं की है कि इन सभी हत्याओं के पीछे एक ही व्यक्ति है। पुलिस का कहना है कि इन मामलों में कुछ समानताएं जरूर हैं और इसी वजह से जांच तेज करने के साथ महिलाओं के लिए सार्वजनिक चेतावनी जारी की गई है। दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सेवा यानी कि स्क्रू ने महिलाओं से खास तौर पर सावधानी बरतने को कहा है। पुलिस ने इलाके में जाँगिंग जैसी गतिविधियों के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है। पुलिस प्रवक्ता एथलेंड्र माटे ने कहा, ‘जांच अभी जारी है और एएसपीएस ने इस समय तक यह पुष्टि नहीं की है कि इन मौतों का संबंध किसी सीरियल किलर से है। लेकिन मामलों में समानताएं

इतनी चिंताजनक हैं कि पुलिस ने लोगों के लिए सार्वजनिक चेतावनी जारी की है और जांच को तेज कर दिया है।’ मंगलवार को मिला था महिला का शव : मंगलवार को एक महिला का शव क्वा-थेमा इलाके में मिला। यह जगह केंप्टन पार्क से करीब 34 किलोमीटर दूर है। पुलिस के मुताबिक, महिला का शव पूरी तरह नग्न अवस्था में मिला और वह काफी ज्यादा सड़-गल चुका था। इससे पहले सोमवार को ओलिफैंटस्टीन इलाके में भी एक महिला का शव बरामद हुआ था। इसके अलावा शनिवार को 38 साल की एलिजाबेथ ‘सॉन्सी’ मोसेलाकगोमो का शव मिला था। वह पिछले सप्ताह केंप्टन पार्क में जाँगिंग के लिए निकली थीं और उसके बाद लापता हो गई थीं। एलिजाबेथ की तलाश में स्थानीय लोगों और पुलिस ने मिलकर अभियान चलाया था और आखिरकार शनिवार को उनका अर्धनग्न शव बरामद हुआ। लगातार सामने आ रहे इन मामलों को लेकर दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने भी चिंता जताई है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि उन्होंने पुलिस अधिकारियों को इन हत्याओं की जांच को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है।

मक्का में पहली बार मिसाइल अटैक का इमरजेंसी अलर्ट : हूती विद्रोहियों ने सऊदी पर हमला किया; 2017 में भी मक्का की ओर आई थी मिसाइल

मक्का, एंजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने मंगलवार को सऊदी अरब पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए। इसके बाद सऊदी अरब ने मक्का में पहली बार इमरजेंसी अलर्ट जारी किया। सऊदी सिविल डिफेंस के मुताबिक, नेशनल अर्ली वार्निंग प्लेटफॉर्म ने अलर्ट जारी किया था। लोगों से ऊंची इमारतों से दूर रहने की अपील की गई। कुछ देर बाद सिविल डिफेंस ने बताया कि खतरा टल गया है। हालांकि, लोगों से भीड़ से दूर रहने और किसी घटना की वीडियो या फोटो नहीं बनाने की अपील की गई। मंगलवार सुबह जेद्दा और ताइफ में भी ऐसे ही इमरजेंसी अलर्ट जारी किए गए थे। इन्हें भी कुछ देर बाद वापस ले लिया गया। इससे पहले 27 जुलाई

2017 को हूती विद्रोहियों ने मक्का की तरफ बैलिस्टिक मिसाइल दागी थी। लेकिन मिसाइल को मक्का से करीब 69 किलोमीटर दूर अल-वसिलिया इलाके में नष्ट कर दिया गया था। लोगों से अपील- खुले इलाकों में जाने से बचें : मक्का, जेद्दा और ताइफ में जारी अलर्ट में लोगों से कहा गया कि वे भीड़ और खुले इलाकों में जाने से बचें। लोगों से शांत रहने और किसी भी खतरे की स्थिति में तुरंत सुरक्षित जगह जाने की अपील की गई। लोगों को घर के अंदर रहने और खिड़कियाँ, बालकनी, छत, कांच और खुली जगहों से दूर रहने को कहा गया है। अगर कोई व्यक्ति घर से बाहर हो, तो उसे तुरंत पास की किसी बिल्डिंग में जाने या किसी मजबूत चीज की आड़

में छिपने और खतरा टलने तक वहीं रहने की सलाह दी गई है। हूती हमलों में अब तक 86 लोग घायल : ये इमरजेंसी अलर्ट सऊदी अरब पर हूतियों के लगातार हमलों के बीच जारी किए गए हैं। सोमवार को हूतियां ने सऊदी शहरों खमिस मुशैत, अब्बा और ताइफ की ओर कई मिसाइल और ड्रोन दागे थे। सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन के प्रवक्ता कर्नल तुर्की अल-मलिकी के मुताबिक, इन हमलों में कम से कम 13 नागरिक घायल हुए थे। मंगलवार को जारी बयान में अल-मलिकी ने सऊदी नागरिकों को निशाना बनाने वाले हूतियों के हमलों को जानबूझकर किया गया हमला बताया। पिछले हफ्ते भी हूतियों ने

सऊदी अरब पर मिसाइलों और ड्रोन की बड़ी संख्या में हमले किए थे। इनमें अब्बा, खमिस मुशैत, जाजान और नज्रान शहरों को निशाना बनाया गया था। इन हमलों में कम से कम 73 लोग घायल हुए थे। हमलों के बाद सऊदी अरब की कुछ ऊर्जा सुविधाओं का काम भी कुछ समय के लिए रोकना पड़ा था। ईरान से जुड़े हूतियों का आरोप है कि सऊदी अरब यमन में हवाई हमले कर रहा है और क़ूज मिसाइलें दाग रहा है। यमन के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों में हूती लड़ाकों और सऊदी समर्थित सरकारी बलों के बीच भारी लड़ाई चल रही है। इसी बीच हूतियों ने यमन के पश्चिमी लाल सागर तट पर तेजी से अपना कब्जा बढ़ाया है।



युद्ध का असर तेल और पेट्रोल की कीमतों पर पड़ रहा है। कीमते बढ़ी हैं। यह संघर्ष अमेरिका में भी राजनीतिक समस्या बन रहा है। नवंबर में अमेरिकी कांग्रेस के मध्यावधि चुनाव होने हैं। ऐसे में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी

रिपब्लिकन पार्टी पर दबाव बढ़ रहा है। ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि जैसे ही ईरान के साथ सैन्य संघर्ष खत्म होगा, तेल की कीमतें तेजी से गिरेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि संघर्ष जल्द खत्म हो जाएगा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने मंगलवार को ओमान के विदेश मंत्री से फोन पर बात की। अमेरिकी विदेश विभाग ने यह जानकारी दी। दोनों के बीच खाड़ी के अरब देश ओमान की कोशिशों पर चर्चा हुई। ओमान तनाव कम करने और होमुंज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की कोशिश कर रहा है।

हूती और सऊदी अरब के बीच संघर्ष बढ़ा : ईरान के

समर्थन वाले यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के खिलाफ हमले बढ़ा दिए हैं। इन हमलों का असर तेल की दुनिया पर भी पड़ा है। हूती विद्रोही सऊदी अरब के जहाजों और बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहे हैं। पश्चिम एशिया के संघर्ष में यह एक नया मोर्चा बन गया है। इससे सऊदी अरब के लिए अपना तेल दुनिया तक पहुंचाना मुश्किल हो गया है। कुछ दूसरे रास्ते भी प्रभावित हुए हैं। कुछ मार्ग पूरी तरह बंद हो गए हैं। कुछ दिन पहले सऊदी अरब की सबसे बड़ी तेल पाइपलाइन पर भी हमला हुआ था। इस हमले में पाइपलाइन को नुकसान पहुंचा। हूती विद्रोहियों

की ताकत भी बढ़ी है। इससे उनके लिए लाल सागर को रास्ते सऊदी तेल के निर्यात को रोकना आसान हो सकता है। इस युद्ध का असर सिर्फ तेल पर नहीं पड़ा है। इससे दुनिया की अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ा है। वाशिंगटन से आई नई रिपोर्ट्स में युद्ध पर अमेरिका के खर्च की जानकारी दी गई है। इनमें मिसाइलों को रोकने वाली उन्नत मिसाइलों के भंडार में कमी की जानकारी भी है। अमेरिकी विमानों, सैन्य टिकाओं और राजनयिक ठिकानों को हुए नुकसान का भी जिक्र है। गैर-दलीय कांग्रेस बजट कार्यालय यानी सीबीओ ने मंगलवार को एक रिपोर्ट जारी की।

बढ़ते युद्धों और हिंसक टकरावों के बीच शान्ति में निवेश की पुकार

जिनेवा, एंजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस ने दुनिया भर में बढ़ती हिंसा, विभाजन और हिंसक टकरावों के बीच विश्व नेताओं से शान्ति में निवेश बढ़ाने की अपील की है. यूएन महासचिव एंतोनियो गुटेरेस ने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय परिसर में जापानी शान्ति की घंटी बजाने के वार्षिक समारोह को सम्बोधित करते हुए यह सन्देश दिया.उन्होंने कहा, ‘हर साल शान्ति घंटी की गूँज हमें हमारी सबसे अहम जिम्मेदारी की याद दिलाती है- शान्ति स्थापना की. ‘शान्ति पर संकटउन्होंने जोर देकर कहा कि ‘शान्ति अपने आप हासिल होती है. लेकिन मौजूदा दौर में शान्ति के प्रयास कमजोर पड़ रहे हैं.उन्होंने कहा, ‘हिंसा और विभाजन समुदायों को तोड़ रहे हैं. हिंसक टकराव फैल रहे हैं और गहरे होते जा रहे हैं. लोग पीड़ा झेल रहे हैं, लेकिन समाधान के लिए जरूरी संवाद और एकजुटता नदारद है. ‘ महासचिव की यह अपील 21 सितम्बर को मनाए जाने वाले अन्तरराष्ट्रीय शान्ति दिवस से पहले आई है. इस वर्ष इसकी थीम है - ‘शान्ति में निवेश: सर्वजन के लिए, हर जगह, हर दिन.’ आमजन दिखा रहे हैं राहउन्होंने दुनिया भर के स्वयंसेवकों, पैरोकारों, नागरिक समाज के नेताओं, शान्तिरक्षकों और शान्ति के लिए काम कर रहे लोगों का उल्लेख किया, जो इस थीम को जमीनी स्तर पर साकार कर रहे



हैं.उन्होंने कहा, ‘जहाँ सरकारें शान्ति कायम करने में विफल हो रही हैं, वहाँ लोग अपनी आवाज़ उठाकर, दूरियों कम करके और समुदायों को फिर से जोड़कर एक अलग रास्ता दिखा रहे हैं. ‘महासचिव ने आने वाले हफ्तों में संयुक्त राष्ट्र में जुटने वाले विश्व नेताओं से इन लोगों से प्रेरणा लेने और स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण व सामाजिक सुरक्षा में निवेश बढ़ाने की अपील की. साथ ही उन्होंने ऐसी संस्थाएँ और व्यवस्थाएँ मजबूत करने पर जोर दिया, जिन पर लोग भरोसा कर सकें.एकजुटता, कार्रवाई और निवेशउन्होंने कहा कि नेताओं को मानवाधिकारों और मानवीय गरिमा की रक्षा करनी होगी.

साथ ही, कूटनीति, संवाद, वार्ता और शान्तिरक्षा जैसे ‘शान्ति के कारगर साधनों’ के प्रति फिर से प्रतिबद्ध होकर युद्धों एवं हिंसक टकरावों को समाप्त करना होगा.महासचिव ने कहा, ‘आज मैं विश्व नेताओं से हमारे साथ खड़े होने की अपील करता हूँ - कार्रवाई करें, समाधानों में निवेश करें और स्थाई शान्ति स्थापित करने के लिए हर सम्भव प्रयास करें।

एच-1बी वीजा पर सख्ती: वेंस बोले- अमेरिकियों की नौकरियां नहीं छिनेंगी; काम के लिए देने होंगे एक करोड़ रुपये



सकते हैं ताकि यह पक्का किया जा सके कि अगर कोई टेक कंपनी एच-1बी वीजा हासिल करने की कोशिश करे, तो वह व्यक्ति सच में जीनियस हो।’

इस पहल के मकसद को लेकर क्या बोले : इस पहल के मुख्य मकसद के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा, ‘यह ऐसा व्यक्ति होगा, जो टेक इकोसिस्टम या अमेरिकी अर्थव्यवस्था को काफी बेहतर बनाएगा। आप जानते हैं, अगर सिर्फ 60,000 डॉलर कमाने वाले एक अकाउंटेंट की

जगह 45,000 डॉलर सालाना कमाने वाले कम वेतन वाले विदेशी अकाउंटेंट को नहीं रख रहे हैं। यह प्रोग्राम इस मकसद के लिए नहीं है। शुरू किए जा रहे खास वित्तीय और सुरक्षा उपायों पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, ‘इसलिए हमने 100,000 डॉलर का जुर्माना लगाने का विचार किया है। हम ऐसे तरीकों पर भी विचार कर रहे हैं जिनसे एच-1 बी वीजा का इस्तेमाल करने वाली कंपनियों को बड़ी संख्या में अमेरिकी कर्मचारियों की छंटनी करने से रोका जा सके। तो आप जानते हैं, मुझे इस बारे में एक बात बहुत ह्यान करने वाली लगती है कि कोई कंपनी एच-1बी के लिए अप्लाई करती है और कहती है, ‘अरे, हमें कर्मचारियों की बहुत जरूरत है।’ कंपनियों की भर्ती प्रक्रियाओं में मौजूद विरोधाभासों को उजागर करते हुए वेंस ने कहा, ‘हमें

कर्मचारी नहीं मिल रहे हैं। और फिर आप उनके इतिहास पर नजर डालें तो पता चलता है कि उन्होंने 5,000 लोगों को नौकरी से निकाल दिया है। यह तो अजीब बात है।’ प्रशासन के कार्यबल विस्थापन पर रुख स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा, ‘अगर आप अमेरिकी कर्मचारियों को निकाल रहे हैं, तो आपको उनकी जगह विदेशी कर्मचारियों की तलाश में बाजार नहीं जाना चाहिए। इसलिए हम कानूनी रूप से अनुमत सीमाओं के भीतर ही काम कर रहे हैं। इसमें से कुछ मामलों में हम पर मुकदमे भी हुए हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मूल रूप से हम कानून और नीति दोनों के मामले में सही हैं। वीजा ढांचे के मूल उद्देश्य को दोहराते हुए उन्होंने कहा, ‘एच-1बी वीजा का उद्देश्य अमेरिकी कामगारों को कम वेतन वाले विदेशी कामगारों से बदलना नहीं होना चाहिए।

एफबीआई की नौकरी के नियम बदले?: सीनेट में उठे सवाल, काश पटेल ने पीड़ितों का दिया हवाला

वाशिंगटन, एंजेंसी। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) निदेशक काश पटेल ने मंगलवार को एफबीआई के नौकरी से जुड़े नियमों में बदलाव का बचाव किया। ये बदलाव वेर्यावृत्ति और पशुओं के साथ यौन संबंध से जुड़े मामलों को लेकर किए गए हैं। पटेल ने कहा कि इन बदलावों का मकसद पीड़ितों की मदद करना है। ऐसे लोग भी एफबीआई में नौकरी के लिए आवेदन कर सकें: उन्हें अपने पुराने अनुभव की वजह से अपने आप नौकरी के लिए अयोग्य न माना जाए। एफबीआई ने इस साल वसंत में चुचुचाप अपने नियम बदले थे। पहले वेर्यावृत्ति में शामिल रह चुके लोगों पर नौकरी को लेकर पूरी रोक थी। ऐसे लोग एफबीआई में नौकरी के लिए अयोग्य माने जाते थे। अब यह रोक हटा दी गई है। कुछ मामलों में एफबीआई अब पूरे मामले की परिस्थितियों को देखगा। ब्यूरो ने पशुओं के साथ यौन संबंध से जुड़े मामलों में भी ऐसा ही बदलाव किया है।

काश पटेल ने नियम बदलने की वजह क्या बताई : सीनेट की न्यायपालिका समिति की सुनवाई में पटेल से इन बदलावों के बारे में सवाल पूछे गए। पटेल ने कहा कि इससे नौकरी के मानक कम नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि बदलाव का मकसद पीड़ितों की रक्षा करना है। कुछ लोगों को जबरन ऐसे कामों में शामिल किया गया था। कुछ लोग मानव तस्करी के शिकार हुए थे। ऐसे लोगों को सिर्फ उनके साथ हुई घटना की वजह से नौकरी के लिए अपने आप अयोग्य नहीं ठहराया जाना चाहिए। पटेल ने कहा कि एफबीआई पशुओं के साथ यौन संबंध के पीड़ितों को सजा नहीं देना चाहता था। उन्होंने मानव तस्करी के



पीड़ितों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एफबीआई नहीं चाहता था कि ऐसे मामले अपने आप नौकरी से अयोग्य होने की वजह बन जाएं। जॉन कैनेडी ने क्यों उठाए सवाल : पटेल के जवाब से रिपब्लिकन सीनेटर जॉन कैनेडी संतुष्ट नहीं हुए। कैनेडी लुइसियाना से सीनेटर हैं। उन्होंने पटेल से इस बदलाव के पीछे की वजह पूछी। पटेल ने बताया कि यह सुझाव उनके अधीन काम करने वाले अधिकारियों ने दिया था। कैनेडी ने इस पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि पशुओं के साथ यौन संबंध से जुड़े नियम में बदलाव का सुझाव देने वाले व्यक्ति से पटेल ने ऐसा क्यों नहीं कहा कि वह किस ग्रह से आया है। पटेल ने जवाब दिया कि शुरुआत में उनकी प्रतिक्रिया भी कुछ ऐसी ही थी। लेकिन बाद में उन्होंने इसे पीड़ितों की मदद करने का एक तरीका माना। रिपब्लिकन पार्टी के नेतृत्व वाली समिति सुनवाई में पटेल के काम पर ध्यान देना चाहती थी। इसमें हिंसक अपराध से लड़ना शामिल था। इस की तस्करी रोकना भी इसमें शामिल था।

द्वारका एक्सप्रेसवे पर तेज रफतार कार ने चार लोगों को कुचला, दो की मौत, दो गंभीर

गुरुग्राम(एजेंसी)। हरियाणा के गुरुग्राम में बुधवार देर रात द्वारका एक्सप्रेसवे पर एक कार ने चार लोगों को कुचल दिया। इस घटना में दो की मौत हो गई, जबकि दो अन्य की हालत गंभीर है। घायलों निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुरुग्राम पुलिस ने गुरुवार को बताया कि न्यू पालम विहार में द्वारका एक्सप्रेसवे पर बुधवार रात करीब 2-30 बजे हादसा हुआ। दिल्ली की तरफ से आ रही तेज रफतार कार ने एक्सप्रेसवे पर शिल लगा रहे चार लोगों को टक्कर मार दी। घायलों में से दो की मौत हो गई, जबकि दो की हालत गंभीर है। मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले, हरियाणा के कर्नाल में नेशनल हाईवे पर बसताड़ा टोल प्लाजा के पास सड़क दुर्घटना में पिता-पुत्र की मौत हो गई। सब इंस्पेक्टर ने बताया कि सभी लोग कर्नाल की तरफ जा रहे थे। ये लोग बाइक पर सवार थे, जिन्हें कार ने टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान मोहम्मद अशं और मोहम्मद जफर के रूप में हुई। मृतकों के एक रिश्तेदार ने बताया कि वह मेरठ के रहने वाले थे। यहां मजदूरी करते थे। उन्होंने बताया कि बेटे की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी, जबकि पिता ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि गुप में फोटो शेयर हुए थे, जहां से हमने मृतकों की पहचान की, जिस गाड़ी ने टक्कर मारी थी, पुलिस ने उसे जब्त कर लिया। अभी तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

कर्नाटक के भटकल में गणेश विसर्जन जुलूस पर पथराव, मरिजद-मदरसे को निशाना

भटकल (एजेंसी)। (ईएमएस)। कर्नाटक के भटकल में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान पथराव से इलाके में तनाव फैल गया है। यह घटना तालांद से शुरू हुए जुलूस के रेलवे स्टेशन रॉड स्थित इस्माइल सुजी जामिया मरिजद और ताजुल सुन्ना अरबी मदरसे के पास पहुंचने पर हुई। अज्ञात असामाजिक तत्वों पर इन धार्मिक स्थलों पर पथर फेंकने का आरोप है। जानकारी के मुताबिक, गुल्मी रेलवे ब्रिज पार करने के बाद जुलूस जैसे ही मरिजद और मदरसे के करीब पहुंचा, अचानक पथराव शुरू हुआ। इस हमले में मरिजद और मदरसे की िड़कियों के शीशे टूट गए, जिससे एक समुदाय में भारी आक्रोश देशा गया। बड़ी संख्या में लोग आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर देर रात भटकल टाउन थाने के बाहर जमा होकर बराहदर प्रदर्शन करने लगे। अब्दुल अलीम और शाहुल अमीन गाइड की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। स्थिति की गंभीरता को देखकर उत्तर कन्नड़ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) वीपन स्वयं भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को शांत करके निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया। एसपी दीपन ने लोगों से सहयोग की अपील कर कहा कि पुलिस अपनी जांच जल्द शुरू करेगी और जिसने भी यह गलत काम किया है, उस पर निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरे भटकल में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और चरमपंदाियों की मदद से पथराव करने वाले आरोपियों की पहचान करने में जुटी है।

लखनऊ में रिकवरी एजेंटों का आतंक ! पिस्टल की नोक पर परिवार से छीनी कार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में फाइनेंस रिकवरी एजेंटों की दबंगई और गुंडई के मामले थम नहीं रहे हैं। ताजा मामला पीजीआई थाना क्षेत्र का है, जहां बीमार बच्चे का इलाज कराने पहुंचे एक परिवार को अज्ञात रिकवरी एजेंटों ने बीच सड़क पर बंधक बना लिया। पीडित जुबैर खान ने आरोप लगाया है कि एजेंटों ने उनकी कमर पर पिस्टल सटाकर परिवार को जबरन गाड़ी से नीचे उतारा और कार लूटकर फरार हो गए। जुबैर खान के मुताबिक, वे अपने बीमार बच्चे को दिखाने अस्पताल गए थे। ओपीडी में समय होने के कारण वे बाहरी को बहक कुछ खिलाने निकले, तभी कुछ लोगों ने गाड़ी रोककर दो-तीन किश्ते बकाया होने की बात कह दी। पीडित द्वारा भाई से फोन पर बात करने के बावजूद आरोपी उन्हें रिसीविंग देने के बहाने आगे ले जाने लगे। जब उन्होंने गाड़ी रोकी, तब करीब 12 अज्ञात लोगों ने उनकी कार को घेरा और पिस्टल की नोक पर धमकाते हुए पत्नी और मासूम बच्चों सहित उन्हें बीच सड़क पर उतार दिया।

आदित्य ठाकरे को 500 करोड़ का मानहानि नोटिस

मुंबई(एजेंसी)। दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान ने शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री एनसीपी(एसपी) नेता अनिल देशमुख को 500 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस भेजा है। बार एंड बैच के मुताबिक, नोटिस में दोनों नेताओं से उनके बयानों को वापस लेने, सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और 500 करोड़ का हर्जाना देने की मांग की गई है। दोनों को इसके लिए 7 दिन का समय दिया गया है। आदित्य ठाकरे ने जांच में उनका नाम आने पर कहा था कि ये राजनीति से प्रेरित है। वहीं, अनिल देशमुख ने कहा था कि आदित्य को बदनाम किया जा रहा है।

यूसीसी के नाम पर नीतीश को भगवामय करने की तैयारी में राजद !

पटना, एजेंसी। बिहार की सियासत में फिर यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लेकर सरगमीं तेज हो गई है। जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने एक बड़ी सियासी चाल चली है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, आरजेडी यूसीसी के मुद्दे पर नीतीश को लगातार कठघरे में खड़ा कर रही है और उन पर बीजेपी के दबाव में होने का आरोप लगा रही है। आरजेडी का मुख्य मकसद नीतीश के सेक्युलर छवि के आवरण को हटाकर उन्हें राजनीतिक रूप से भगवामय साबित करना है, ताकि मुस्लिम मतदाताओं का पूरी तरह से ध्रुवीकरण उनकी अपनी पार्टी के पक्ष में हो जाएं।

भले ही अभी तक यूसीसी का कोई आधिकारिक ड्राफ्ट सामने नहीं आया है, लेकिन आरजेडी ने मुद्दे पर आक्रामक तेवर



अपना लिए हैं। पार्टी नेताओं, जैसे भाई वीरेंद्र के बयानों का लब्बोलुआब यही रहा है कि यदि नीतीश वास्तव में धर्मनिरपेक्ष हैं, तब उन्हें सरकार से समर्थन वापस लेकर राज्य में

महागठबंधन की सरकार बनानी चाहिए। आरजेडी अच्छे तरह जानती है कि जेडीयू विधायक दल में टूट की संभावना फिलहाल नहीं है, लेकिन इस बहस के जरिए वे

मनोज जरांगे ने खत्म की भूख हड़ताल, दिया 90 दिन का अल्टीमेटम

मुंबई, एजेंसी। किराई में एक भी किराई कम नहीं होना चाहिए। उन्होंने इन रिकॉर्डों के आधार पर प्रमाणपत्र और उनकी वैधता देने के लिए एक लिखित गारंटी और समयबद्ध कार्यक्रम की मांग की। जगमो पाटिल ने यह भी कहा कि वे रिकॉर्ड खोजने के काम में अपने लोगों को भी लगाने के लिए तैयार हैं, और आरोप लगाया कि शिंदे समिति तथा सरकार इस मामले पर ठीक से ध्यान नहीं दे रही हैं। सरकार की ओर से भी कई आश्वासन दिए गए। मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने कहा कि डॉक्टरी ने जगमो पाटिल की बिगड़ती सातारा, कोल्हापुर, पुणे और औंध के सेहत पर चिंता जताई थी और कहा था कि अगर जल्द इलाज नहीं हुआ तो स्थिति गंभीर हो सकती है। इसी बीच, जारी कर लागू किया जाएगा। इसके बाद मराठा मुंबई मार्च को भी सशोधित जीआर लाने और इन पाटोदा पहुंचे, जहां यह महत्वपूर्ण बैठक प्रमाणपत्रों को वैधता देने की प्रक्रिया हुई। इस बैठक में मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल, मंत्री दादा भुसे, विधायक प्रसाद लाड, विधायक सुरेश धस और बीड के जिला कलेक्टर सहित कई वरिष्ठ कम नहीं किए जाएंगे। साथ ही, अधिकारी मौजूद थे। बैठक के बाद मराठावाड़ा के चार जनप्रतिनिधियों के रद्द पत्रकारों से बात करते हुए जगमो पाटिल किए गए कुनबी प्रमाणपत्रों को वैध करने ने अपनी प्रमुख मांग दोहराई। उन्होंने कहा

हमें अमेरिकन पुलिस की तरह काम करना होगा: किरण बेदी



किरण बेदी ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी हरकतें होती रही हैं और होती रहेंगी, जब तक कि हम डर को नहीं बढ़ाते। उन्होंने कहा कि इन लोगों में डर की कमी है, और हमें यह डर पैदा करना पड़ेगा। लेकिन सवाल यह है कि डर पैदा कैसे करें? बेदी के अनुसार, हमें ऐसे लोगों को पकड़ने की संभावनाओं को बढ़ाना होगा, जिसका मतलब है कि अब हमें तकनीक का अधिक उपयोग करना पड़ेगा। जैसे आजकल कैमरे हमें अपराधों को सुलझाने में मदद कर रहे हैं। अभी सामान्य अपराध के लिए ट्रैफिक पुलिस कैमरे का उपयोग कर

रही है, नंबर नोट करती है और घर पर ई-चालान आ रहा है। लोगों को डर हो रहा है कि कैमरा पकड़ लेगा। हाइवे पर स्पीड की समस्या है, हमें यहां भी कैमरे लगाने होंगे। किरण बेदी ने बताया कि अमेरिकन पुलिस यही करती है; उनके पास इंटरसेप्टर्स होते हैं जो पीछे से आते हैं और पता भी नहीं चलता। वे तुरंत हथकड़ी लगाते हैं ताकि अपराधी कोई हरकत न कर पाए। उसके बाद उसकी गाड़ी, उसकी चाबी, उसका लाइसेंस सब ले जाते हैं। फिर पूछते हैं कि अब बताओ, तुम कैसे कर रहे हो ये हरकत? उन्होंने कहा कि जब तक हम डर नहीं बढ़ाएंगे, ऐसी हरकतें होती रहेंगी। ये उरे हुए नहीं हैं, इसीलिए तो अपनी मममजी करते हैं। गुरुग्राम वाले मामले में एक बात तो साफ है कि वह आदमी औरत को बर्दाश्त नहीं कर सका। उसे पसंद नहीं आया कि एक औरत उसके साथ बराबरी करे, उसे लगा मैं आदमी हूं, तू कौन है। यहां मानसिकता वाली बात है। उसे लगा कि एक औरत कैसे उसकी बराबरी कर सकती है।

भतीजे-समझी को पार्टी से निकालने के बाद परिवारवाद को लेकर मायावती कंप्यूज?

–पहले भतीजे को बसपा में सेट करने में लगी रही, अब भतीजी की कराना चाहती हैं एंट्री

नई दिल्ली,, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रिमी मायावती ने भतीजे आकाश आनंद और समथी अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकालने के बाद राजनीति में परिवारवाद पर बड़े दावे किए हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह सोशल मीडिया पर दावा किया कि वह बसपा संस्थापक कांशीराम की तरह परिवारवाद के खिलाफ हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह कांशीराम की शिष्या होने के नाते परिवारवाद पर उनकी तरह ही डटी हुई हैं। गौरतलब है कि 2024 के लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को बीएसपी में लेकर आईं। आकाश को पार्टी में नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया गया।

इसके साथ ही पार्टी को मैसैज चला गया कि मायावती बसपा की कमान आकाश आनंद को ही सौंपेंगी। हालांकि उन्हें लोकसभा चुनाव में ही पार्टी की बड़ी जिम्मेदारियों से हटा दिया गया। 2026 अगस्त में एक बार फिर से यूपी चुनाव के लिए वे दखते हुए आकाश आनंद को लॉन्च किया गया, लेकिन उनकी दो रैलियों के बाद ही उन्हें पार्टी से पूरी तरह बाहर कर दिया गया। इससे मैसैज मिलता है कि मायावती अपने भतीजे आकाश को पार्टी में सेट करने का प्रयास करती रहीं, लेकिन अब जब वह उन्हें बाहर कर चुकी हैं, तो पार्टी में परिवारवाद नहीं होने की बात कह रही हैं। मायावती एक तरफ जहां कहा है कि उनके छोटे भाई आनंद कुमार के दोनों

बेटों आकाश आनंद और ईशान आनंद को अब बीएसपी में कोई भी पद नहीं दिया जाएगा। वहीं दूसरी तरफ मायावती यह भी कह रही हैं कि आनंद कुमार चाहे तो अपनी इकलौती बेटी कुमारी दीपिका आनंद को पार्टी में जिम्मेवारी सौंप सकते हैं। हालांकि वह यह भी कह रही हैं कि लॉ की पढ़ाई कर रहीं दीपिका की ईमानदारी की परख की जाएगी। मायावती खुद के महिला होने की बात को आगे कर परिवारवाद पर रियायत मांग रही हैं। कह रही हैं कि उन्होंने शादी नहीं की इसलिए उन्होंने अपने छोटे भाई आनंद कुमार को अपने साथ रखा, जो कि उनकी देखभाल के साथ पार्टी का भी काम देखते हैं। अब सवाल यह उठता है कि जब मायावती जैसी ताकतवर नेता खुद स्वीकार कर रही हैं

तो सवाल यह है कि वह फिर किस हैसियत से नारियों को आत्मनिर्भर बनने का संदेश दे पाएंगी। एक सवाल यह भी उठता है कि अगर मायावती परिवारवाद के खिलाफ रहीं तो उन्होंने भतीजे आकाश आनंद की शादी के लिए पार्टी के सांसद अशोक सिद्धार्थ की बेटी को क्यों चुना। हाल ही में यूपी बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह का असामयिक निधन हो गया था। उनके अंतिम दर्शन करने पहुंची मायावती ने कहा था कि उनके इकलौते बेटे को राजनीत में लॉन्च करेंगी। इसके बाद लखनऊ में हुई बैठक में उमाशंकर सिंह के बेटे प्रिंस युकेश अग्रिम पॉक में बैठे दिखे। अब सवाल उठता है कि जब मायावती पार्टी में किसी भी स्तर पर परिवारवाद के खिलाफ हैं तो भला वह प्रिंस युकेश को किस हैसियत से चुनाव

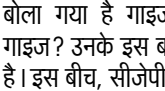


में टिकट देने का मन बना रही हैं, जबकि युकेश अब तक किसी भी राजनीतिक कार्यों में खास सक्रिय नहीं रहे हैं। परिवारवाद को लेकर मायावती के इन फैसलों को देखने के बाद कई तरह के सवाल उठ रहे हैं, जो मायावती पिछले दो साल से भतीजे को पार्टी की कमान सौंपने की पूरी प्लानिंग कर रही थीं, उन्हें

अचानक से कांशीराम के सिद्धांत कहां से याद आ गए। अगर वाकई वह परिवारवाद के खिलाफ हैं तो उनके भाई आनंद कुमार अभी भी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैसे हैं। इसके अलावा मायावती की भतीजी कुमारी दीपिका को पार्टी में अभी से लाने की इजाजत अभी से क्यों दे रहे हैं।

पीएम के जन्मदिन पर सीजेपी ने कहा- स्कूल ठीक करो...

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी), जो हाल ही में दिल्ली में हुए प्रदर्शनों के बाद से लगातार चर्चा में है, ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर एक महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया दी है। सीजेपी नेता आशुतोष रांका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से जन्मदिन पर दीया जलाने के अभियान पर सवाल उठाया है। रांका ने अपनी पोस्ट में लिखा, बताओ कल देशभर के कॉलेज को सुबह सुबह आशीर्वाद का दिया जलाने के लिए क्यों



बोला गया है गाइज? बताओ कल किसका जन्मदिन है गाइज? उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है। इस बीच, सीजेपी अपने स्कूल ठीक करो अभियान को भी गति दे रही है। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारत में आदिवासी स्कूलों को पिछले 80 वर्षों से सरकार की उपेक्षा का सामना करना पड़ा है। इस मुद्दे को उजागर करने के लिए, सीजेपी 17 सितंबर से महाराष्ट्र के गढ़चिरोली से अपने 'आदिवासी स्कूल ठीक करो' अभियान की शुरुआत करेगी।इसका उद्देश्य आदिवासी विद्यार्थियों के सामने आने वाली समस्याओं और भेदभाव की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना है। यह अभियान सीजेपी के व्यापक स्कूल ठीक करो मुहिम का हिस्सा है, जिसे एक महीने पहले ग्रामीण और शहरी सरकारी स्कूलों की स्थिति सुधारने के लिए शुरू किया गया था। इस पहल के तहत, सीजेपी प्रतिनिधि स्कूलों का दौरा कर बुनियादी सुविधाओं और बुनियादी ढांचे का निरीक्षण करेंगे।

महाराष्ट्र के आदिवासी छात्रावासों में यौन शोषण का आरोप

छात्राओं ने प्रेनंसी टेस्ट की भी शिकायत की

नागपुर, एजेंसी।

महाराष्ट्र के नागपुर में कोंकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आदिवासी छात्र-छात्राओं से बातचीत की। इस दौरान छात्राओं ने आदिवासी छात्रावासों से जुड़ी कई गंभीर पेशानियां बताईं, जिसमें यौन शोषण की शिकायतें भी शामिल हैं। छात्राओं ने कई मामलों में जबरन प्रेनंसी टेस्ट कराए जाने का भी आरोप लगाया है। अभिजीत दीपके 17 सितंबर से आदिवासी स्कूलों का दौरा करने की एक नई मुहिम शुरू कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने बुधवार को आदिवासी छात्राओं से भी बात की, जिन्होंने खुलकर अपनी पेशानियां बताईं। कई छात्राओं ने बताया कि अधिकांश आदिवासी आश्रम स्कूलों में बच्चियों के साथ यौन शोषण हो रहा है।

नवोदय विद्यालयों की स्थापना को लेकर विवाद, सुप्रीम कोर्ट बोला-हिंदी को लेकर सोच बदलनी होगी

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को तमिलनाडु सरकार से कहा कि हिंदी को लेकर आपको अपनी सोच बदलने की जरूरत है। जस्टिस बीवी नागरला और जस्टिस ऑगस्टीन-जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि तमिलनाडु की धरती पर हिंदी नहीं पढ़ाई जाएगी। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान चेन्नई और दिल्ली को एक-दूसरे से अलग-थलग करने की सोच पर भी सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि चेन्नई में बैठे लोगों को दिल्ली में बैठे लोगों से अलग नहीं होना चाहिए और न ही दिल्ली को चेन्नई से। पूरा मामला तमिलनाडु में नवोदय विद्यालय खोलने को लेकर है। ये केंद्र सरकार की मदद से चलने वाले स्कूल हैं। यहां लड़कें और लड़कियां दोनों पढ़ते हैं और छात्रों के रहने की भी व्यवस्था होती है। इन स्कूलों को नवोदय विद्यालय समिति चलाती है। यह केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के तहत काम करती है। रां या सरकार इन स्कूलों को खोलने का विरोध करती रही है। इसकी मुख्य वजह स्कूलों में पढ़ाई जाने वाली भाषाएं हैं। नवोदय विद्यालयों में तीन भाषाएं पढ़ाई जाती हैं। इनमें हिंदी भी शामिल है।

विश्वकर्मा दिवस पर पुलिस लाइन में विधि-विधान से अस्त्र-शस्त्र और उपकरणों की पूजा

हरिद्वार (एजेंसी)।

भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर बुधवार को पुलिस लाइन रोशनाबाद स्थित क्वार्टर गार्द में पुलिस परिवार एकत्रित हुआ। यहां पुलिस अधीक्षक अपराध एवं यातायात निशा यादव ने जनपद के अन्य पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के बीच भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की। इस दौरान पुलिस विभाग में उपयोग किए जाने वाले अस्त्र-शस्त्र, औजार, मशीनों, उपकरणों और अन्य सामान की भी विधिवत पूजा की गई। पूजा के बाद अधिकारियों ने जनपद में सुख, शांति और समृद्धि की मालकामना की। कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी सदर/लाइन कांस्टीबल, क्षेत्राधिकारी ज्वालापुर संजय चौहान, क्षेत्राधिकारी यातायात विपेंद्र सिंह, प्रतिस्ार निरीक्षक प्रवीण



आलोक सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने भगवान विश्वकर्मा के महत्व को स्मरण करते हुए विभागीय कार्यों में उपयोग होने वाले उपकरणों की देखभाल और रखरखाव पर भी ध्यान देने का संदेश दिया।

विश्वकर्मा दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन के साथ-साथ जनपद के सभी थाना कार्यालयों में भी

धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। संबंधित पुलिसकर्मियों ने भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना कर अस्त्र-शस्त्र, औजार और विभिन्न उपकरणों के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। पुलिस कर्मियों ने पूजा-अर्चना के दौरान जनपद में शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा सभी के सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर पुलिस परिवार में धार्मिक एवं भक्तिमय वातावरण बना रहा।

संक्षिप्त

समाचार

जज अमोघ कलोती के पास है टाटा विवाद की चाबी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप में कोहराम मचा हुआ है। 125 अरब डॉलर के इस ग्रुप पर कंट्रोल को लेकर ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस और उसके सबसे बड़े शेयरहोल्डर टाटा ट्रस्ट्स आमने-सामने हैं। टाटा ग्रुप के इस विवाद की चाबी महाराष्ट्र के चैरिटी कमिश्नर अमोघ कलोती के पास है। कलोती ने ही मई 2026 में वेणु श्रीनिवासन की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए सर रतन टाटा ट्रस्ट को बोर्ड मीटिंग करने से रोका और उन ट्रस्टों के कामकाज की जांच का आदेश दिया। टाटा ट्रस्ट्स की टाटा संस में 66.4 प्रतिशत हिस्सेदारी है। टीओआई की



एक रिपोर्ट के मुताबिक अमोघ कलोती कानून और न्याय विभाग के तहत काम करते हैं। महाराष्ट्र के कानूनी हलकों के बाहर शायद ही किसी को उनके बारे में पता था। वह फरवरी 2024 में महाराष्ट्र के चैरिटी कमिश्नर नियुक्त किए गए और लो प्रोफाइल वाले जिला जज अब देश की सबसे हाई-प्रोफाइल कॉर्पोरेट लड़ाई में शामिल हो गए हैं। पेशे से वकील और अब नौकरशाह के तौर पर काम कर रहे 50 वर्षीय कलोती अमरावती के रहने वाले हैं। उन्होंने अपनी पढ़ाई अमरावती से पूरी की और जिला एवं सत्र न्यायालय में वकील के तौर पर प्रैक्टिस की। वकील और जज दोनों ही भूमिकाओं में उन्हें शांत स्वभाव का, सोच-समझकर बोलने वाला और नियमों का सख्ती से पालन करने वाला माना जाता था। कलोती को 2013 में जिला और सहायक सत्र न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। उन्होंने बुलढाणा में जिला न्यायाधीश, मुंबई में सिटी सिविल और सत्र न्यायालय और छत्रपति संभाजीनगर में सत्र न्यायालय में काम किया। उन्हें वाशिम में प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश के रूप में तैनात किया गया था। कलोती ने के कॉल और टेक्स्ट संदेशों का जवाब नहीं दिया।

पैसे लगानेकी होड़, सिर्फ 6 महीनेमें 30 प्रतिशत तक का बंपर रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बीच घरेलू शेयर बाजार ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। इस दौरान लोगों ने अपना रुख म्यूचुअल फंड की ओर की है। हाल ही में एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया यानी कि अगस्त 2026 के लिए आए डेटा ने एक बड़ी जानकारी दी थी। आंकड़ों में बताया गया था कि अगस्त में म्यूचुअल फंड की 11 सब-कैटेगरी में से सबसे अधिक पैसा 7973 करोड़ रुपये में लगाया गया है। मतलब कि इसमें पैसे लगाने के लिए निवेशकों की होड़ देखी गई। इन आंकड़ों के बाद से निवेशकों की नजर स्मॉल कैप फंड्स की एसआईपी पर ज्यादा दिख रही है। इस बीच हम यहां कुल 4 ऐसे इक्विटी स्मॉल कैप फंड्स की बात कर रहे हैं, जिन्होंने सिर्फ 6 महीने में 20 फीसदी से लेकर के 30 फीसदी तक का रिटर्न दिया है। आइए इनके बारे में जानते हैं। सबसे पहले बंधन स्मॉल कैप फंड की बात करेंगे। यह इक्विटी स्मॉल कैप का म्यूचुअल फंड है। आंकड़ों के अनुसार, इसने बीते 6 महीने में अपने पात्र निवेशकों को 23.7 फीसदी का रिटर्न दिया है। अब बात इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप की। इसने बीते 6 महीने में अपने निवेशकों को 25 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं, निरपोन इंडिया स्मॉल कैप ने बीते 6 महीने में 20.3 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। अब बात व्हाट स्मॉल कैप फंड की। इसने अपने पात्र निवेशकों की बंपर कमाई कराई है। बीते 6 महीने में व्हाट स्मॉल कैप से निवेशकों को 30.6 प्रतिशत का बंपर रिटर्न मिला है। उदाहरण से समझिए, किसी ने 10 हजार रुपये की हर महीने की एसआईपी 6 महीने तक की है और उसको इसपर 30.6 फीसदी का रिटर्न मिलता है। इस हिसाब से उसका कुल रिटर्न मेथ्योरिटी सहित करीब 65,500 रुपये से अधिक होगा। इसमें उसे 5500 से अधिक का लाभ मिलेगा।

दोस्त का इंटरव्यू दिलाने गए थे, नौकरी खुद को मिल गई

नई दिल्ली, एजेंसी। 3000 रुपये की नौकरी, किडगार्टन का छोटा कमरा और फिर हजारों करोड़ की कंपनी... यह कहानी है पीयूष सोमानी की, जिन्होंने बेहद साधारण शुरुआत के बावजूद टेक्नोलॉजी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई। एक समय पीयूष अपने दोस्त को जॉब का इंटरव्यू दिलाने गए थे, लेकिन खुद को नौकरी मिल गई। बाद में उन्होंने बिजनेस की दुनिया में कदम रखा। उनकी कंपनी हाल ही में शेयर मार्केट में लिस्ट हुई है। इस समय कंपनी का मार्केट कैप 19000 करोड़ रुपये से ज्यादा का हो गया है।



डेटा सेंटर में बड़ा दांव

साल 2008 में सोमानी ने नासिक के सतपुर इंडस्ट्रियल एरिया में करीब एक एकड़ जमीन खरीदी और अपना डेटा सेंटर बनाने का फैसला किया। उस समय यह फैसला काफी बड़ा दांव था। लेकिन 2010 में डेटा सेंटर शुरू हो गया। इसके बाद ने क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा सेंटर, मैनेज्ड सर्विसेज और सरकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने पर फोकस बढ़ाया।

472 करोड़ रुपये पहुंचे रेवेन्यू: कारोबार में पिछले कुछ वर्षों में तेजी आई है। वित्त वर्ष 2026 में कंपनी का ऑपरेशंस से रेवेन्यू 30.7 प्रतिशत बढ़कर 472.2 करोड़ रुपये पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2025 में 361.3 करोड़ रुपये था। इसी अवधि में कंपनी का मुनाफा 55.6 करोड़ रुपये से बढ़कर 120.8

करोड़ रुपये हो गया। शेयर बाजार में लिस्टिंग के बाद कंपनी के मार्केट कैप में भी बड़ा उछाल आया। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक, कंपनी का मार्केट कैप करीब 19,064 करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है। कभी नासिक के एक किंडरगार्टन के छोटे से कमरे में सात दोस्तों के साथ काम शुरू करने वाली इएसडीएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन आज क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा सेंटर और एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के कारोबार में पहुंच चुकी है। वह इस कंपनी के एमडी और चेयरमैन हैं। शेयर बाजार में लिस्टिंग के बाद कंपनी की वैल्यूएशन में भी बड़ा उछाल देखने को मिला है। नासिक के कॉलेज रोड स्थित एक किंडरगार्टन के छोटे से कमरे का शुरुआती ऑफिस बनाया गया। दिन में जहां बच्चों की क्लास चलती थी।

किंडरगार्टन में बना पहला ऑफिस

साल 2004 में जब पीयूष सोमानी ने अपना कारोबार शुरू किया, तब उनके पास न बड़ा ऑफिस था और न ही कोई बड़ा निवेशक। शुरुआत एक कंप्यूटर, बेसिक इंटरनेट कनेक्शन और टेक्नोलॉजी बिजनेस बनाने के भरोसे से हुई।

इसके कुछ समय बाद मैंने दो वाइब्रेंट गुजरात समिट में हिस्सा लिया और एक विकसित, गतिशील और विश्व-स्तरीय राज्य बनाने के लिए उनके जबरदस्त जुनून को देखा। वह चाहते थे कि गुजरात भारत का

कूड ऑयल और गैस निकालने वाली आयल इंडिया अब ‘गोबर गैस’ भी बनाएगी

रही है। इसका ऑफशोर पोर्टफोलियो अब अंडमान, कृष्णा-गोदावरी, महानदी

शेयर का क्या है भावन्न शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स सुबह करीब 300

रुपये पर बंद हुए थे। शुक्रवार की सुबह यह बढ़ कर 478.95 रुपये पर खुले



और केरल-कोंकण बेसिन्स में फैला है। इनमें अल्ट्रा-डीपवाटर ब्लॉक भी शामिल हैं, जहां सतह से 6,000 मीटर नीचे से ऑयल निकाला जाता है।

अंक बढ़ कर खुला था। ऑयल इंडिया के शेयर भी सुबह बढ़ कर खुले थे। लेकिन यह बढ़त बरकरार नहीं रह सकी। गुरुवार को इसके शेयर बीएसई में 477

लेकिन बिकवाली क बीच यह 473.50 रुपये तक टूट गए। दिन में 10:48 बजे यह 2.65 रुपये गिर कर 474.35 रुपये पर ट्रेड हो रहे थे।

यूपीआई पर चार्ज लगाने के पक्ष में आई भारत पे

विपक्षी पार्टियां, व्यापारी संघ और रिटेलर्स इसका विरोध कर रहे हैं



नई दिल्ली, एजेंसी। यूपीआई पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट लगाने के सरकार के फैसले पर घमासान मचा हुआ है। विपक्षी पार्टियां, व्यापारी संघ और रिटेलर्स इसका विरोध कर रहे हैं। हालांकि सरकार ने साफ कर दिया है कि यह फैसला किसी भी सूरत में वापस नहीं लिया जाएगा। सरकार का तर्क है कि यह कोई टेक्स नहीं है, बल्कि यूपीआई इकोसिस्टम को टिकाऊ बनाने का माध्यम है। यह चार्ज केवल मर्चेट्स पर है और ग्राहकों से किसी भी प्रकार का चार्ज नहीं लिया जाएगा।

इस बीच देश की सबसे बड़ी फिनटेक कंपनियों में से एक ने भी नेपाल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के फ्रेमवर्क का समर्थन किया है। कंपनी का कहना है कि इस कदम से एक मजबूत और सस्टेनेबल पेमेंट इकोसिस्टम बनेगा।

क्या होगा फायदा

नलिन नेगी ने कहा, ‘नया फ्रेमवर्क साबित करता है कि ग्राहकों के लिए फ्री बना रहेगा। साथ ही एक सस्टेनेबल, मजबूत और बेहतर पेमेंट इकोसिस्टम भी बनेगा। ग्राहक पेमेंट के लिए कोई चार्ज नहीं देंगे। साथ ही फ्रेमवर्क के तहत छोटे और माइक्रो मर्चेट जीरो के साथ सुरक्षित रहेंगे।’ नेगी ने के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि लगभग 96 प्रतिशत पर्सन-टू-मर्चेट ट्रांजिक्शन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हमेशा से छोटे व्यापारियों का समर्थक रहा है और हम इस नजरिए का पुरजोर समर्थन करते हैं जो उन्हें सुरक्षित रखता है और साथ ही उस इकोसिस्टम को भी मजबूत करता है जिस पर वे निर्भर हैं। नया फ्रेमवर्क साबित करता है कि ग्राहकों के लिए फ्री बना रहेगा। साथ ही एक सस्टेनेबल, मजबूत और बेहतर पेमेंट इकोसिस्टम भी बनेगा। ग्राहक पेमेंट के लिए कोई चार्ज नहीं देंगे।

कंपनी की सफाई

प्रवक्ता ने कहा, ‘गोवर का 2024 से कोई संबंध नहीं है और वे न तो शेयरहोल्डर हैं और न ही किसी भी तरह से कंपनी से जुड़े हैं। इसलिए गोवर के किसी भी बयान या विचार को कंपनी से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। फ्रेमवर्क और डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम पर हमारी राय हमारी मौजूदा लीडरशिप और अधिकृत प्रवक्ताओं द्वारा ही रखी जाती है।’ हालांकि कंपनी के को-फाउंडर और पूर्व सीडओ अशनीर गोवर ने इसकी कड़ी आलोचना करते हुए दावा किया है कि इसका बोझ आखिरकार ग्राहकों पर ही पड़ेगा।

मुख्य रूप से फिजिकल स्टोर वाले व्यापारियों के लिए क्लकोड-आधारित पेमेंट सॉल्यूशन और फाइनेंशियल सर्विसेस पर ध्यान केंद्रित करता है। इसकी स्थापना 2018 में अशनीर गोवर और शाश्वत नकरानी ने की थी। अशनीर गोवर ने 2022 में कंपनी छोड़ दी थी जबकि नकरानी ने भी इसी साल भारतपे के सीओओ पद से इस्तीफा दिया था। अशनीर गोवर ने 2,000 से ज्यादा के ट्रांजिक्शन पर एमडीआर लगाने के फैसले की आलोचना की है। उन्होंने तर्क दिया कि पेमेंट पर लगाए जाने वाले किसी भी शुल्क का साथ तौर पर ‘टैक्स’ कहा जाना चाहिए। हालांकि भारतेपे ने यह साफ किया कि एमडीआर पर गोवर के विचार कंपनी की राय नहीं है। साथ ही फ्रेमवर्क के तहत छोटे और माइक्रो मर्चेट जीरो के साथ सुध्धित रहेंगे।

देश को विकसित अर्थव्यवस्था, हर भारतीय के जीवन को बेहतर बनाना चाहते हैं पीएम

नईदिल्ली, एजेंसी। मुझे लगने लगा था कि भारत का अपना पहला ग्रीन-फील्ड शहर बनाने का सपना शायद ही सच हो पाए। उस समय मैं दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर विकास कॉरपोरेशन का सीईओ था और मुझे भारत के औद्योगिक शहरीकरण के अगले चरण को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। हर मुख्यमंत्री ने हमारे प्रस्ताव को यह कहकर ठुकरा दिया था कि ऐसी परियोजना के लिए 150 वर्ग किमी जमीन तय करना बहुत जोखिम भरा और मुश्किल काम है। फिर मैं गुजरात के सीएम ऑफिस पहुंचा। तत्कालीन सीएम नरेंद्र मोदी ने मेरी बात सुनी, पांच मिनट तक सोचा और फिर बोले, ‘150 वर्ग किमी तो बहुत कम है। सपना देखना है, तो बड़ा देखो।’

उन्होंने 750 वर्ग किमी जमीन देने की पेशकश की। 2009 तक गुजरात सरकार ने विशेष निवेश क्षेत्र एक्ट लागू कर दिया और मास्टर प्लान के साथ धोलेरा की आधिकारिक घोषणा कर दी। उस पहली बातचीत से मुझे उनकी सोच के दायरे का पता चला। वह गुजरात

और समय के साथ पूरे भारत के लिए विकास का एक नया इंजन बनाने की संभावना देख रहे थे। मेरे करियर में मिले वह सबसे दूरदर्शी और भविष्य की सोच रखने



वाले नेताओं में से एक हैं। इसके कुछ समय बाद मैंने दो वाइब्रेंट गुजरात समिट में हिस्सा लिया और एक विकसित, गतिशील और विश्व-स्तरीय राज्य बनाने के लिए उनके जबरदस्त जुनून को देखा। वह चाहते थे कि गुजरात भारत का

सबसे आधुनिक राज्य बने। साल 2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने, तो औद्योगिक नीति और संवर्धन के सचिव के तौर पर मैं उन शुरुआती अधिकारियों में से एक था, जिन्होंने उनके सामने प्रेजेंटेशन दिया। विश्व बैंक की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में भारत को 142वें स्थान पर देखकर वह काफी निराश हुए। उन्होंने हमसे एक ही मिशन पर ध्यान देने को कहा- भारत को अपने नागरिकों और व्यवसायों के लिए ज्यादा आसान, सरल और बेहतर बनाना। इस तरह अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों में कड़ी मेहनत का दौर शुरू हुआ। हमने इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड, जीएसटी पर काम किया और पुराने नियमों, कानूनों, प्रक्रियाओं व अधिनियमों को हटाने पर भी फोकस किया।

आखिरकार, भारत रैंकिंग में 79 स्थान ऊपर आ गया।

इसके कुछ ही वक्त बाद हमने मेक इन इंडिया पर प्रधानमंत्री के सामने कई प्रस्तुतिकरण किए। उन्हें पूरा भरोसा था कि अगर भारत को विनिर्माण के क्षेत्र में आगे बढ़ना है, तो उसे रोजगार पैदा करना होगा, खुशहाली लानी होगी और तेजी से विकास करना होगा। मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर ऑटोमोबाइल, ईवी, दवाओं, रक्षा उपकरण, सोलर मॉड्यूल, टेलिकॉम और इंजीनियरिंग के सामानां तक- आज यह सोच कई क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर विनिर्माण क्षमता के रूप में फैल चुकी है। पीएम मोदी युवा भारतीयों को उद्यमी बनाने के लिए भी उतने ही दृढ़ हैं। जब स्टार्टअप इंडिया अभियान शुरू हुआ, तो भारत में केवल 356 मान्यता प्राप्त स्टार्टअप थे। आज यह संख्या तीन लाख से ज्यादा हो चुकी है।

पीएम मोदी के लिए संभावनाओं की कोई सीमा नहीं। वह तकनीक की गहरी समझ रखने वाले नेताओं में से एक हैं। ऐसी नीतियां बनाने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, जिससे भारतीय उद्यमी आगे बढ़ सकें।

आईफोन 18 की बिक्री शुरू, स्टोर्स पर रात से ही लग गई लाइनें

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी के लेटेस्ट आईफोन 18 और बिक्री आज से शुरू हो गई है। कंपनी के भारत में छह स्टोर हैं। इनमें मुंबई में दो और दिल्ली, नोएडा, बेंगलुरु और पुणे में एक-एक स्टोर



है। कल रात से ही लोग इनके बाहर जुटने शुरू हो गए थे। दुनियाभर में इनकी इतनी डिमांड है कि भारत में आईफोन की दो फैक्ट्रियां चौबीसों घंटे काम कर रही है। हालांकि श्वशद्गढ़ का पहला फोल्डेबल फोन छहूँ-भारत में मुंबई बनाया जा रहा है। दिल्ली, मुंबई, नोएडा और बेंगलुरु में ऐपल के स्टोर्स के बाहर काफी भीड़ देखी गई। एएनआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक कस्टमर हिंशेा पटल ने कहा, ‘मैं नासिक से यहां आया हूं। हम कल रात 10 बजे से लाइन में लगे हुए हैं। मुझे सुबह 8 बजे का पहला स्टॉक मिलता है। इसके बाद, हमें अपना प्रोडक्ट मिल जाएगा। मैं हर साल मोबाइल बदलता हूं। अभी मेरे पास 17 है, और अब मैं 18 लेने जा रहा हूं।’ सूत्रों के मुताबिक भारत में बिकने वाले में से सिर्फ 15 प्रतिशत ही रेंज के होते हैं, इसलिए भारत में इनके प्रोडक्शन का लगभग 80-90 प्रतिशत हिस्सा विदेशों में भेजा जाएगा। यह पहली बार है जब कोई कंज्यूमर या बेस वर्जन लॉन्च नहीं किया है। माना जा रहा है कि अगले साल की पहली तिमाही में 18 आ सकता है। भारत में बिकने वाले में बेस मॉडल की हिस्सेदारी 80-85 प्रतिशत होती है।

सुझाव

फिट लोग जिम में खुद को करते हैं चोटिल



फिट रहने के लिए नियमित रूप से जिम जाना जरूरी है। जिम में बहुत सारे उपकरण होते हैं। जिनका प्रयोग आप करते हैं। कई बार हम यह देखते हैं कि ट्रेडिमल पर चलते हुए, मशीनों का गलत प्रयोग करते हुए, अधिक वजन उठाने, आदि के कारण आप चोटिल हो जाते हैं। लेकिन जो लोग मंझे होते हैं यानी जो नियमित रूप से जिम आते हैं वो ये गलतियां कम करते हैं, फिर भी वो चोटिल हो जाते हैं। इनकी चोट के पीछे मशीन का गलत प्रयोग नहीं होता बल्कि दूसरे कारण भी होते है। जिनके कारण फिट लोग भी खुद को चोटिल कर लेते हैं। इस स्लाइडशो में उनके बारे में जानते हैं।

वॉर्म-अप न करना

जिम के मशीनों का प्रयोग करना जितना जरूरी है। उससे कहीं ज्यादा जरूरी इनके प्रयोग से पहले वार्म-अप करना है। लेकिन लोग जिम जाकर सीधे मशीनों का प्रयोग करने लगते हैं और चोटिल होते हैं। दरअसल वर्कआउट से पहले स्ट्रेंचिंग या वार्म-अप करने से आपकी मांसपेशियां जिम के लिए तैयार हो जाती हैं। वार्म-अप से जोड़ों के अंदर मौजूद लुब्रिकेंट सक्रिय हो जाता है और जोड़ लचीले हो जाते हैं। जिम में चोटिल होने के पीछे आपका बहुत अधिक उत्साहित हो जाना भी है। आप जल्दी से अपने एक्स पैक बनाना चाहते हैं, इसलिए आप एक पाउंड वजन से शुरूआत करते हैं और दो-तीन राउंड के बाद इसे बढ़ाते जाते हैं। जबकि इसके लिए आपको कुछ सप्ताह या महीनों का इंतजार करना चाहिए।

सही तरीके से नहीं करते

वर्कआउट के दौरान अक्सर आपको लगता है कि अब एक ही राउंड बचा है या फिर एक ही एक्सरसाइज बची है क्यों न एवें हो कर लिया जाये, गलती यहीं होती है। स्वाट करने के लिए अगर आगे की तरफ सही से न झुका जाये तो कमर में खिंचाव की समस्या हो सकती है। यानी एक छोटी सी गलती आपको चोटिल कर सकती है। जिम में प्रत्येक वर्कआउट के लिए नियम होते हैं, और उनकी अनदेखी करने से चोट लगना स्वाभाविक है। इसके अलावा जिम के लिए एक निश्चित समय होता है और उससे अधिक वर्कआउट करना सही नहीं है। इसके अलावा अगर वर्कआउट के समय दर्द होने लगे तो तुरंत जिम करना बंद कर दें। लेकिन लोग इस दर्द को हल्का दर्द समझ कर बर्दाश्त करते हैं और स्थिति बदतर हो जाती है।

आराम नहीं करते

रोज जिम जाने की जरूरत नहीं है, फिटनेस ट्रेनर भी आपको सप्ताह में दो से तीन दिन आराम करने की सलाह देते हैं। क्योंकि मांसपेशियों को रिकवरी के लिए वक्त चाहिए। इसके अलावा एक ही दिन एक जैसा व्यायाम न करें, नहीं तो परिणाम सकारात्मक होने की बजाय नकारात्मक आने लगेगा। इसलिए मांसपेशियों को भरपूर आराम दें और अपने शरीर को भी आराम दें।

गलत जूतों के कारण

अगर आपको लगता है कि एक ही जूतों से सभी तरह के वर्कआउट किये जा सकते हैं तो आप गलत हैं। प्रत्येक वर्कआउट के लिए अलग-अलग तरह के जूते डिजाइन किये गये हैं। रनिंग के लिए बने जूतों में फ्लोबिसबल फैब्रिक्स का प्रयोग किया जाता है। इसलिए वर्कआउट के अनुसार ही जूतों का चयन करें और चोटिल होने से बचें।

सैडल खरीदने से पहले रखे इन बातों का ध्यान

अपने लिए सही सैडल खरीदना भी आसान काम नहीं है क्योंकि अगर आप अपने लिए सही हील नहीं चुनते तो आपकी सेहत पर इसके कई साइड इफेक्ट भी होते हैं। आपने इतनी पैसे भी लगाए और सैडल पहना भी नहीं। सही सैडल आपके अच्छे काम आती है जैसे इससे आपका आत्मविश्वास तो बढ़ता ही है। साथ ही साथ आपके पैर सुंदर दिखते हैं। अगली बार आपको सैडल खरीदने से पहले किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

अपने पैर का नाप लें – आपको अपने पैर का नाप लेते रहना चाहिए क्योंकि उम्र के साथ पैर के नाप में भी अंतर आता है और उम्र के साथ नाप कम भी हो जाता है।

आराम सबसे ऊपर है– सैडल पहन कर चले और यह देखें कि आप उनमें कैसा महसूस कर रहे हैं। अगर आपको सैडल पैरों में कसा हुआ आ रहा है तो यह बिल्कुल ना सोचें कि यह कुछ दिनों में फैल जाएगा क्योंकि ज्यादातर



अ

पहननी चाहिये। इसी बात को ध्यान में रखते हुए हम आज आपको चार साड़ियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें दुल्हन को शादी के कुछ दिनों के बाद तक पहना जाना चाहिये।

रेड और गोल्डन साड़ी – बहुत सारी दुल्हन ट्रेडिशनल रेड कलर को ही पहना पसंद करती हैं। रेड साड़ी पर गोल्डन डिजाइन का बॉर्डर और उसके साथ गोल्डन ब्लाउज आपके चारों ओर और निखार सकता है। इसके साथ आप गहने और एक रेड बिंदी लगा सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंट साड़ी – कई दुल्हन काफी हैवी साड़ी पहनती हैं, लेकिन आप कुछ अलग हट कर कर सकती हैं। जैसे फ्लोरल प्रिंट साड़ी में मॉडर्न दुल्हन। इसके साथ आप पर्ल नेकलेस और रामलीला इयररिंग पहन सकती हैं।

वाइब्रेंट नेक्स्ट डोर साड़ी – डेर सारी कढ़ाई की हुई भारी साड़ी पहने के बजाये आप एक फैशनबल साड़ी पहन सकती हैं। जिस पर अच्छी डिजाइन हो और जो आपको गलीं लुक दे।

पीली साड़ी – येलो साड़ी कभी भी नयी दुल्हन के लिए पुरानी नहीं होती है। इसके साथ आप पर्ल का कमर बंद पहन सकती हैं, साथ ही रेड बिंदी और गोल्डन चू डियां भी पहन सकती हैं।



बे

हतर जीवन यापन के लिए जरूरी है शुद्ध और पौष्टिक आहार, परफेक्ट व्यायाम और ढेर सारा पानी। इन तीनों ही चीजों को अगर बिल्कुल सही तरीके से मेनटेन करके चला जाए, तो आपकी बॉडी भी पूरी तरह से हेल्दी, वेल्दी एंड फाइन बन जाती है। अब आपमें से कई लोग ये सोच रहे होंगे कि पौष्टिक आहार और व्यायाम तक तो सुना था। अब इसमें पानी



का ऐसा या रोल है। बहुत बड़ा रोल है। कहते हैं कि रोज सुबह खाली पेट पानी पीने से आपके शरीर को बहुत सारे फायदे होते हैं। सिर्फ यही नहीं पानी आपको और भी कई तरीके से हेल्दी रखता है। कैसे, आइए जानें।

गंदगी का बाहर निकलना जरूरी

सांस लेने में, खाना खाने में या कई और तरीकों से भी बाहर की गंदगी हमारे शरीर में

शरीर के लिए फायदेमंद है नमक वाला पानी

नमक, इसका इस्तेमाल तो रसोई में खाना बनाने के लिए किया जाता है। यह खाने का स्वाद और बढ़ा देता है। स्वाद के साथ अगर देखा जाए तो नमक प्राकृतिक रूप से एक ओषधि भी है, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मददगार साबित होता है। अगर रोज सुबह नमक वाले पानी का सेवन किया जाए तो ऐसे में शरीर को कई स्वास्थ्य संबंधी फायदे मिलते हैं। क्योंकि नमक में ऐसे कई तत्व मौजूद होते हैं जो शरीर के लिए काफी फायदेमंद साबित होते हैं।

वजन घटाएं: नमक वाला पानी पाचन को दुरुस्त करके शरीर की कोशिकाओं तक पोषण पहुंचाता है, जिससे कि मोटापे को कंट्रोल में किया जा सकता है।

त्वचा: नमक में मौजूद क्रोमियम और सल्फर होता है जो एक्ने से लड़ने में मदद करता है। इसके अलावा यह त्वचा को कोमल और साफ बनाए रखता है।

डिटॉक्स: प्राकृतिक रूप अगर देखा जाए तो नमक बॉडी को डिटॉक्स करने का काम करता है। इसलिए रोजाना सुबह उठकर नमक वाले पानी का सेवन करें।

हड्डियां मजबूत: नमक वाले पानी में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करके हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

एंटीबैक्टिरियल: नमक में खनिज भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो एंटीबैक्टिरियल का काम करते हैं और शरीर को तंदुरुस्त बनाने में मदद करते हैं।

कई बीमारियों से दूर रखती है अजवाइन

अजवाइन का इस्तेमाल मसाले के रूप में हर रसोई में किया जाता है। दादी-नानी के नुस्खे में पेट दर्द होने पर अजवाइन की फक्की मार लेने की सलाह दी जाती है। यह खाने का स्वाद तो बढ़ाती ही है साथ ही सेहत से जुड़ी कई परेशानियों को दूर करती है। इसका चूर्ण बनाकर खाने से पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है।

इसके लाजवाब फायदों के बारे में

अमच: खाना खाने के बाद भारीपन होने पर 1 चम्मच अजवाइन को चुटकी भर अदरक के पाउडर के साथ खाने से फायदा मिलता है।

गुर्दों की पथरी: गुर्दों की पथरी के इलाज के लिए अजवाइन बहुत लाभकारी है। अजवाइन, शहद और लिसका का लगातार 15 दिनों तक सेवन करने से फायदा मिलता है।

अस्थमा: अस्थमा के इल जल के लिए भी अजवाइन बहुत फायदेमंद मानी जाती है। रोजाना दिन में 2 बार अजवाइन के साथ गुड़ का सेवन करने से लाभ मिलता है।

पेट दर्द: पेट दर्द से परेशान हैं तो अजवाइन और नमक का सेवन गुनगुने पानी के साथ करें।

पीरियड्स: पीरियड्स में होने वाली दर्द से छुटकारा पाने के लिए अजवाइन का पानी बहुत लाभदायक है।

गठिया: गठिया यानि जोड़ों का दर्द। गठिए के रोगी को रोजाना अजवाइन के तेल के साथ जोड़ों की मालिश करनी चाहिए। इससे आराम मिलेगा।

रेसिपी



विधि

सबसे पहले एक बर्तन में मैदे में थोड़ा सा नमक, तेल और पानी डालकर गूंद लें। धीमी आंच में एक पैन में तेल गर्म करने के लिए रखें। तेल के गर्म होते ही इसमें प्याज और हरी मिर्च डालकर सुनहरा होने तक भुन लें। अब इसमें आलू, फूलगोभी, गाजर, नमक मिलाएं और कड़छी से चलाते हुए फ्राई कर लें। जब सभी सब्धियां सॉफ्ट हो जाएं तब इसमें गरम मसाला मिलाएं और अच्छे से मिव्स कर आंच बंद कर दें। मिश्रण को एक बर्तन में निकाल लें और ठंडा होने के लिए रख दें। इसी बीच गूदे हुए मैदे की लोड्यां तोड़कर इसकी रोटियां बेल लें। मिश्रण के ठंडे होते ही इसे रोटियों के बीचों बीच रखकर इनके बॉल्स बनाएं और एक कटोरी में रखते जाएं। ध्यान रहे कि कटोरी को हल्का चिकना जरूर कर लें। अब मीडियम आंच में एक कड़ाही में 1 से 2 कप पानी गर्म करने के लिए रखें। पानी के गर्म होते ही आंच धीमी कर दें और बॉल्स वाली कटोरी को कड़ाही में रखकर इसे 5 मिनट के लिए ढक दें। तब समय के बाद स्ट्रीम्ड वेजिटेबल बॉल्स तैयार मिलेंगे। स्ट्रीम्ड वेजिटेबल बॉल्स को सर्विंग प्लेट में निकालें और टोमैटो गार्लिक चटनी के साथ सर्व करें।



विधि

सबसे पहले पोहे को अच्छे से धोकर इससे पुरी तरह से पानी निचोड़ लें। धीमी आंच में एक पैन में पानी और गुड़ डालकर उबालें। जब गुड़ की गाढ़ी चाशनी तैयार हो जाए तब इसमें इलायची पाउडर, पोहा और कढ़कस किया हुआ नारियल मिलाकर कड़छी से चलाते हुए अच्छे से मिव्स कर लें और आंच बंद कर दें। अब एक दूसरे पैन में घी गर्म करने के लिए रखें। घी के गर्म होते ही इसमें काजू डालकर इसे हल्का सुनहरा होने तक फ्राई कर लें और आंच बंद कर दें। तैयार गुड़ पोहे को काजू से गार्निश कर सर्व करें।

जानकारी

अदरक और कालीमिर्च है आपके लिए अमृत समान



रो

आज शहरों में रहने वाला हर दूसरा इंसान शाम को भोजन करने के बजाय फास्टफूड और चटपटा भोजन ही खाना पसंद करता है। जबकि ये भोजन हल्के होने के बजाय पेट को भारी करने का काम करते हैं और कब्ज की समस्या पैदा करते हैं। अगर आपको भी रूटीन लाइफ ऐसी है और आपको कब्ज की समस्या है तो रात को पानी में अदरक और काली मिर्च उबालें और उसे पिएं। इससे कब्ज की समस्या नहीं होगी।

खांसी दूर करे

बदलते मौसम में इंसान को सबसे पहले सर्द-गर्म ही होता है जिसका पहला लक्षण है- खांसी। यदि समय पर इस मौसमी खांसी का उपचार नहीं किया जाता है तो यह गंभीर रोग बन जाता है। तो अगर आपको खांसी की समस्या है तो काली मिर्च को पीसकर उसका पाउडर बनायें। फिर देशी घी में उसे भूनकर उसका सेवन करें। गरम शहद में अदरक का रस मिलाकर पीने से भी इससे राहत मिलती है।



बुखार का रामबाण इलाज



कालीमिर्च और अदरक का घोल तो बुखार का रामबाण इलाज है। बुखार ठीक करने के लिए सुबह शाम पानी में अदरक और काली मिर्च उबाल कर पिएं। इससे प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और बुखार ठीक हो जाता है।

पेट दर्द से राहत दिलाए

पीरियड के दौरान कई महिलाओं को पेट दर्द की समस्या होती है। ये दर्द कई बार खून अच्छी तरह से नहीं निकलने के कारण होता है। ऐसी स्थिति में अदरक और काली मिर्च का इस्तेमाल करें। इसके लिए 2 से 3 ग्राम अदरक, 4 काली मिर्च और एक बड़ी इलायची पीसकर पानी में उबाल लें। अब इसे गुनगुना होने पर पियें। पेट दर्द से राहत मिलेगी।

मुंह की दुर्गंध दूर करे

कई लोगों के मुंह से दुर्गंध आने की समस्या होती है जिसके कारण उन्हें दूसरों के सामने हंसी का पात्र बनना पड़ता है। मुंह की दुर्गंध दूर करने के लिए सुबह-सुबह अदरक और कालीमिर्च को पानी में उबालें और उससे कुछ्हा कर लें। इससे मुंह की दुर्गंध दूर हो जाती है।

स्ट्रीम्ड वेजिटेबल बॉल्स

सामग्री

2 कप मैदा, 1 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 कप बारीक कटे हुए आलू, 1 कप बारीक कटा हुआ फूलगोभी, 1 कप कढ़कस किया हुआ गाजर, 4 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, नमक स्वादानुसार, 1 छोटा चम्मच गरम मसाला, पानी आवश्यकतानुसार, तलने के लिए तेल

गुड़ पोहा

सामग्री

1 कप पोहा, 1 छोटी कटोरी गुड़, 2 चम्मच कढ़कस किया हुआ नारियल, एक चोथाई चम्मच इलायची पाउडर, 1 बड़ा चम्मच घी, पानी आवश्यकतानुसार

सजावट के लिए, 4-5 बारीक कटे हुए काजू



कभी-कभी मेरे अंदर का लटैत जाग उठता है

कदावर अभिनेता मनोज बाजपेयी करीब तीन दशकों से अपनी भूमिकाओं के साथ -नित नए प्रयोग करते जा रहे हैं। मनोरंजन के नए आयनामिवस के साथ भी उन्होंने कदमताल करना सीखा, यही वजह है कि सिनेमा के साथ -साथ वे ओटीटी का भी बड़ा चेहरा बन गए। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' को लेकर।

तीस सालों से भी ज्यादा का सफर तय कर चुके मनोज बाजपेयी सोशल मीडिया पर अच्छे-खासे एक्टिव हैं, मगर वे यहां होने वाली उठापटक से कितना प्रभावित होते हैं? उनके लिए लाइक्स, कमेंट्स और व्यूज कितना मायने रखते हैं? इस पर वे कहते हैं, 'मैं लाइक्स और कमेंट्स नहीं देखता। अब इतने साल बाद मुझे ये देखना पड़े तो लानत है मेरे काम, मेरी तीस साल की जनी पर'।

जिस स्थिति से गुजरा मैं ही जानता हूं

उन जैसे सोबर अभिनेता को क्या कभी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा? इस पर वे तपाक से कहते हैं, 'बिल्कुल, हाल-फिलहाल कुछ ही महीने पहले जब मेरी एक फिल्म के टाइटल (घूसघोर पंडित) को लेकर विवाद हुआ, उस पर जो धमकियां और जान

की धमकी मिली और मैं जिस स्थिति से गुजरा मैं ही जानता हूं। क्योंकि उस फिल्म का चेहरा मैं हूं, तो मुझे ये सब सहना पड़ा। खैर अब तो फिल्म का शीर्षक बदल दिया गया है। अब क्या है न कि आप कोई भी फिल्म बना रहे हो, कोई भी क्रिएटिव काम कर रहे हो, तो उसके विरोध के स्वर कहीं से भी आ सकते हैं। आज के दौर में ट्रोलिंग बहुत आसान है। कोई भी कहीं से कुछ भी बोल सकता है। अगर आपको गाली देना हो तो बड़े से बड़े लोग भी अच्छे नहीं हैं।' ट्रोलिंग को हैडल करने के मसले पर वे कहते हैं, 'या तो आप उसको गंभीरता से लीजिए या ये समझिए कि कुछ लोग हैं, जो आपको अपने स्तर पर लाना चाहते हैं, ताकि आप ऐसे जवाब दें, रिप्लेट करें। जाहिर है आप उनके स्तर पर नहीं जाना चाहेंगे। आप अपने जीवन में कितने ऐसे लोगों से बातचीत करते हैं? जो लोग जहीन लोग हैं, जो पढ़ते-लिखते हैं, जो अच्छा देखते हैं, जिनके साथ ज्ञान मिलता है, हम उनके साथ उठते-बैठते हैं। बाकी समय परिवार को जाता है, तो मैं कभी जवाब नहीं देता। मगर कभी-कभी मेरे अंदर का गांव का जो लटैत है, वो अंदर से बाहर आना चाहता है। फिर मैं कहता हूं, मनोज या, किस-किस के मुंह लगोगे? जो आदमी अभी उठा होगा, जो अपने पिताजी से पैसे मांगने वाला होगा कि आज जरा फिल्म देखने जाना है या मुझे

आइसक्रीम खानी है या अपने पिताजी को बेवकूफ बनाना चाह रहा होगा कि कैसे भी ऐसे हड़प कर लूं। वो आपको गाली दे रहा है। एक आदमी जो 18 साल की उम्र में घर से बाहर निकल गया, आप अब उसको गाली दे रहे हो, इतना काम करने के बाद। अगर उसको इतनी भी शर्म नहीं, तो क्या ही कहे? मुझे तो छोड़िए, ये बड़े से बड़े लोगों को गाली देते हैं। ऐसे लोगों के मुंह क्या लगना?'



हर बार विरासत हार रही है

उनकी हालिया फिल्म में 'विरासत वरेंज डेवलपमेंट' की लड़ाई दिखाई गई है। इस मुद्दे पर वे कहते हैं, 'विकास बनाम विरासत, विकास बनाम यादें, ये लड़ाई बहुत पुरानी है और हर बार जो है, विरासत हार रही है। धरती बदल रही है और आधुनिकता के नाम पर जिस तरह के कंस्ट्रक्शन हो रहे हैं, उसमें हम अपनी मिट्टी और विरासत की पहचान कायम नहीं रख पा रहे हैं। सीधी-सी बात है, हमारे एयरपोर्ट्स और स्टेशन हमारी 700, 600 या 1000 साल पुरानी वास्तुकला से प्रेरणा लेकर क्यों नहीं बन सकते? क्यों हमेशा वो मैनहेटन या न्यूयॉर्क का एयरपोर्ट ही लगे? ये बात मुझे आज तक समझ नहीं आई। हर जगह की अपनी पहचान है। अमेरिका की अपनी और हिंदुस्तान की अपनी। राजस्थान में कुछ बन रहा है तो उसमें राजस्थान क्यों नहीं दिखना चाहिए? विकास बनाम विरासत की ये लड़ाई बहुत पुरानी है और इस फिल्म में भी यही संघर्ष है। एक तरफ मास्टर जी हैं, जो अपनी यादों और विरासत को बचाए रखना चाहते हैं, दूसरी तरफ वे लोग हैं जिनकी जरूरतें बढ़ गई हैं और उनके लिए विकास जरूरी है। ये कहानी 50 साल पुरानी नहीं, आज हमारे आस-पास चल रही लड़ाई है।'

काउगर्ल्स एंड इंडियंस में दिखाई देंगी मनीषा

मनीषा कोइराला एक बार फिर अपनी एक्टिंग से दर्शकों का ध्यान खींचने के लिए तैयार हैं। संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में नजर आने के बाद अब मनीषा एक अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट का हिस्सा बन गई हैं। वह हॉलीवुड की इंडिपेंडेंट फिल्म 'काउगर्ल्स एंड इंडियंस' में मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग इसी साल नवंबर में अमेरिका के टेक्सास राज्य के ऑस्टिन और उसके आसपास के इलाकों में शुरू होने वाली है। इस फिल्म का नाम पहले 'काउबॉयज एंड इंडियंस' रखा गया था।

बाद में इसका नाम बदलकर 'काउगर्ल्स एंड इंडियंस' कर दिया गया। फिल्म का लेखन और निर्देशन तेजल देसाई कर रही हैं। वह निकोल फेलो भी रह चुकी हैं। फिल्म का निर्माण किर्ताना बंसकोटा कर रही

हैं। फिल्म की कहानी अमेरिका के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से की पुच्छभूमि में रखी गई है। यहां एक भारतीय महिला अपनी जिंदगी, अपनी जड़ों और आसपास के लोगों के साथ अपने रिश्तों को समझने की कोशिश करती है। कहानी में सांस्कृतिक बदलाव, अकेलापन, दोस्ती और खुद को स्वीकार करने जैसे पहलुओं को जगह दी गई है।

आशा के किरदार में नजर आएंगी मनीषा

मनीषा फिल्म में 'आशा' नाम की महिला का किरदार निभाएंगी। आशा एक अछेड़ उम्र की भारतीय महिला है, जो अमेरिकी माहौल में अपनी पहचान को लेकर कई तरह के सवालों से गुजरती है। वह अपने जीवन के ऐसे दौर में पहुंच चुकी है, जहां उसे अपने बारे में कई चीजों को नए नजरिए से देखना पड़ता है। कहानी सिर्फ एक भारतीय महिला के अमेरिका पहुंचने या वहां रहने की नहीं है, बल्कि यह उसके अंदर चल रहे बदलावों पर भी ध्यान देती है। अलग संस्कृति और अलग माहौल के बीच वह नए लोगों से मिलती है और कुछ ऐसी दोस्तियां बनती हैं, जिनकी उसने शायद पहले कल्पना भी नहीं की थी।

टेलीविजन से बॉलीवुड तक अभिनेत्री प्राची देसाई ने बनाई खास पहचान

हिंदी फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक प्राची देसाई का जन्म गुजरात के सूरत में हुआ था। उनके पिता का नाम निरंजन देसाई है, जो कि पेशे से कॉलेज प्रोफेसर हैं और मां का नाम अमिता देसाई है। वहीं, उनकी एक बहन भी है, जिनका नाम ईशा देसाई है। प्राची ने अपनी स्कूलिंग महाराष्ट्र के पंढरगढ़ी के सेंट जोसेफ कॉन्वेंट से पूरी की। इसके बाद उन्होंने पुणे के सिंहगढ़ कॉलेज से ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त की। प्राची को शुरू से ही एक्टिंग में रुचि थी। इसलिए उन्होंने पढ़ाई पूरी करने के बाद एक्टिंग की ओर रुख किया। प्राची देसाई ने एकता कपूर के लोकप्रिय टीवी शो 'कसम से' अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, जिसमें उनके अपोजिट राम कपूर थे। इस सीरियल में उन्होंने अपनी दीक्षित वालिया का मुख्य किरदार निभाया था, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया और उन्हें घर-घर में जबरदस्त पहचान मिली।

टेलीविजन इंडस्ट्री में जबरदस्त पहचान बनाने के बाद अभिनेत्री ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू वर्ष 2008 में अभिषेक कपूर के द्वारा डायरेक्ट की गई फिल्म 'रॉक ऑन' से किया। इस

फिल्म में उनके साथ फरहान अख्तर, अर्जुन रामपाल, पूरब कोहली और शहाना गोस्वामी भी मुख्य किरदार में थे। पहली फिल्म में ही उनकी एक्टिंग को खूब सराहा गया और उन्होंने टेलीविजन इंडस्ट्री से बॉलीवुड में सफल पहचान बनाई। अपनी डेब्यू फिल्म में शानदार परफॉर्मेंस के लिए अभिनेत्री को बेस्ट फीमेल डेब्यू के फिल्मफेयर पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया। इसके बाद अभिनेत्री ने अन्य कई फिल्मों में काम किया, जिसमें 'लाइफ पार्टनर', 'वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई', 'तेरी मेरी कहानी', 'बोल बच्चन', 'आई, मी और हम', 'अजहर', 'फॉरेंसिक' आदि शामिल हैं।



संदीपा धर ने अपनी फीमेल को-स्टार्स के साथ अपनी खास बॉन्डिंग के बारे में बात की

'चुंबक' जहां पढ़े पर हंसी, मनोरंजन और शानदार परफॉर्मेंस का वादा करता है, वहीं संदीपा धर के लिए यह प्रोजेक्ट उनकी जिंदगी में इससे भी खास चीज लेकर आया है, और वो है एक खूबसूरत और हमेशा साथ रहने वाला बहनो जैसा रिश्ता। अभिनेत्री ने हाल ही में शो की अपनी फीमेल को-स्टार्स के साथ अपनी खास बॉन्डिंग के बारे में बात करते हुए बताया कि 'चुंबक' के दौरान बनी दोस्ती अब सिर्फ काम तक सीमित नहीं रही, बल्कि एक मजबूत रिश्ते में बदल चुकी है। अपनी फीमेल को-स्टार्स के साथ बॉन्डिंग को लेकर संदीपा ने कहा, 'चुंबक' ने मुझे सिर्फ बेहतरीन को-स्टार्स ही नहीं दिए, बल्कि एक ऐसा बहनो जैसा रिश्ता भी दिया है, जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगी। नीना मेम, डेलनाज, मानसी, हेली, अमायरा और मैं खुद को गर्व से 'गर्ल गैंग' कहते हैं। सच पूछिए तो इंडस्ट्री में शूटिंग और काम के बीच समय निकालना आसान नहीं होता, लेकिन हम सभी एक-दूसरे के लिए समय निकालने की पूरी कोशिश करते हैं। कभी ब्रंच, कभी डिनर, तो कभी बस साथ बैठकर घंटों बातें करना, ये छोटे-छोटे पल हमारे लिए बहुत मायने रखते हैं। इस ग्रुप में इतना प्यार, सपोर्ट, हंसी-मजाक और अपनापन है कि यह परिवार जैसा महसूस होता है। मैं खुश हूँ कि 'चुंबक' मेरे जीवन में इन शानदार महिलाओं को लेकर आया। मुझे पूरा यकीन है कि कैमरे बंद होने के बाद भी ये रिश्ता हमेशा मेरे साथ रहेगी।' संदीपा की ये बातें 'चुंबक' की महिला कलाकारों के बीच साझा की जाने वाली सच्ची दोस्ती और बॉन्डिंग की झलक देती हैं, जो अपने व्यस्त शेड्यूल के बावजूद यह गर्ल गैंग एक-दूसरे के लिए समय निकालना नहीं भूलती। संदीपा की ये बातें, ये भी दिखाती हैं कि साथ काम करते हुए बने कुछ रिश्ते जिंदगी भर के लिए खास बन जाते हैं।

...अब विलेन वाली भूमिकाओं से दूरी बनाना चाहते हैं सैफ अली खान

पिछले कुछ सालों में ताना जी के उदयभान, आदिपुरुष के लंके, देवरा 1 के भेरवा जैसे नकारात्मक किरदारों के लिए सुर्खियां बटोरने वाले एक्टर सैफ अली खान अब विलेन वाली भूमिकाओं से थोड़ी दूरी बनाना चाहते हैं। ऐसे में, अपनी अगली फिल्म हैवान में एक अंधे म्यूजिशियन और मार्शल आर्टिस्ट के चुनौतीपूर्ण रोल को लेकर वह उत्साहित हैं। सैफ अली खान ने अपनी इस फिल्म को लेकर बातें करते हुए कहा कि वह अभी कुछ समय के लिए हीरो के रोल ही करना चाहते हैं। अपनी इस फिल्म में अपने रोल को लेकर बातें की जिसमें वो देख नहीं पाते हैं। सैफ अली खान ने कहा, 'मैं अभी नेगेटिव रोल से थोड़ा ब्रेक लेना चाहता हूँ। तब मैं बतौर एक्टर ऐसे किरदार एक्सप्लोर करना चाहता था, मगर अभी कुछ समय के लिए हीरो के रोल ही करना चाहूंगा।' सैफ हैवान के अपने किरदार को बहुत ही खास मानते हैं। वह कहते हैं, 'मैंने अब तक ज्यादातर जो रोल किए हैं, उनके प्रति सहानुभूति नहीं होती। वे या तो मजबूत हैं या प्रिविलेज्ड हैं या नेगेटिव, तो उनके लिए दुख महसूस नहीं होता, जबकि इसके लिए आपके मन से आह निकलती है, जो मेरे लिए बहुत अलग और नई बात थी और मैंने इसी इमोशन को निचोड़ा है।' उन्होंने आगे कहा था, 'हालांकि, अंधे का रोल करना बहुत चुनौतीपूर्ण था। ऊपर से वो बच्चों को म्यूजिक, मार्शल आर्ट, रेसलिंग भी सिखाते हैं, तो मुझे स्ट्रेस था कि वो नकली न लगे लेकिन मेरे दिमाग में जैपनीज समुदाय फिल्में थीं। वे काफी ऐसी फिल्में बनाते हैं कि एक अंधा आदमी कैसे सुनकर महसूस करते हैं, फाइंड भी कर सकते हैं, तो वे फिल्में देखकर मुझमें कविवक्शन था कि मैं भी ऐसा कर सकता हूँ।'



रोहित रॉय पर भड़की देवोलीना

अभिनेता रोहित रॉय ने टीवी को 'कूड़ेदान जैसा माध्यम' कहकर चर्चा छेड़ दी है। रोहित ने कहा कि फिल्म स्टार्स में एक खास तरह का स्टाइल और वलास होता है जो अक्सर टेलीविजन कलाकारों में नहीं दिखता। इस पर अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्य ने रोहित रॉय की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर लोग उन्हें सिर्फ रॉय के भाई के तौर पर जानते हैं।

देवोलीना ने रोहित रॉय से पूछा सवाल

रोहित रॉय की बातों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए अभिनेत्री ने कहा कि रोहित उसी माध्यम का अपमान कर रहे थे, जिसने उन्हें काम और पहचान दी। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर वह टेलीविजन के बारे में इतना बुरा सोचते थे, तो इतने वर्षों तक इसका हिस्सा क्यों बने रहे। देवोलीना ने बातचीत में कहा, 'लोगों की एक अजीब आदत होती है कि वे उसी हाथ को काटते हैं जो उन्हें खिलाता है। उसी थाली में छेद करते हैं जिसमें वह खाते हैं। उनकी बातें बिल्कुल वैसी ही लग रही हैं। फिल्मों की तो बात छोड़िए, सच कहूँ तो मुझे यह भी याद नहीं कि वह किस टीवी सीरीज में थे। सच कहूँ तो, ज्यादातर लोग उन्हें सिर्फ रॉय के भाई के तौर पर जानते हैं। अगर टीवी इतना ही बुरा था, तो उन्होंने इतने वर्षों तक इसका हिस्सा बने रहने का फैसला क्यों किया? अब वह उसी माध्यम को 'डस्टबिन' कह रहे हैं।'

क्या रोहित कर रहे

बॉलीवुड स्टार्स पर तंज देवोलीना ने यह भी कहा कि रोहित की बातों को उन बॉलीवुड एक्टर्स पर तंज के तौर पर देखा जा सकता है जो अक्सर

टेलीविजन पर आते हैं। उन्होंने कहा, 'आज हर बड़ा बॉलीवुड स्टार अपनी फिल्मों को प्रमोट करने, रियलिटी शो होस्ट करने और दर्शकों से जुड़े रहने के लिए टेलीविजन पर आता है। क्या वह यह कहना चाह रहे हैं कि वे सभी 'डस्टबिन मीडियम' में काम कर रहे हैं? यह बस उसी इंडस्ट्री को नीचा दिखाकर ध्यान खींचने की एक हताश कोशिश लगती है जिसने उन्हें बनाया है।'

टीवी को 'कूड़ेदान जैसा माध्यम' बोले थे रोहित रॉय

रोहित रॉय ने बातचीत में कहा था कि मुझसे यह सवाल कई बार पूछा गया है और कभी-कभी मुझे लगता है कि मुझे एहसान-फरा मोशन नहीं लगना चाहिए। मगर टेलीविजन एक 'डस्टबिन मीडियम' है। आप इसे आज देखते हैं, यह कल के अखबार जैसा होता है। कल आप इसे भूल जाते हैं। इसलिए भारत में दुर्भाग्य से जिस तरह का और जितना कटेंट बनाया जा रहा है, उसमें शायद ही कोई क्रिएटिविटी होती है।'

